Ranchi ● Wednesday, 28 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 42 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

बजट 2024-25

"यह हर उस झारखंडी का बजट है, जिसके मुद्दों, सपनों एवं अपेक्षाओं को, पिछली डबल इंजन की सरकारों द्वारा हमेशा हाशिए पर रखा गया, उन्हें नजरअंदाज किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस बजट में चार महिला कॉलेज समेत 19 नये डिग्री कॉलेज खोलने का प्रावधान है। रांची में मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा। इसके अलावा, हजारों स्कूलों को आदर्श विद्यालय के तौर पर विकसित किया जायेगा।

चंपाई सोरेन, सीएम।

अपने झारखंड की जनता के लिए भरोसेमंद बजट

₹1,28,900 करोड़ का बजट पेश किया वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एक लाख 28 हजार 900 करोड़ का बजट पेश किया। वित्तमंत्री ने कहा कि अगले वित्तीय वर्ष में राज्य का विकास दर 7.7 फीसदी रहने का अनुमान है। चार साल में स्थापना व्यय की तुलना में योजना व्यय में बढ़ोतरी हुई है। रामेश्वर उरांव ने बजट पेश करते कहा कि वित्तीय प्रबंधन मजबूत हुआ है। उत्कृष्ट बनाए रखा है, जिनकी आवाज कोई नहीं सुनता था, उन्हें सबल किया। सरकार आपके द्वार, सर्वजन पेंशन, अबुआ आवास, जयपाल सिंह मुंडा स्कॉलरशिप जैसी योजनाओं से विकास की राह पकड़ी है। कोरोना संकट को पीछे छोड़ दिया। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6.8 प्रतिशत रहा।राजकोषीय घाटा कम हुआ। वित्त मंत्री ने कहा कि यह वर्ष 2024-25 के लिए 1,28,900 करोड़ रुपये का सकल बजट अनुमान है। यह पिछले साल से 10.7 प्रतिशत अधिक है। 2024-2025 में राजस्व व्यय के लिए 91,832 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। यह पिछले वर्ष से 8.5 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2024-2025 में राजकोषीय घाटा 9500 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो कि अनुमानित जीएसडीपी का 2.02 प्रतिशत है। झारखंड को 2030 तक 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है।

- पिछले साल से 10.7 प्रतिशत अधिक है यह बजट
- 2024-25 में राजस्व व्यय के लिए 91,832 करोड़ रुपये प्रस्तावित
- 2024-2025 में राजकोषीय घाटा 9500 करोड़ रुपये होने का अनुमान
- 2030 तक 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

किसानों का ₹2 लाख का लोन होगा माफ

वित्त मंत्री ने कृषि विभाग के लिए तैयार बजट का जिक्र करते कहा कि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के माध्यम से 4,62,00 से अधिक किसानों के बीच 1858 करोड़ रुपये की ऋण माफी की गई। आगामी वित्तीय वर्ष 2024-2025 में ऋण माफी की सीमा 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये करने तथा एनपीए खाताधारक किसानों को भी इस योजना के तहत सम्मिलित करने का प्रयास है। बिरसा बीज उत्पादन, विनिमय वितरण एवं फसल विस्तार योजना को वित्तीय वर्ष 2023-2024 में लागू कर लगभग 2 लाख 10 हजार किसानों को आच्छादित किया। अनुदान पर बीज वितरण किया। 2024-2025 में इस योजना पर 80 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है।

अबुआ आवास योजना

अबुआ आवास योजना के तहत आवास ऋण की रकम को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 3.50 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके लिए सरकार की ओर से करीब 4,831.83 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अबुआ आवास के लिए वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर 2027-28 के दौरान हरेक साल करीब 4.5 लाख परिवारों को आवास मुहैया कराए जाएंगे और 2027-28 तक करीब 20 लाख परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

"रामेश्वर उरांव ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2022-23 के लिए हमर अपन बजट पोर्टल के माध्यम से एक नवाचारी प्रयोग प्रस्तुत किया था। इसमें लोगों से सुझाव मिले जिसे इसमें शामिल भी किया गया है। 2023-24 में इसे जनमन के और करीब लाने को ह्लहमीन कर बजटह्व नाम दिया गया। 2024-25 में भी इन प्रयोगों को जारी रखा। गरीबों की आवाज हम बने हैं। कई योजनाएं शुरू कीं। वर्ष 2019-20 में राज्य का आर्थिक विकास दर 1.1 प्रतिशत प्रतिशत था। कोरोना काल का अपवाद छोड़ दें तो वर्ष 2022-23 में विकास दर 6.8 प्रतिशत रहा। 2023-24 में राष्ट्रीय आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की तुलना में राज्य का विकास दर 7.1 प्रतिशत रहा। वर्ष 2024-25 में इसका 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्तीय प्रबंधन के द्वारा वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटा को 1.2 प्रतिशत से भी कम रखने में सफलता हासिल की है।

मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना

बजट में सरकार ने झारखंड के लोगों को 60 साल के व्यक्ति को पेंशन देने के लिए मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना लागू करने का प्रस्ताव किया है। इस योजना में दिव्यांगों, आदिम जनजाति के व्यक्तियों, निराश्रित महिलाओं, एचआईवी/एड्स से ग्रस्त व्यक्तियों और ट्रांसजेंडरों के साथ-साथ 50 साल की उम्र पार सभी महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को पेंशन का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए सरकार की ओर से करीब 3,107.40 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्र के भवन का निर्माण

सालाना बजट में सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान राज्यभर में करीब 2,500 आंगनबाड़ी केंद्रों पर नए भवन का निर्माण कराएगी। झारखंड में फिलहाल करीब 38,432 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए टेबल-कुर्सी की खरीद के लिए सरकार करीब 280.17 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

सिंचाई परियोजना

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए पीरटांड मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के क्रियान्वयन का भी प्रस्ताव किया गया है। इसके तहत बराकर नदी पर वीयर का निर्माण कराने के बाद अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए पीरटांड प्रखंड के अलावा पूर्वी सिंहभूम के पटमदा आदि क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

ऑनलाइन एजुकेशन

झारखंड में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए सरकार की ओर से लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जा रहा है। इसके तहत छात्रों की ऑनलाइन क्लास, मूल्यांकन, प्रॉक्टरिंग और ग्रेडिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

ब्लॉक लेवल लीडर स्कूल

झारखंड की प्राथमिक-माध्यमिक शिक्षा में सुधार के लिए प्रखंडस्तरीय लीडर स्कूल का निर्माण कराया जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सरकार पूरे झारखंड में करीब 325 प्रखंडस्तरीय लीडर स्कूलों और करीब 4,036 पंचायत स्तरीय आदर्श विद्यालयों का निर्माण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही, सरकार वर्ष 2024-25 के दौरान झारखंड के सात जिलों के करीब 1000 स्कूलों में मातृभाषा आधारित शिक्षण्ण प्रक्रिया की शुरूआत करेगी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा संस्थानों के नामांकन में सुधार के लिए सरकार की ओर से स्नातक और डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना की शुरूआत करेगी। इसके लिए डिप्लोमा कोर्स के लिए छात्र-छात्राओं को करीब 15,000 रुपये और स्नातक कोर्स के लिए 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

19 नए कॉलेज का निर्माण

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के सालाना बजट में 19 नए कॉलेज खोलने का प्रस्ताव किया है। इसमें 14 डिग्री कॉलेज और 4 महिला महाविद्यालय शामिल हैं।

छात्रावासों का निर्माण

झारखंड के सालाना बजट में सरकार की छात्रावास निर्माण योजना के तहत उच्च शिक्षा हासिल करने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ फ्री में आवास की सुविधा उलब्ध कराने के लिए राज्य के प्रमुख शहरों में मल्टीस्टोरी छात्रावास के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है। इन छात्रावासों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से कराया जाएगा। आधार आधारित बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन के जरिए अनाजों के वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 2जी नेटवर्क आधारित ईपीओएस के स्थान पर अब 4जी नेटवर्क आधारित ईपीओएस स्थापित किया जाएगा।

गरीबों की थाली में सब्जी

झारखंड के गरीब परिवारों को भोजन मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही दाल-भात योजना के साथ ही अब हर थाली में सब्जी भी परोसी जाएगी। इसके लिए सरकार की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरखा अधिनियम और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक राशन कार्डधारी परिवार को सोयाबीन की बड़ी बांटी जाएगी।

रांची में इनर रिंग रोड

वर्ष 2024-25 के बजट में नए रोड का निर्माण, उसका नेटवर्क बढ़ाने और कोर रोड नेटवर्क कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए निर्धारित नए रोड को शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। रोड अपग्रेडेशन मिनिमम इंटरमीडिएट लेन कॉन्फिगरेशन के रूप में किया जाएगा। इसके तहत ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट और इम्पॉर्टेंट कॉरिडोर के निर्माण के साथ ही रांची में इनर रिंग रोड का निर्माण कराया जाएगा।

125 यूनिट बिजली फ्री

झारखंड सरकार की ओर से घरेलू उपभोक्ताओं को अब 100 यूनिट के स्थान पर 125 यूनिट बिजली फ्री में दी जाएगी। इसके साथ ही पतरातु में 4000 मेगावाट के सुपर थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। कोडरमा, चांडिल, बलियापुर, गोमियो और देवीपुर में ग्रिड सब-स्टेशन का निर्माण कराया जा रहा है।

ड्रोन सर्वेक्षण इकाई

जेसैक (झारखंड स्पेस अप्लिकेशन सेंटर) की ओर से एक ड्रोन सर्वेक्षण योजना बनाई गई है। इस इकाई झारखंड में ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नोडल एजेंसी के तौर पर काम करेगी। इसके तहत विभिन्न सरकारी विभागों के साथ ही निजी संस्थाओं को सेवाएं देने के अलावा ड्रोन प्रौद्योगिकी के आधार पर शिक्षण और अनुसंधान भी किया जाएगा।

पलामू में अंडरग्राउंड पाइपलाइन

इसके साथ ही सरकार ने सालाना बजट में पलामू जिले में अंडरग्राउंड पाइपलाइन के माध्यम से विभिन्न जलाशयों और जल निकायों में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए 456.63 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव किया गया है। इससे पलामू के चैनपुर, मेदिनीनगर, सतबरवा, विश्रामपुर, छत्तरपुर, हुसैनाबाद और मोम्मदगंज के निवासियों और किसानों को लाभ मिलेगा।

जनप्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी

सरकार ने राज्य के जनप्रतिनिधियों के वेतन में बढ़ोतरी करने का भी प्रस्ताव किया गया है। झारखंड बजट में कहा गया है कि राज्य में करीब 12 साल बाद निर्वाचित जनप्रतिनिधियों मानदेय में बढ़ोतरी की जाएगी। इसमें जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख, उपप्रमुख, मुखिया, उपमुखिया, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और ग्राम पंचायत सदस्य शामिल हैं।

बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क

झारखंड में छात्रों को व्यावसायिक और रोजगारपरक शिक्षा देने के लिए तकनीकी तौर पर भी मजबूत किया जाएगा। इसके लिए सरकार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एआर/वीआर और बाजार की मांग वाली सेवाओं में रिटेल, हॉस्पिटलिटी, वित्तीय सेवाओं के लिए स्पेशल परपस व्हीकल के माध्यम से बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा योजना

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का सुगम संचालन और किसानों को समय पर उनके धान के मूल्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए धान अधिप्रापति योजना के तहत खरीदे गए धान के निकलने वाले चावल से किया जाएगा। इसके लिए झारखंड में पहली बार कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) का इस्तेमाल किया जाएगा। इस योजना में करीब 20 लाख लाभुकों शामिल करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे बढ़ाकर 25 लाख कर दिया गया है।

बाल बजट

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आउटकम बजट से संबंधित विभाग की योजनाओं के आधार पर सरकार की ओर से बाल बजट भी तैयार किया गया है। इसे तैयार किए जाने का उद्देश्य झारखंड में बच्चों के समुचित विकास के लिए समेकित प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए करीब 216 योजनाओं में से करीब 80 योजनाओं के आधार पर बाल बजट तैयार किया गया है। इसके लिए सरकार की ओर से करीब 8866.69 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान है।

खेल प्रतियोगिता व जलापूर्ति योजना

झारखंड में उभरती खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए बजट में खेल प्रतियोगिता आयोजन करने का प्रस्ताव किया गया है। इसमें मुख्य रूप से स्पोर्ट्स एक्शन टूवर्ड हार्नेसिंग एस्पाइरेशन ऑफ यूथ और मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल क्लब प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। अमृत 2.0 मिशन के तहत झारखंड में करीब आठ जलापूर्ति योजना की शुरूआत की जाएगी।

टेरिटरी हेल्थ केयर

झारखंड सरकार टेरिटरी हेल्थ केयर को मजबूत बनाने के लिए आने वाले सालों में राजधानी रांची में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करेगी। इसके साथ ही, पहले से संचालित रिम्स को सुदृढ़ीकरण और रिनपास के कैंपस में उपलब्ध जमीन पर एक मेडिको सिटी की स्थापना की जाएगी।

पीडीएस डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी

इसके साथ ही, सरकार ने अपने सालाना बजट में जनवितरण प्रणाली के डीलरों के कमीशन के बढ़ोतरी करने का भी प्रस्ताव किया है। झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत डीलरों के कमीशन को 100 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर करीब 150 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

झारखंड के बजट में आम लोगों के लिए क्या है खास

- 2024-25 में 1000 स्कूलों में किचन सह स्टोर की मरम्मत होगी।
- 50000 किसानों को उद्यानिक फसलों का विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- कृषि यंत्र वितरण में 200 करोड़ खर्च किये जायेंगे।
- 2024-25 में कृषि ऋण माफी की सीमा 50,000 से बढ़कर 2,00,000 किया जायेगा।
- तालाबों की गहरीकरण, जीर्णोद्धार के लिए जल निधि उप योजना के तहत 1500 डीप बोरिंग का काम और 4000 परकोलेशन टैंक बनाने के लिए 380 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।
- 2024-25 में मनरेगा में नौ करोड़ मानव दिवस सृजित करने का लक्ष्य।
- 2024-25 में अबुआ आवास योजना में 4831 करोड़ का बजट।
- सिंचाई सुविधाओं और सिंचाई क्षमता के विस्तार के लिए जल संसाधन में 2238 करोड़ खर्च होंगे।
- आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण पर 13.50 करोड़ खर्च होंगे।
- गर्भवती महिलाओं और जच्चा बच्चा के स्वास्थ्य के लिए 1500 रुपये का मातृ किट 6000 लाभार्थियों के बीच वितरित किया जायेगा। इस योजना में 90 करोड़ खर्च होंगे। किट में मच्छरदानी, जच्चा और बच्चा के लिए पोशाक, तेल, साबुन, बाल्टी जैसी सामग्रियां होंगी।
- दिव्यांग कल्याण योजना के तहत 6.10 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।
- 2024-25 में 325 प्रखंड स्तरीय लीडर स्कूल का संचालन शुरू किया जायेगा।
- 4036 पंचायत स्तरीय स्कूलों को अगले दो वर्षों में आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जायेगा।
- 117 स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा के लिए लैब की स्थापना की जायेगी।
- राज्य में 19 नये कॉलेज (15 डिग्री कॉलेज और चार महिला कॉलेज) स्थापित किये जायेंगे।
- रांची में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना होगी।
- रिम्स को सुदृढ़ किया जायेगा।
- रिनपास के कैंपस में उपलब्ध भूमि पर एक मेडिको सिटी की स्थापना होगी।
- खाद्य सुरक्षा योजना के लाभुकों की संख्या 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख किये जाने का प्रस्ताव।
- पीडीएस डीलरों को दिये जाने वाले कमीशन की राशि को 100 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति क्विंटल किया जायेगा।
- खाद्य सुरक्षा योजना के प्रत्येक राशन कार्ड धारी परिवार को सोयाबीन बरी का वितरण किया जायेगा।
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत पांच साल या उससे पहले बने क्षतिग्रस्त 1500 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जायेगा।
- 2024-25 में 70 पुलों का निर्माण कराया जायेगा।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 2500 किलोमीटर सड़क और 200 पुलों का निर्माण कराया जायेगा।
- 20,000 का ग्रिड सोलर पंप का वितरण और अधिष्ठापन किया जायेगा।
- 6360 युवक युवतियों को पीएमईजीपी योजना के तहत स्वरोजगार से जोड़ा जायेगा।
- विभिन्न औद्योगिक नीतियों के तहत 20710 करोड का निवेश लाया जायेगा, जिससे राज्य के एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है।
- 144 बुनकरों को बुनाई में एक साल का प्रशिक्षण और हस्तशिल्प के विभिन्न ट्रेडों में 270 शिल्पियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- औद्योगिक विकास के लिए 484.87 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

BRIEF NEWS

सीएम नवीन पटनायक ने मिशन शक्ति के मार्फत बांटा ऋण

ROURKELA : विरमित्रपुर नगर पालिका अंतर्गत आईसीडीएस कार्यालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मिशन शक्ति में जीरो प्रतिशत ब्याज पर 10 लाख रुपये तक मिशन सक्ति ऋण, 145 करोड़ रुपये का ब्याज पुनर्भुगतान और 730 करोड़ रुपये की यूनिफॉर्म और ब्लेजर सहायता कार्यक्रम में दिए गए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विरमित्रपुर नगर पालिका के अध्यक्ष संदीप मिश्रा, विरमित्रपुर नगर पालिका के उपाध्यक्ष निवेदिता बागे, बीरमित्रपुर नगर पालिका वार्ड पार्षद, एसबीआई बैंक की ब्रांच मैनेजर और स्वयं सहायता समूह के सदस्य में उपस्थित थे।

बीजेडी ने की नेत्र व दंत चिकित्सा शिविर आयोजित 170 लोगों की हुई जांच

ROURKELA : राउरकेला विधायक एवं राज्य के श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक के निर्देश पर राउरकेला बीजू जनता दल ने आज गंगाधर पल्ली वार्ड संख्या 11 में निःशुल्क नेत्र एवं दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया। 170 से अधिक लोगों की आंखों और दांतों की जांच की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन राउरकेला शहर अध्यक्ष गगन पांडा सहित अन्य लोगों में सौभाग्य मल्लिक, बुटू दास, हाड़ीबंधु महंती, विचित्र नायक, सीटू सामल, सुशांत पारीदा, अक्षय कुमार, राजेश साहणी, कविता साहणी, रीना बाला सेठी, रबीनारायण सामल, संतोषी डे, सादिक सार, मिनती जेना उपस्थित थे।

राउरकेला गांधी महाविद्यालय में नए भवन का हुआ शिलान्यास

ROURKELA : राउरकेला गांधी महाविद्यालय (राउरकेला) में लगभग (86 लाख रुपये) की लागत से नए कक्षा भवन का शिलान्यास कार्यकर्म आज सुबह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राउरकेला विधायक व राज्य के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुए। पूजा अर्चना कर नारियल फोड़ कर कक्षा निर्माण का कार्य शुभारम्भ किए। इस अवसर पर एडीएम (राउरकेला) सह आरएमसी आयुक्त आशुतोष कुलकर्णी, प्राचार्य (गांधी कॉलेज) चंद्रिका पटनायक, छात्र और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

राउरकेला के रश्मि रंजन स्वाई जम्मू-कश्मीर में है डीजी

ROURKELA : राउरकेला के रश्मि रंजन स्वाई वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के डीजी पुलिस के पद पर कार्यरत हैं। रश्मि रंजन स्वाई फिलहाल राउरकेला स्थित अपने घर आकर वे हर पल का आनंद ले रहे हैं। पिछले साल नवंबर में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद अपने गृह नगर की अपनी पहली यात्रा के दौरान स्वाई ने कहा, ₹मुझे राउरकेला में वापस आने पर गर्व है .. मैंने यहां के हर जगह का आनंद लिया है।

सविता मेडिकल फाउंडेशन संस्था का अनावरण

ROURKELA : सविता मेडिकल फाउंडेशन संस्था का अनावरण प्रेस क्लब रांची में किया गया। सविता मेडिकल फाउंडेशन एक रजिस्टर्ड संस्था है इसका कार्यालय मैक्स ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल अमेठी नगर नामकुम रांची के सेकंड फ्लोर में स्थित है इसका मुख्य प्रबंध निदेशक डॉक्टर अरुण कुमार दास ने कहा कि इस संस्था के मुख्य उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या के हर संभव निदान करना है ।यह संस्था हर तरह के स्वास्थ्य स्वास्थ्य क्षेत्र में सहायता प्रदान करने की कोशिश करेगी । इसके लिए आसपास के गांव में एक टीम बनाकर सर्वे करा कर ऐसे लोगों को पहचान किया जाएगा और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी हर तरह की मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

फंदे से लटकी नवविवाहिता, कमरे से मिला सुसाइड नोट, जांच में जुटी पुलिस

मृतका के परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, ससुराल वाले बोले खुदकुशी की

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ शहर की रेलवे स्टेशन के समीप आदर्श नगर मोहल्ले में एक नवविवाहिता ने फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। मंगलवार को भी इस वारदात ने पूरे परिवार को झकझोर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कमरे से विवाहिता के शव को जप्त किया। पुलिस को वहां से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस ने बताया कि मृतका रेखा कुमारी की उम्र 26 वर्ष थी और आठ महीने पहले ही उसकी शादी विवेक पाठक के साथ हुई थी। शादी के बाद उनके संबंध को लेकर मृतका के मायके वालों ने कई तरह के आरोप लगाए हैं। जिस वक्त रेखा कुमारी की मौत हुई उस वक्त घर में उसकी सास शकुंतला देवी और दो छोटे भतीजे मौजूद थे।

घटना स्थल पर जांच पड़ताल करती पुलिस। • फोटोन न्यूज

मैं नहीं एडजस्ट कर पाई, मां मुझे माफ कर दो

जिस कमरे में रेखा ने अपनी जीवन लीला समाप्त की वहां से एक सुसाइड नोट भी पुलिस को मिला है। जिसमें रेखा ने यह लिखा है कि वह अपने ससुराल में एडजस्ट नहीं कर पा रही है। उसने एडजस्ट करने की काफी कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रही। इस सुसाइड नोट में उसने अपनी मां से माफी भी मांगी है। यह सुसाइड नोट दंडाधिकारी को दे दिया गया है और इसकी पूरी जांच होगी।

सास, ससुर और गोतनी के साथ रहती थी रेखा : आदर्श नगर में ससुर शिववचन पाठक, सास शकुंतला देवी, गोतनी और दो भतीजे के साथ रेखा रहती थी। उसका पति विवेक दिल्ली में रहकर जिओ साइंटिस्ट की तैयारी कर रहा है और उसका भैसुर भी किसी दूसरे राज्य में ही काम करता है। यहां उसकी गोतनी भी एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका का काम करती है। मंगलवार की सुबह नौ बजे ससुर शिव वचन पाठक नाश्ता करने के बाद घर से निकल गए थे। उसकी गोतनी भी स्कूल चली गई थी। सास शकुंतला देवी ने बताया कि रेखा ने उन्हें नाश्ता दिया और नहाने के लिए कहा। इसी बीच वह अपने कमरे में चली गई और फिर बाहर नहीं निकली। जब बच्चों ने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं आया। सास ने भी घबरा कर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। बाद में आसपास के लोगों को बुलाकर इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। जब लोगों ने दरवाजा तोड़ा तो रेखा की लाश पंखे से झूलती हुई मिली।

मायके वालों ने कहा प्रताड़ित होती थी रेखा : घटना की सूचना पाकर मृतका रेखा के परिजन भी रांची से रामगढ़ पहुंचे। रेखा के भाई पवन शुक्ला ने बताया कि एक जून 2023 को उसने अपनी बहन की शादी की थी। शादी के बाद ससुराल में अक्सर खाना बनाने और खाने को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। कई बार उसे बच्चे को लेकर भी ताना दिया जाता था। इन सभी मुद्दों पर रेखा अपनी मां से बात भी करती थी।

पुलिस जवान के खाली घर से सात लाख की चोरी

चोरी की घटना के बाद घर में बिखरे पड़े सामान। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : स्पेशल ब्रांच में कार्यरत जवान राकेश कुमार के हाउसिंग कॉलोनी स्थित खाली घर में चोरी हो गयी। चोरों ने नगद दो लाख के अलावा पांच लाख के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय जवान और उनके परिजन अपने पैतृक गांव पिपरा प्रखंड क्षेत्र में गए हुए थे। इस संबंध में मामला दर्ज कराने के लिए मेदिनीनगर शहर थाना में जानकारी दी गयी है। पुलिस छानबीन कर रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस जवान राकेश कुमार 24 फरवरी को अपने पैतृक गांव गए हुए थे। मंगलवार को लौटने पर बाउंड्री गेट का ताला खोलकर जैसे ही अंदर घुसे मुख्य गेट के ग्रिल में लगे ताले को टूटा देखा। अंदर कमरे में जाने पर देखा कि सारे सामान बिखरे पड़े हैं। कमरे में रखा आलमीरा हॉल में पड़ी हुई थी। ट्रंक के ताले टूटे हुए थे। छानबीन करने पर दो लाख रूपए नगद और शादी के समय पत्नी के बनाए गए जेवरात व अन्य कीमती सामान करीब पांच लाख रुपए के गायब पाए गए।

जवान ने इस संबंध में शहर थाना पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी, जहां घटना हुई, उसके आसपास कई घर हैं, लेकिन वहां रहने वाले लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

धू-धू कर जल गया कंटेनर का केबिन ड्राइवर ने गाड़ी से कूद कर बचाई जान

PHOTON NEWS RAMGARH : रांची-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग- 33 पर अचानक एक कंटेनर में आग लग गई। आज इतनी तेजी से फैली कि पूरा कंटेनर जलकर राख हो गया। रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में श्रीराम चौक पर सोमवार की देर रात यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार गुरुग्राम से ओडिशा जा रहे कंटेनर में मारुति सुजुकी कंपनी के पार्ट्स थे। कंटेनर के ड्राइवर मो कासिम ने बताया कि इस हादसे में उसने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। उसने कहा कि चलती गाड़ी में अचानक सोर्ट सर्किट हुआ। स्टेयरिंग के पास अचानक चिंगारी निकलने लगी। चिंगारी पर काबू पाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन कुछ देर बाद चिंगारी भड़क गई और उसने भीषण आग का रूप ले लिया। आग से कंटेनर का केबिन पूरी तरह धुएं से भर गया।

केबिन जलकर खाक : कुजू ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे ने बताया कि आग की सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम और ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के कारण गाड़ी के अंदर से तेज आवाज आने लगी थी जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के लिए रेत और घास फेंकना शुरू कर दिया।

ट्रक की टक्कर से स्कूली छात्र की मौत मुआवजा को लेकर किया सड़क जाम

PHOTON NEWS SUNDARGARH : जिले के लेफ्रीपाड़ा थाना ढेलसरा में परीक्षा देकर आ रहे युवक की मंगलवार को ट्रक दुर्घटना में मौत हो गई। अरमान रॉय अभी वह मैट्रिक की परीक्षा देकर वापस घर लौट रहा था। गरीब परिवार का बच्चा होने से वह खुद काम कर कुछ पैसे कमा कर पढ़ाई भी कर रहा था। वह पढ़ाई के साथ-साथ, उन्होंने अपने ट्यूशन खर्चों को पूरा करने तथा अपने घरवालों भरण पोषण के लिए काम करके थोड़ी सी धनराशि अर्जित करता था ।

सदर थाना चौकरामल के पास ट्रक से आमने-सामने की टक्कर के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। मृतक के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने और सड़क पर कोयला ट्रकों का परिचालन बंद करने की मांग की गई है।

सड़क जाम करते परिजन व ग्रामीण। • फोटोन न्यूज

रोगी दिखाने के बहाने क्लीनिक से ग्रामीण चिकित्सक का अपहरण

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के ऊपरी कला गांव निवासी ग्रामीण चिकित्सक डॉ. रहमान का सोमवार की संध्या 7:30 बजे अज्ञात अपराधियों ने रोगी दिखाने के बहाने अपहरण कर लिया। हालांकि, 15 घंटे बीत जाने के बाद भी किसी तरह की फिरौती की मांग नहीं की गई है।

इधर, घटना से नाराज डॉक्टर के परिजन और स्थानीय लोगों ने मंगलवार सुबह छतरपुर-जपला मुख्य मार्ग को करीब 45 मिनट तक जाम रखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटाया। साथ ही परिजनों को भरोसा दिलाया कि पुलिस कई स्तर पर डॉक्टर को सकुशल बरामद करने के लिए कार्रवाई कर रही है।

बताया जाता है कि छत्तरपुर-जपला मुख्य पथ पर ऊपरी कला गांव के पास स्थित क्लीनिक से ही डॉक्टर डॉ. रहमान का अपहरण किया गया। ग्रामीणों के अनुसार तीन अपराधी एक चार पहिया वाहन से रहमान के क्लीनिक के पास पहुंचकर रोगी देखने के बहाने उन्हें गाड़ी में जबरन बैठाकर चलते बने।

ग्रामीण चिकित्सक डॉ. रहमान।

हुसैनाबाद के एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने बताया कि कंपाउंडर से घटना की जानकारी लेते हुए छानबीन तेज कर दी गई। जपला से छतरपुर तक के सीसीटीवी के फुटेज खंगाले गए हैं। अपराधियों की हुलिया के बारे में जानकारी ली गई है। इस संबंध में डॉक्टर की पत्नी ने मंगलवार की सुबह आवेदन दिया है। अपहरण करने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। किसी तरह की फिरौती की मांग नहीं की गई है। मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा।

गिरिडीह में दुकान के कर्मचारी पर जानलेवा हमला, 1.30 लाख की लूट

PHOTON NEWS GIRIDIH : जिले के पचंबा थाना क्षेत्र के अलकापुरी राज टेलिकॉम नामक मोबाइल दुकान के कर्मी पवन यादव पर मंगलवार को बदमाशों ने जानलेवा हमला करते हुए 1.30 लाख रुपये लूट लिए। पवन को गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे धनबाद रेफर कर दिया गया।

बताया जाता है कि पवन यादव जमुआ से तगादा कर लौट रहा था। इसी दौरान अलकापुरी चौक के पास बाइक पर आये हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया।

डकैती कांड का सरगना अरविंद तिर्की गिरफ्तार

PHOTON NEWS ROURKELA : राजगांगपुर थाना अंतर्गत सागजोर में जन सेवाकेंद्र में डकैती कांड में राजगांगपुर पुलिस ने पिछले 3 माह पहले 4 लोगों को गिरफ्तार किया था, जबकि मुख्य अपराधी अरविंद तिर्की राजगांगपुर थाना क्षेत्र से फरार होकर अलग-अलग जगहों पर अपराध कर रहा था।

पुलिस की द्वाबिश के वजह से अरविंद बेंगूलूरू भाग गया था। बेंगूलूरू से लौट के अरविंद रायबोगा थाना क्षेत्र में छिपे होने के जानकारी मिलने के बाद राजगांगपुर एसडीपीओ अभिषेक पाणीग्राहीं के नेतृत्व में छापा मार कर उसे पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से 6 राउंड गोली, पिस्तौल, एक लैपटॉप, उसका चार्जर, उसकी स्कूटी की चाबियां, दस्तावेज जब्त किए गए ।

कोरोना के बाद लालगढ़-बिहार रेलवे स्टेशन पर बरकाकाना-पटना-पलामू एक्सप्रेस का ठहराव शुरू

सांसद विष्णु दयाल ने ट्रेन को दिखाई हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

PHOTON NEWS PALAMU : कोरोना काल के बाद लालगढ़-बिहार रेलवे स्टेशन पर बरकाकाना-पटना-पलामू एक्सप्रेस का ठहराव मंगलवार से शुरू हो गया। करीब चार वर्ष बाद ठहराव होने से 30 गांव के लोगों में भारी हर्ष है। सांसद विष्णु दयाल राम ने सोमवार की रात 1.30 बजे पलामू एक्सप्रेस को लालगढ़-बिहार रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मौके पर सांसद ने कहा कि बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव के लिए लालगढ़ की जनता लगातार मांग की जा रही थी। उनके द्वारा मंडल रेल प्रबंधक धनबाद, महाप्रबंधक हाजीपुर, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को पत्राचार एवं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर मांग की थी। ठहराव होने से लगभग उस क्षेत्र के 25-30 गांव की आबादी को प्रतिदिन जिला मुख्यालय डालटनगंज एवं यात्रियों का आवागमन में सहूलियत होगी। सांसद ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेलमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सांसद। • फोटोन न्यूज

इस मौके पर धनबाद के एडीआरएम राम सूरत सिंह, बीजेपी के वरिष्ठ नेता विभाकर नारायण पांडेय, रामचन्द्र यादव, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, शिव कुमार मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, पंकज तिवारी, लालगढ़ मुखिया धर्मेन्द्र चौधरी, अनुज ओझा, रविन्द्र पासवान, अनिल पासवान, अनिल तिवारी, रेलवे पदाधिकारी विकास कुमार सहित आमलोग उपस्थित थे।

बजट से ठगा महसूस कर रहे बेरोजगार युवा : रंजन

HAZARIBAGH : झारखंड सरकार के द्वारा पेश किए गए साल 2024-25 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि बजट दिशाहीन एवं आधारहीन है, जिसमें सिर्फ और सिर्फ जुमलेबाजी करके झारखंडियों को ठगा गया है। रंजन चौधरी ने कहा कि चुनाव के पूर्व झारखंड की गठबंधन की सरकार ने जो वादे राज्य के बेरोजगार युवाओं से किए थे उस दिशा में पहल नहीं करके युवाओं को ठगा गया है। रघुवर दास में चल रही किसान हित की योजना मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना और महिलाओं के हित की योजना एक रुपये में 50 लाख तक की संपत्ति की रजिस्ट्री जैसी महत्ती योजनाओं को बंद करके इस सरकार ने साबित कर दिया की इन्हें किसानों और महिलाओं के विकास से मतलब नहीं है। रंजन चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार भी हेमंत सरकार की तरह बजट में लोकलुभावन घोषणाएं करके झारखंडियों को ठग रही है।

परीक्षा विभाग में चार घंटे तालेबंदी के बाद फॉर्म भरने की बढ़ायी गयी तिथि

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) रांची विश्वविद्यालय इकाई ने परीक्षा विभाग के कार्य को लेकर परीक्षा विभाग में 4 घंटे तालेबंदी की। बंदी का नेतृत्व रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला कर रहे थे। अभिषेक शुक्ला ने कहा की रांची विश्वविद्यालय की कार्य शैली के कारण यहां के छात्र-छात्राएं हमेशा परेशान रहते हैं, मामला यूजी सत्र 22झ26 के छात्र छात्राओं से जुड़ा हुआ है। अभिषेक शुक्ला ने कहा की विश्वविद्यालय में हाल ही में नोटिफिकेशन जारी किया गया था कि बिना इंटरनल मार्क्स के परीक्षा फॉर्म नहीं भरने दिया जाएगा ।

रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत जितने भी महाविद्यालय है वहां से सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राओं का मार्क्स नहीं भेजा गया जिसके कारण सैकड़ो की संख्या में छात्र छात्राएं फॉर्म भरने से वंचित रह गए एवं जब भी परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी की जाती है तब तक विश्वविद्यालय का वेबसाइट काम करना बंद कर देता है। छात्र-छात्राएं जब फॉर्म भरने के लिए कॉलेज जाते हैं तो वहां से विश्वविद्यालय भेज दिया जाता है और विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग से उन्हें वापस कॉलेज भेज दिया जाता है यही सिलसिला पिछले चार दिनों से चल रहा है इससे अक्रोशित होकर छात्र आजसू के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में 4 घंटे तालेबंदी करके रखा

परीक्षा विभाग के सामने बैठे छात्र। • फोटोन न्यूज

छात्र आजसू की विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा की विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के कोऑर्डिनेशन की कमी के कारण छात्र-छात्राओं को हर एक परीक्षा के समय ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ता है जो किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। वही मारवाड़ी कॉलेज के इकोनॉमिक्स विभाग में इतिहास के विषय की जगह पॉलिटिकल साइंस का विषय पढ़ा दिया गया जब छात्र छात्राओं ने कल एडमिट कार्ड डाउनलोड किया तो उसमें पॉलिटिकल साइंस की जगह इतिहास का विषय दिख रहा है जिसे

दंतोपंत ठेंगडी रोजगार मेला का आयोजन, डीसी ने किया शुभारंभ, बोले-

योग्यता के अनुरूप कार्य का चयन कर करें आवेदन करें

PHOTON NEWS RAMGARH : झारखंड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वाधान में जिला नियोजनालय रामगढ़ द्वारा दंतोपंत ठेंगडी रोजगार मेला का आयोजन मंगलवार शहर के छावनी फुटबॉल मैदान में किया गया है।

मेले का उद्घाटन डीसी चन्दन कुमार, जिप अध्यक्ष सुधा देवी, श्रम अधीक्षक अभिषेक वर्मा, एवं जिला नियोजन पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। मौके पर डीसी ने रोजगार मेले में आए बेरोजगार युवक-युवतियों का प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रामगढ़ जिले के स्थानीय नियोजको एवं देश के अन्य भाग से आए नियोजकों से प्राप्त रिक्तियों में से अपनी योग्यता एवं रूची के अनुरूप कार्य का चयन कर आवेदन करे एवं सरकार के द्वारा चलाये जा रहे इस आयोजन का लाभ प्राप्त करें। साथ ही झारखण्ड सरकार के द्वारा लागू नियोजन अधिनियम 2021 का अनुपालन करते हुए जिले के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का ज्यादा से ज्यादा चयन किया जाए।

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत करते उपायुक्त। • फोटोन न्यूज

14 नियोजको ने लिया भाग, 125 युवक-युवतियों का चयन

दतोपंत ठेंगडी रोजगार मेला 2024 का सफल आयोजन जिला नियोजन पदाधिकारी देव कुमार प्रसाद के नेतृत्व में हुआ। उन्होने बताया कि इस रोजगार मेला में राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में नियोजन प्रदान करने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुल 14 नियोजको ने भाग लिया। जिसमें 12 नियोजक स्थानीय थे। सभी नियोजक करीब 500 रिक्तियों के साथ मेला में उपस्थित हुए एवं उनके द्वारा कुल 125 युवक-युवतियों का चयन किया गया एवं 258 युवक-युवतियों को अगले चरण के लिए सूचीबद्ध किया गया। डीसी एवं जिप अध्यक्ष के द्वारा मेला स्थल में कुल 32 युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

बजट की राशि बढ़ाने से जनता का भला नहीं होने वाला : नायक

PHOTON NEWS RANCHI : बजट की राशि बढ़ाने से ही झारखंडी जनता का भला नहीं होने वाला है बल्कि बजट का शत प्रतिशत कुल सभी राशि के खर्च किए जाने से ही राज्य की गरीब गुरबा झारखंडी समाज का भला हो सकता है।संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी झारखंड छत्तीसगढ़ विजय शंकर नायक ने आज सदन में वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के द्वारा अंतिम बजट पेश किए जाने पर आज अपनी प्रतिक्रिया में उक्त बातें कही है। उन्होंने कहा कि पिछले वार्षिक वित्तीय विवरण से 10 प्रतिशत से अधिक तो है मगर यह सरकार बजट तो लंबा चौड़ा हजारों करोड़ो राशि की बनाती तो है मगर खर्च करने में सरकार फिसड्डी साबित होती रही है। इससे पूर्व 2023-24 बजट के प्रावधानों पर एक सरसरी नजर देखी जाए तो 116,418.00 करोड रुपए के कुल बजटीय प्रावधान किया गया था और इसमें से विकास योजनाओं पर 70973.00 करोड रुपए खर्च करने की योजना बनाई गई थी सरकार जनवरी तक विकास योजनाओं पर सिर्फ 44546.65 करोड़ रूपया ही खर्च कर पाई थी।

सुविचार

निरोगी रहना, किसी का कर्जदार न होना, अच्छे लोगों से मेल रखना, अपनी वृत्ति से जीविका चलाना और निर्भय होकर रहना- ये मनुष्य के सुख हैं।

वेदव्यास

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12

ऑस्कर नामांकित टू किल ए टाइगर की...

Ranchi ● Wednesday, 28 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 42 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	73,095.22
निफ्टी	:	22,198.35

SARAFA

सोना	:	5,920
चांदी	:	75.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आंधी-तूफान के साथ बारिश व वज्रपात, दो की मौत

RANCHI : झारखंड में चार मार्च तक बारिश के आसार हैं। रांची, पलामू, गढ़वा समेत कई जिलों में मंगलवार को आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। इस दौरान वज्रपात से पलामू के हैदरनगर में एक बच्ची की मौत हो गयी, वहीं एक बच्ची घायल हो गयी। गढ़वा के रमना प्रखंड में स्कूल से घर लौट रहे छात्र की मौत हो गयी है। वह आंधी-तूफान की चपेट में आ गया था। उपप्रमुख खदीजा बीबी भी घायल हो गयी हैं। उनका इलाज चल रहा है। झारखंड में मंगलवार को मौसम का मिजाज बदला और पलामू व गढ़वा समेत अन्य जिलों में जमकर बारिश हुई। आंधी व वज्रपात से दो लोगों की जान चली गयी, जबकि दो लोग घायल हो गए। झारखंड की राजधानी रांची, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सरायकेला-खरसावां एवं पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुछ भागों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। इसके साथ ही वज्रपात की आशंका है। कुछ स्थानों पर तेज हवा (हवा की गति 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा) चल सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

पंजाब में 14 व राजस्थान में 2 ठिकानों पर छापा

NEW DELHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को पंजाब में 14 स्थानों और राजस्थान में 2 स्थानों पर छापेमारी की । एनआईए के मुताबिक खालिस्तान और संगठित अपराधियों के गठजोड़ के खिलाफ चल रही जांच के तहत यह छापेमारी की गई है। छापेमारी के दौरान आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के मद्देनजर छह लोगों की जांच की जा रही है। पंजाब में एक बार फिर से खालिस्तानी उग्रवाद तेजी से बढ़ रहा है इसे रोकने के लिए एनआईए की ओर से की गई इस कार्रवाई में दौरान एनआईए ने महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए गए । बठिंडा में तथाकथित आम आदमी पार्टी (आप) के ब्लाक अध्यक्ष सहित जिले में पांच जगहों पर छापेमारी की।

रांची के 10 स्कूलों में बनेंगे दस-दस कमरे

RANCHI : रांची जिला के 10 सरकारी स्कूलों में 10-10 कमरे बनाए जाएंगे। इसके लिए स्वीकृति दे दी गई है। जिलाभर में स्कूलों की संख्या 2100 है। जिसमें से 197 स्कूलों में मरम्मत की जरूरत है। जिसमें 165 प्राथमिक और 32 माध्यमिक स्कूल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, फिलहाल 29 स्कूलों में मरम्मत का कार्य होगा। स्कूल भवन पुराने होने की वजह से मरम्मत करवाना अनिवार्य हो जाता है। इसके अलावा स्कूलों को उनकी नामांकन संख्या के आधार पर वार्षिक रखरखाव निधि प्राप्त होती है।

गगनयान मिशन पर भेजे जाने वाले चार एस्ट्रोनॉट्स के नामों का पीएम मोदी ने किया ऐलान

इस बार वक्त भी हमारा, काउंट-डाउन भी हमारा, और रॉकेट भी हमारा : प्रधानमंत्री

AGENCY CHENNAI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएससीसी) पहुंचे। उनके साथ इसरो चीफ एस सोमनाथ भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने यहां लगभग 1800 करोड़ रुपये के तीन स्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और देश के पहले मैन्ड स्पेस मिशन गगनयान का रिव्यू किया। प्रधानमंत्री ने गगनयान मिशन पर भेजे जाने वाले चार एस्ट्रोनॉट्स के नामों का ऐलान भी किया और उन्हें एस्ट्रोनॉट विंग्स दिए। जिन एस्ट्रोनॉट्स को गगनयान मिशन पर भेजा जाएगा, उनमें- ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। चारों की ट्रेनिंग रूस में हुई है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि कुछ देर पहले देश पहली बार 4 गगनयान यात्रियों से परिचित हुआ। ये सिर्फ 4 नाम या 4 इंसान नहीं हैं, ये वो चार शक्तियां हैं जो 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को अंतरिक्ष तक ले जाने वाली हैं। 40 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा रहा है, लेकिन इस बार वक्त भी हमारा है, काउंट-डाउन भी हमारा है और रॉकेट भी हमारा है।

- 1800 करोड़ रुपये के तीन स्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन
- देश के पहले मैन्ड स्पेस मिशन गगनयान का रिव्यू किया
- देश पहली बार 4 गगनयान यात्रियों से परिचित हुआ
- ये 140 करोड़ लोगों की उम्मीदों को स्पेस में ले जाने वाली शक्तियां

तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में एस्ट्रोनॉट्स से मुलाकात करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

2035 तक अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन होगा, कर सकेंगे अध्ययन

प्रधानमंत्री ने कहा- मैं चाहता हूं कि हर कोई हमारे अंतरिक्ष यात्रियों का खड़े होकर अभिनंदन करे। हर राष्ट्र की विकास यात्रा में कुछ क्षण ऐसे आते हैं जो वर्तमान के साथ ही आने वाली पीढ़ियों को भी परिभाषित करते हैं। आज भारत के लिए यह ऐसा ही क्षण है, हमारी आज की पीढ़ी बहुत सौभाग्यशाली है जिसे जल, थल, नभ और अंतरिक्ष में ऐतिहासिक कार्यों का यश मिल रहा है। मोदी ने कहा- पिछले साल भारत वह पहला देश बना जिसने चंद्रमा के साउथ पोल पर तिरंगा फहराया। आज शिव-शक्ति पॉइंट पूरी दुनिया को भारत के

सामर्थ्य से परिचित करा रहा है। 2035 तक अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन होगा। इसकी मदद से भारत अंतरिक्ष का अध्ययन कर सकेगा। अमृत काल के इस दौर में भारतीय एस्ट्रोनॉट हमारे अपने रॉकेट पर सवार होकर चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे। पीएम बोले- मुझे ये जानकर बेहद खुशी हुई कि गगनयान में इस्तेमाल हुए अधिकतम इक्विपमेंट्स भारत में बने हैं। ये गजब इत्तफाक है कि जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए टेकऑफ कर रहा है, तभी भारत का गगनयान भी हमारे स्पेस सेक्टर को नई ऊंचाई तक ले जाने वाला है। मोदी ने कहा- 21वीं सदी का भारत दुनिया को अपने सामर्थ्य से चौंका रहा है। पिछले 10 वर्षों में हमने लगभग 400 सैटेलाइट लॉन्च किए हैं, जबकि इससे पहले के 10 वर्षों में मात्र 33 सैटेलाइट लॉन्च किए गए थे। हमारे स्पेस सेक्टर में वुमन पावर को बहुत महत्व दिया जा रहा है।

4 एस्ट्रोनॉट्स की 4 बातें

- चुने गए चारों एस्ट्रोनॉट्स इंडियन बेंगलुरु स्थित एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम टेस्टिंग एस्टिब्लिशमेंट के टेस्ट पायलट्स हैं।
- एस्ट्रोनॉट बनने के लिए बड़ी संख्या में पायलट्स ने एप्लिकेशन दी थी।
- जून 2019 में इसरो और रूस की स्पेस एजेंसी के बीच पायलट्स की ट्रेनिंग के लिए करार हुआ था।
- कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इन एस्ट्रोनॉट्स में से किसी एक को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा भी ट्रेनिंग देगी।

पदयात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए पीएम

लोकसभा चुनाव के पहले ही हार मान चुका है विपक्ष : नरेंद्र मोदी

माला पहनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करते भाजपा कार्यकर्ता।

THIRUVANANTHAPURAM : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी हार मान चुका है, इसलिए वह मुझे गालियां दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के पास देश की प्रगति के लिए कोई रोडमैप नहीं है। प्रधानमंत्री केरल के तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में भाजपा की राज्य इकाई की पदयात्रा के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केरल आना और केरल के लोगों के प्यार और आशीर्वाद के बीच रहना हमेशा खुशी की बात है। उन्होंने केरल के मतदाताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को दोहरे अंकों में सीटों के साथ जीत का आशीर्वाद देने का आग्रह किया। केरल 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को दोहरे अंक में सीटें जीतने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

- प्रधानमंत्री ने कांग्रेस, एलडीएफ और यूडीएफ पर जमकर निशाना साधा
- केरल के लोग नकारात्मकता की राजनीति से करते हैं नफरत
- भारत को बदलने के लिए भाजपा के एजेंडे में मदद करेंगे

राजद विधायक किरण देवी के घर ईडी की रेड

लैंड फोर जॉब्स केस में आरा-पटना में छापा

AGENCY PATNA : आरा में संदेश से राजद विधायक किरण देवी के आवास पर ईडी ने रेड की। मंगलवार सुबह पूरी फोर्स के साथ टीम विधायक किरण देवी के गड़हनी थाना के अगिआंव स्थित आवास पहुंची। लैंड फॉर जॉब्स केस में आरा के अलाव पटना में 2 और ठिकानों पर भी ईडी ने छापेमारी की है। हालांकि न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक ये कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी है। पटना और दानापुर में भी कार्रवाई की। पटना में फ्लैट का ताला तोड़कर जांच एजेंसी के अधिकारी अंदर दाखिल हुए। 12 घंटे से अधिक समय से टीमें जांच की। अगिआंव स्थित आवास की ईडी की टीम नापी की। साथ ही आवास के अंदर गाय-भैंस की भी काउंटिंग की गई। विधायक के पास 200 से ज्यादा गाय-भैंस हैं।

इधर, केजरीवाल को ईडी का आठवां समन

NEW DELHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजनक अरविंद केजरीवाल को 8वां समन भेजा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने केजरीवाल को कथित दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में 4 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले ईडी ने केजरीवाल को 7वां समन भेजकर 27 फरवरी को पेश होने को कहा था लेकिन केजरीवाल पेश नहीं हुए।

इधर आरा में 6 गाड़ियों से ईडी की टीम विधायक के घर पहुंची थी।

बंगाल में रामनवमी हिंसा मामले में 16 गिरफ्तार

KOLKATA : पश्चिम बंगाल में पिछले साल रामनवमी पर हुई हिंसा मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी को धार्मिक जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हमले की साजिश रचने, दंगे भड़काने और उसे अंजाम देने के आरोप में पकड़ा गया है। न्यूज एजेंसी ने बताया कि एनआईए को जांच के दौरान हिंसा के वीडियो फुटेज मिले थे। इन्हीं से आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ दिनाजपुर जिले में 30 मार्च 2023 को विश्व हिंदू परिषद के रामनवमी जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसा हुई थी। 24 घंटे बाद हावड़ा के शिबपुर में दोबारा पत्थरबाजी हुई। इसमें 3 पुलिसवालों समेत करीब 15 लोग घायल हुए। 10 से ज्यादा वाहनों को जला दिया गया। 20 से ज्यादा दुकानों में तोड़फोड़ की गई। मामले में राज्य पुलिस ने में 162 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद 27 अप्रैल 2023 को कलकत्ता हाईकोर्ट ने एनआईए को मामले की जांच के आदेश दिया था।

विधानसभा बजट सत्र : तीसरे दिन भी गरमाया

JSSC पेपर लीक का मामला, जांच की मांग

नेता प्रतिपक्ष बोले- युवाओं को न्याय मिलने का रास्ता नहीं दिख रहा, सरकार जिम्मेवार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि जेएसएससी मामले में सरकार उदासीन है। हम पहले दिन से सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। युवाओं को न्याय मिलने का रास्ता नहीं दिख रहा। सरकार इसे ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश कर रही है। मैं फिर से सीबीआई जांच की मांग करता हूं। ऐसा नहीं हुआ तो युवाओं के भविष्य बर्बाद होने के लिए यह सरकार जिम्मेवार होगी। विनोद सिंह ने कहा कि इस मुद्दे पर सदन नहीं चल रहा है। राज्य बनने के बाद से परीक्षाओं में गड़बड़ी हो रही है। जेपीएससी घोटाले की सीबीआई जांच हुई। उसका क्या हश्र हुआ सबको पता है। सरकार जेएससीसी मामले में पहल करें।

- सदन शुरू होते ही भाजपा विधायकों का हंगामा भी शुरू, वेल में पहुंचे
- लोबिन ने सदन में स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई का मुद्दा उठाया
- विनोद सिंह बोले- इस पर पहल करे, वरना जेपीएससी जैसा हश्र होगा

जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों और किताबों की कमी : लोबिन

विधायक लोबिन हेंब्रम ने सदन में कहा कि राज्य के स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई नहीं हो रही। जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों और किताबों की कमी है। उन्होंने कहा कि किसी क्लास में जनजातीय भाषा की पढ़ाई नहीं हो रही। इसपर प्रभारी मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि संथाली, कुड़ुख, हो भाषा की पढ़ाई कुछ स्कूलों में हो रही है। बाकी स्कूलों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में में पढ़ाई शुरू होगी। नीलकंठ सिंह मुंडा ने सदन में स्कूलों के किचेन शेड निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि 13 जिलों के 2600 स्कूलों में किचन शेड का निर्माण करना था। 20 करोड़ राशि आवंटित की गयी थी। सरकार बताये स्कूलों को आवंटन राशि कब भेजी गयी और अब तक कितने स्कूलों में किचन शेड बना है। इसपर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि वे 13 जिलों की रिपोर्ट विधायक को दे देंगे। बाकी 11 जिलों के लिए 2300 करोड़ की राशि आवंटित कर दी गयी है। ढुल्लू महतो ने सदन में कहा कि सरकार से अपने विधानसभा में स्टेडियम बनाने की मांग की थी। सरकार ने जवाब दिया है कि स्टेडियम बन गया है। सरकार बताये कि मेरे विधानसभा में स्टेडियम कहां बना है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जताई उम्मीद, मीडिया के सवालों का दिया जवाब

चार मार्च तक खत्म हो सकता है इजराइल हमास युद्ध!

AGENCY NEW DELHI : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध खत्म हो जाएगा। दोनों देशों के बीच युद्ध विराम होने की जो बाइडेन ने उम्मीद जताई है। बाइडेन ने कहा कि उनके सलाहकारों ने कहा है कि युद्ध विराम के काफी करीब पहुंच गए हैं। मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 4 मार्च तक शांति बहाल हो सकती है। दरअसल बाइडन सोमवार को न्यूयॉर्क में एक आइसक्रीम की दुकान पर हास्य अभिनेता सेठ मेयर्स के साथ मौजूद थे। इस दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बात कही। 4 मार्च तक इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम हो सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के इस बयान के बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने भी कहा कि कैदियों की रिहाई को लेकर फिलिस्तीन ने थोड़ी ढील बरती है, जिससे उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनों में युद्ध विराम की राह आसान होगी। गौरतलब है कि इससे पहले हमास की ओर से इजराइली नागरिकों की रिहाई की पेशकश पर इजराइल ने एक सप्ताह के लिए युद्ध विराम घोषित कर दिया था। इस दौरान इजराइल ने जेल में बंद फिलिस्तीनी नागरिकों को छोड़ा गया था, वहीं हमास ने भी करीब 143 इजरायली बंधकों को रिहा किया था। हालांकि, एक सप्ताह के बाद युद्ध फिर से शुरू हो गया था।

इजराइल सेना बना रही है गाजा पर हमले की योजना

अमेरिकी राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम हो सकता है। इससे पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस से बयान आया था कि इजराइली सेना ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफह में जमीनी हमले से जुड़ी अपनी योजना को युद्ध कैबिनेट में पेश किया है। रफह की सीमा मिस्र से लगती है और इस शहर में 14 लाख लोग हैं। रफह में विस्थापितों को रखने के लिए बड़ी संख्या में तम्बू शिविर स्थापित किये गये हैं। अगर इजराइल रफह पर हमले करता है तो युद्ध शांत होने की बजाए और भड़क सकता है। इजराइली सेना ने सोमवार को दावा किया कि उसकी वायुसेना ने लेबनान के काफी अंदर तक जाकर उग्रवादी हिजबुल्लाह समूह के ठिकानों पर हमले कर रही है। सेना ने दावा किया है कि इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गयी। बता दें, लेबनान के बालबेक के पास हवाई हमले तब हुए जब हिज्बुल्लाह ने दावा किया था कि उसके लड़ाकों ने सोमवार को दक्षिणी लेबनान के एक प्रांत में उसके गढ़ पर एक इजरायली ड्रोन को मार गिराया है।

रांची-लातेहार के सीमावर्ती इलाके से हार्डकोर नक्सली किशोर नायक गिरफ्तार

RANCHI : रांची-लातेहार सीमावर्ती इलाके से हार्डकोर नक्सली किशोर नायक उर्फ ढेचुआ को सुरक्षाबलो ने गिरफ्तार किया है। किशोर नायक के निशानदेही पर पिस्टल समेत कई हथियार भी बरामद किया गया है। पुलिस फिलहाल उससे गुप्त ठिकाने पर रखकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हाल के दिनों में रांची लातेहार-सीमावर्ती इलाको में दहशत फैलाकर लेवी वसूली करने में जुटा था। हाल ही में लातेहार के चंदवा इलाके में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। साथ ही वाहनो में तोड़फोड़ की थी। किशोर नायक इलाके में अभय जी के नाम से लेवी मांगता था। बताया जाता है कि 40-50 कारोबारी से लेवी वसूली किया था। स्वयंभू कमांडर के रुप में पहचाने जाने वाले किशोर नायक आधा दर्जन लोगो के साथ मिलकर लेवी वसूली की घटना को अंजाम दे रहा था। किशोर नायक को 20 लाख के इनामी नक्सली रविंद्र गंझू का शूटर माना जाता है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़, चार नक्सली ढेर

ऑपरेशन पर निकले थे जवान, हथियार बरामद

AGENCY BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के बीजापुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया है। एक पुलिस अधिकारी ने इस बाबत जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुठभेड़ जिले के जांगला थाना इलाके के तुंगाली के जंगलों में हुई जिसमें सुरक्षाबलों को सफलता मिली। सुरक्षाबलों ने मारे गए नक्सली के शव के साथ-साथ हथियार भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ सुबह उस वक्त हुई, जब जवान तड़के नक्सल ऑपरेशन पर निकले थे।

जवाबी कार्रवाई के बाद

बरामद हथियार।

नक्सली वहां से फरार हो गए : पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मुठभेड़ को लेकर बताया कि यह इनकाउंटर जांगला पुलिस थाना क्षेत्र के जंगल में हुई, जब जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अलग-अलग दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। जब डीआरजी का दल तुंगाली गांव के जंगल में पहुंचा तब नक्सलियों की ओर से फायरिंग कर दी गई।

BRIEF NEWS

राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर नो फ्लाइंग जोन घोषित

RANCHI : राष्ट्रपति के 28 फरवरी के प्रस्तावित परिभ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। फ्लाइंग जोन बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से धुर्वा गोलचक्कर से सिठियो से बालालौंग से गुटुवा से आईटीबीपी चौक से केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मनातु के 500 मीटर की परिधि को लागू किया गया है। इस दौरान उक्त क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग और गर्म हवा के गुब्बारे और अन्य संबंधित गतिविधियों पर रोक लगाई गयी है। अनुमंडल दंडाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार ने यह कार्रवाई रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के निर्देश के आलोक में की हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट से केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मनातु के आस-पास के 500 मीटर क्षेत्र में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू करते हुए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। यह निषेधाज्ञा 28 फरवरी सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक लागू रहेगा। यह आदेश सोमवार देर रात जारी किया गया है।

उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण दिये कई निर्देश

RANCHI : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम स्थित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक (बाह्य) निरीक्षण किया। इस दौरान रांची उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि निर्धारित समय पर ईवीएम वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण कर रख-रखाव, सुरक्षा एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट राज्य निर्वाचन विभाग को देनी होती है।

सीएम से झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मंगलवार को झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्टस के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से राज्य के पत्रकारों की समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में यूनियन के अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल, महासचिव राजीव नयनम, रांची महानगर अध्यक्ष जावेद, सरायकेला खरसावां के अध्यक्ष सुधाकर, पश्चिमी सिंहभूम के अध्यक्ष गौरीशंकर झा, उदय प्रताप सिंह, जगदीश सिंह, उदय सिंह जोगी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आनंद प्रियदर्शी एवं अन्य शामिल थे।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अधिकारियों के साथ की बैठक, बोले-

सरकारी स्कूलों में जल्द से जल्द शुरू हो जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन ने विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के सरकारी स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई को प्रोत्साहन देने के लिए अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई जल्द से जल्द शुरू हो। आप सभी इसे सुनिश्चित करें। इसके लिए शीघ्र जनजातीय भाषाओं के विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति करें। समृद्ध जनजातीय भाषाओं को प्रोत्साहन देना राज्य सरकार का लक्ष्य है।

अधिकारियों के साथ बैठक करते सीएम चंपाई सोरेन। • फोटोन न्यूज

स्थानीय जनजातीय भाषाओं को दें प्राथमिकता : झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की और झारखंड के सभी सरकारी स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड की समृद्ध स्थानीय जनजातीय भाषाओं को प्राथमिकता दें और सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनजातीय भाषा की शिक्षा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जल्द से जल्द करें शिक्षकों की नियुक्ति : सीएम चंपाई सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनजातीय भाषा की पढ़ाई के लिए संताली, हो, कुड़ुख, खड़िया, मुंडारी सहित सभी जनजातीय भाषाओं के विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति जल्द से जल्द करें। प्रारंभिक कक्षाओं से ही जनजातीय भाषा की पढ़ाई शुरू हो सके, इस निमित्त सभी तैयारियां जल्द करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभाग से प्राप्त आकलन के आधार पर सभी प्रक्रियाओं को समय से पूरा कर लें।

सीएम की बैठक में ये थे मौजूद : सीएम चंपाई सोरेन की बैठक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

झामुमो की संकल्प सभा में गरजे कोल्हान टाइगर चंपाई सोरेन

न झारखंडी झुकेगा, न झारखंड : सीएम

PHOTON NEWS RANCHI : न झारखंडी झुकेगा, न झारखंड। इसी संकल्प को लेकर आगे बढ़ना है। हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने तक हर कार्यकर्ता गांव-गांव आंदोलन में करता रहे। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सूपड़ा साफ कर दें। ये बातें मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) द्वारा पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहीं।

मीडिया को जानकारी देते प्रतुल शाहदेव। • फोटोन न्यूज

झामुमो का ऐलान- हेमंत सोरेन की वापसी तक करेंगे आंदोलन : संकल्प सभा में एक सुर में कार्यकताओं ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बाहर आने तक आंदोलन करने, लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करने का संकल्प लिया। सभा में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे हुए थे।

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार के गठन के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे गिराने के प्रयास में लग गयी थी। कभी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते, तो कभी माइनिंग में गड़बड़ी का। पर क्या भ्रष्टाचार हुआ ये नहीं बताते। कोल्हान टाइगर ने कहा कि रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर जहां भी जायें, हर तरफ आदिवासियों की जमीन लूटी गयी है।

शहीदों के खून से लिखा गया सीएनटी-एसपीटी जैसा सुरक्षा कवच : उन्होंने कहा कि सीएनटी-एसपीटी जैसा सुरक्षा कवच जो स्याही से नहीं, बल्कि हमारे शहीदों के खून से लिखा गया है। इस कानून के रहते हमारे आदिवासी-मूलवासी अपनी ही जमीन और घर से बेदखल हो गये। हेमंत बाबू यह जानते थे। इसलिए जंगल में रहने वाले परिवार तक के लिए योजना बनायी। तब भाजपा को लगा कि उनके पास मुद्दा ही नहीं बचेगा, तो उनके पेट में दर्द शुरू हो गया।

बड़ी मात्रा में अवैध कफ सीरप के साथ दो महिला समेत पांच गिरफ्तार

अवैध कफ सीरप के साथ गिरफ्तार आरोपी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी मात्रा में कफ सीरप के साथ तीन पुरुषों और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में करण सिंह, रानी, आशीष कुमार, राजन और महिमा शामिल हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के आरपीएफ मंडल सुरक्षा आयुक्त इंचार्ज पवन कुमार के निर्देश पर ट्रेन में तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान मंगलवार को ऑपरेशन नारकोंस के तहत कार्रवाई की गई। आरपीएफ पोस्ट रांची और आरपीएफ की टास्क टीम ने ट्रेन संख्या 13403 वनांचल एक्सप्रेस में शक के आधार पर तीन पुरुषों और दो महिलाओं से पूछताछ के क्रम में उनके पास से कुल 1285 कफ सीरप बरामद किया।

बरामद सीरप का बाजार मूल्य लगभग दो लाख 64 हजार रुपये है। पूछताछ में पता चला कि वे लोग सीरप को बंगाल में ऊंचे दाम पर बेचने की फिराक में थे। इस अभियान में निरीक्षक सुमन झा, उपनिरीक्षक सूरज पांडे, सचिन कुमार और टास्क टीम के स्टाफ डी के सिंह, आरके सिंह, आलम, संजय एवं एसपी रॉय शामिल थे।

बजट पर प्रतिक्रिया

बजट में गांव के विकास को लेकर कोई परिकल्पना नहीं, इच्छाशक्ति का भी अभाव : सुदेश महतो

सुदेश महतो।

RANCHI : आजसू पार्टी विधायक दल के नेता सुदेश कुमार महतो ने झारखंड विधानसभा में सरकार द्वारा मंगलवार को पेश किये गये बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि शिक्षा विभाग का बजट घटाना निराशाजनक है। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने को लेकर बजट में इच्छाशक्ति का अभाव है। झारखंड जैसे राज्य में शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है। कोई भी प्रगतिशील राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को विशेष महत्व देते हैं। रोजगार को लेकर उम्मीद जगाने के लिए कहीं कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट के अन्य पहलू पर भी नजर डालने से लगता है कि सरकार और उसका तंत्र दिशाहीन है। गांवों के विकास को लेकर उनके पास कोई परिकल्पना नहीं है।

किसानों को कर्ज से राहत दिलाने वाला बजट : राजेश ठाकुर

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पेश किया गया बजट अन्नदाता किसानों को कर्ज से राहत दिलाने वाला बजट है। साथ ही गरीबों को सिर ढकने के लिए अबुआ आवास योजना झारखंड का सराहनीय बजट है। इसमें वित्तीय सूझबूझ की झलक साफ दिखाई देती है। क्योंकि बजट न सिर्फ सरकार के वित्तीय घाटा को कम करने में सफल है, अपूति अपने राजस्व सरप्लस से पूंजीगत खर्चों का भी वित्त पोषण कर पा रहा है। यह बजट किसानों, मजदूरों, छात्रों और महिलाओं सभी क्षेत्रों वर्गों का विशेष ख्याल रखा गया है। ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि झारखंड में गठबंधन सरकार ने कई ऐसी लाभकारी योजनाएं की शुरूआत की जैसे-कृषि ऋण माफी योजना, सुखाड़ राहत, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मरांग गोन्के जयपाल सिंह मुण्डा, प्रदेशीय छात्रवृति योजना, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, सावित्रि वाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मेघा छात्रवृत्ति योजना, छात्रवृत्ति शिक्षा प्रोत्साहन योजना, गंभीर बिमारी उपचार योजना, धोती-लूंगी, साडी योजना, अबुआ आवास योजना आदि शामिल है। साथ ही मैट्रिक छात्रवृत्ति राशि में लगभग तीन गुणा बृद्धि की गई।

राजेश ठाकुर।

बजट में कुछ नया नही, युवा वर्ग निराश : डॉ. लाल मनीष

डॉ. लाल मनीष।

RANCHI : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के पूर्व प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष डॉ. लाल मनीष नाथ शाहदेव ने राज्य सरकार का बजट निराशा जनक बताया। बजट पर प्रतिक्रिया स्वरूप उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के लिए बजट में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने, शिक्षा मानकों को बनाए रखने, विज्ञान, तकनीक और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, शिक्षकों की तकनीकी और पेशेवर विकास के लिए संसाधन सुनिश्चित करने और छात्रों को विभिन्न विषयों में उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए कोई प्रावधान नही दिख रहा है। इसके उलट शिक्षा का बजट घटाना सरकार के विकास विरोधी चेहरे को उजागर कर रहा है। युवतियों की तरफ से परिवहन सुविधाओं के लिए बजट से उम्मीदें थी कि सुरक्षित, सुविधाजनक और वाणिज्यिक दृष्टि से विपणि किए जाने वाले परिवहन साधनों को प्रोत्साहित किया जा सके।

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस की हुई बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस वार रूम के सदस्यों एवं प्रदेश कांग्रेस के मुख्य नेताओं की बैठक मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में कांग्रेस भवन में हुई।

बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से गठित वार रूम के नेशनल चेयरमैन शशिकांत सेंथिल उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित नेताओं को वार रूम के संदर्भ में पूरी जानकारी देते हुए सेंथिल ने बताया कि पूरे झारखंड के 29000 बूथो पर चुनाव आयोग की ओर से बीएलओ की नियुक्ति की गई है। जबकि राजनीतिक दलों को बीएलए की नियुक्ति करना आवश्यक है। क्योंकि चुनाव आयोग की ओर से प्रत्येक बूथ की सूची राजनीतिक दलों के जरिये नियुक्त बीलए को ही सौंपनी है। बीएलए का ही यह दायित्व बनता है कि मतदाता सूची को देखकर उसमें त्रुटियो एवं कमियों पर चुनाव आयोग का ध्यान आकर्षित करें ताकि उसमें आवश्यक सुधार किया जा सके।

बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर व अन्य। • फोटोन न्यूज

झारखंड में वार रूम के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर झारखंड के सभी बूथों पर विधानसभा प्रभारी, जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षों, लोकसभा प्रभारी के माध्यम से बीएलए की नियुक्ति करना प्रारंभ कर दिया है और अभी तक लगभग 20 प्रतिशत बुथो पर बीएलए की नियुक्ति हो चुकी है। आने वाले समय में कांग्रेस अपने इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। लोकसभा चुनाव के दौरान वार रूम के माध्यम से हम भाजपा की ओर से फैलाई जाने वाले नकारात्मक पक्षों का भी जवाब उचित तरीके से देंगे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सेंथिल की ओर से दिए गए सुझाव के अनुपालन के लिए अविलंब झारखंड के सभी जिला अध्यक्षों, लोकसभा प्रभारी, विधायको, प्रखंड अध्यक्षों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि चुनाव जीतने का मूल मंत्र बूथ पर मजबूती ही है।

झारखंड के 23 आईपीएस का तबादला अंजनी अंजन बने रांची के ग्रामीण एसपी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने 23 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। जबकि एक को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस संबध में मंगलवार को गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार एडीजी वायरलेस के पद पर पदस्थापित आरके मलिक को एडीजी मुख्यालय के पद पर पदस्थापित किया गया। आरके मलिक एडीजी वायरलेस के भी अतिरिक्त प्रभार पर रहेंगे। इसी प्रकार आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित प्रभात कुमार को आईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित किया गया है। आईजी एसीबी के पद पर पदस्थापित पंकज कंबोज को आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित किया गया है। साथ ही जोनल आईजी पलामू के पद पर पदस्थापित राजकुमार लकड़ा को जैप आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसीप्रकार नरेंद्र कुमार सिंह को पलामू जोनल आईजी बनाया गया है। सिंह रेल आईजी के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे।

कोल्हान डीआईजी के पद पर पदस्थापित अजय लिंडा को डीआईजी होमगार्ड, डीआईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित मनोज रतन चौथे को डीआईजी कोल्हान, डीआईजी रेल के पद पर पद पदस्थापित कार्तिक एस को डीआईजी स्पेशल ब्रांच, डीआईजी एसआईबी के पद पर पदस्थापित शैलेंद्र प्रसाद बरनवाल को डीआईजी एसीबी, डीआईजी होमगार्ड के पद पर पदस्थापित वाई एस रमेश को डीआईजी बजट, सुमित कुमार अग्रवाल को रांची ट्रैफिक एसपी, प्रवीन पुष्कर को जमशेदपुर रेल एसपी, शंभू कुमार सिंह को गुमला एसपी, गुमला एसपी के पद पर पदस्थापित हरविंदर सिंह को एसपी वायरलेस, एसपी वायरलेस आनंद प्रकाश को जैप 6 जमशेदपुर का कमांडेंट, मूमल राजपुरोहित को स्पेशल ब्रांच का एसपी, रेल एसपी जमशेदपुर के पद पर पदस्थापित ऋषभ झा को एटीएस एसपी, लातेहार एसपी के पद पर पदस्थापित अंजनी अंजन को रांची का ग्रामीण एसपी, सरायकेला एसपी के पद पर पदस्थापित डॉक्टर विमल कुमार को रामगढ़ एसपी, चतरा एसपी के पद पर पदस्थापित राकेश रंजन को जैप 1का कमांडेंट, रांची ग्रामीण एसपी के पद पर पदस्थापित मनीष टोप्पो को सरायकेला एसपी, रामगढ़ एसपी के पद पर पदस्थापित पीयूष पांडे को लातेहार का एसपी, विकास कुमार पांडे को चतरा का एसपी, जेएपीटी पदमा एसपी के पद पर पदस्थापित चंदन कुमार झा को अपने कार्यों के अतिरिक्त निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी का प्रभार सौंपा गया है।

हेमंत की ओर से दाखिल रिट पिटीशन एवं संशोधन पिटीशन पर ईडी की ओर से जवाब दाखिल

पूर्व सीएम की गिरफ्तारी मामले में अगली सुनवाई आज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली क्रिमिनल रिट याचिका की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हुई। हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में सुनवाई जारी रही। मामले में अगली सुनवाई बुधवार को सुबह 10:30 बजे होगी।

मामले में हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल रिट पिटीशन एवं संशोधन पिटीशन पर ईडी की ओर से जवाब दाखिल किया गया। हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वर्चुअली मोड में पक्ष रखा। इस दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने उन्हें सहयोग किया।

कपिल सिब्बल ने हेमंत सोरेन की ओर से पक्ष रखते हुए कहा कि यह मामला शेड्यूल ऑफेंस का नहीं है, उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है। बड़गाईं अंचल की जिस विवादित 8.5 एकड़ जमीन की बात कही जा रही है, उसके मूल दस्तावेज में हेमंत सोरेन के नाम का कोई जिक्र नहीं है। वहां कुछ लोगों ने कह दिया कि यह जमीन हेमंत सोरेन की दखल वाली है, इस पर विश्वास करते हुए ईडी अनुसंधान में आगे बढ़ रही है। इस केस में कोई भी साक्ष्य नहीं है और न हीं ईडी अभी तक कोई साक्ष्य जुटा पाई है।

ईडी विनोद सिंह के साथ उनके जिस व्हाट्सएप चैट का जिक्र कर रही है, वह वर्ष 2020 का है। आर्किटेक्ट विनोद सिंह के साथ हेमंत सोरेन के व्हाट्सएप चैट में बड़गाईं अंचल की उस विवादित 8.5 एकड़ जमीन पर बैंक्विट हॉल बनाने की नक्शा तैयार किए जाने की गलत बात कही जा रही है, इस व्हाट्सएप चैट में सरकार के बड़े अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग में पैसे के खेल के भी बेबुनियाद आरोप लगे हैं, जिसका इस मामले से कोई संबंध नहीं है।

16 अगस्त, 2023 को अंचलाधिकारी बड़गाईं को राज कुमार पाहन ने एक आवेदन दिया था कि जमीन उनके कब्जे में है, कुछ लोगों ने अवैध तरीके से उक्त जमीन की जमाबंदी करा ली है। इसके बाद 29 जनवरी को एसएआर कोर्ट ने अंतिम रूप से राजकुमार पाहन को उक्त जमीन का मालिकाना हक दे दिया है। यह मामला राजकुमार पाहन एवं एक अन्य व्यक्ति के बीच के विवाद का है। इस विवाद में हेमंत सोरेन कही नहीं है लेकिन ईडी ने इस मामले में हेमंत को गिरफ्तार कर लिया। ईडी उनके खिलाफ जबरदस्ती इस जमीन पर कब्जा किए जाने का सबूत तैयार की है।

ईडी की ओर से एएसजीआई एसवी राजू ने पक्ष रखा जबकि अधिवक्ता एके दास और सौरभ कुमार ने उनका सहयोग किया।

भाजयुमो रांची महानगर के युवा चौपाल कार्यक्रम में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता युवा मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह के नेत्तृत्व में मंगलवार को युवा चौपाल कार्यक्रम का आयोजन तिरिल आश्रम धुर्वा और किशोरगंज में किया गया। केंद्र सरकार द्वारा युवाओं के लिए किए जा रहे विकास कार्यों को बताने का काम किया गया। साथ ही जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामले पर चर्चा भी की गई।

युवा चौपाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आज देश का युवा अपने आपको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों और सुशासन के साथ जुड़ा महसूस कर रहा है। मोदी जी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं तब से लगातार देश की सबसे कमजोर और पिछड़ी आबादी कैसे आगे बढ़े इसके लिए वे कार्य कर रहे हैं।

मोदी जी ने सभी ऐतिहासिक और जरूरी कार्यों को पूरा किया है इसीलिए मोदी के साथ पूरा देश मजबूती से हर समय खड़ा है और चुनावो में भी इसका परिणाम आपको देखने को मिलेगा और पूरे देश में मोदी जी के नेत्तृत्व में एनडीए की पूर्ण बहुमत के साथ 400 से अधिक सीटों पर विजय होगी। युवा चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रुप से बरकट्ठा विधायक अमित यादव ,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह, युवा मोर्चा प्रभारी विनय जायसवाल, महानगर अध्यक्ष वरूण साहू, राजू सिंह,भूपेन्द्र सिंह, सूर्य प्रभात, रूपेश सिंन्हा, पवन पासवान, पूजा सिंह, रणजीत नाथ शाहदेव धर्मवीर सिंह, सुभम राय, तरुण दास, रोहित राज पांडे, रोहित सिंह, अमन वर्मा, उमेश यादव, चन्दन पटेल, निशांत यादव सहित सैकड़ों की संख्या में युवा शामिल हुए।

IGIMS में अटेंडर और डॉक्टर्स में मारपीट

पहले महिला ने स्टाफ को पीटा, फिर स्टाफ ने की मारपीट; महिला के साथी ने निकाली पिस्टल

एजेंसी

पटना । पटना के इंदिरा गांधी इंस्ट्टीयूट ऑफ मेडिकल साइंस में सोमवार शाम डॉक्टर्स और मरीज के अटेंडर के बीच मारपीट हुई। अस्पताल के सीसीटीवी में ये पूरी वारदात कैद हुई है। इसमें मरीज के साथ आई एक महिला अस्पताल के डॉक्टर के साथ मारपीट करती दिख रही है। थोड़ी देर में अस्पताल स्टाफ महिला के साथ मारपीट करने लगता है। इसी बीच महिला के साथ आया शख्स पिस्टल हाथ में लिए दिखाई देता है। पुलिस ने मरीज के परिजनों समेत 6 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।फुटेज में दिख रहा है कि एक महिला अस्पताल के स्टाफ से मारपीट कर रही है। स्टाफ लाल शर्ट में दिख रहा है। वहां आसपास मौजूद लोग बीच बचाव करके छुड़ाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन

महिला और अस्पताल के स्टाफ में मारपीट जारी रहती है। वहां मौजूद पुलिस और आम लोग दोनों को अलग करते हैं। इसी बीच हॉस्पिटल की महिला सुरक्षाकर्मी आगे आती है। जबरन महिला को अलग करते हैं। इसी बीच कुछ और डॉक्टर अस्पताल स्टाफ के बुलाने पर वहां पहुंचते हैं।फुटेज में साफ दिख रहा है कि इसमें काला रंग का शर्ट पहने युवक अपने कुछ साथियों के साथ आता है। महिला की पिटाई करने लगता है। सभी मिल कर महिला की पिटाई करते हैं।इसी बीच महिला के साथ आया शख्स इंद्रभान सिंह (नारंगी रंग की बंडी) बीच बचाव के लिए आते हैं। फिर लाइसेंसी पिस्टल निकाल

लेते हैं। महिला को छुड़ाने लगते हैं। वहां मौजूद पुलिसकर्मी और अन्य लोग काले रंग का शॉर्ट पहने डॉक्टर को किसी तरह बाहर निकालते हैं। फुटेज में साफ दिख रहा है कि चंद्रभान सिंह इन लोगों के साथ काले रंग का शॉर्ट पहने डॉक्टर को बहार की तरफ ले जाते दिख रहे हैं।पटना के IGIMS में सोमवार की शाम जूनियर डॉक्टरों और मरीज के परिजनों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। आरा से इलाज कराने पहुंचे मरीज का ECG होना था। मरीज के परिजनों ने सुबह रसीद ले ली थी, लेकिन शाम तक ECG नहीं किया गया। जिसका विरोध मरीज के साथ आई लड़की और उसके परिजनों ने किया। कहासुनी बढ़ने पर जूनियर डॉक्टरों ने जमकर उनकी पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि ECG में हो रही देरी की वजह से मरीज के परिजन और मेडिकल स्टाफ में विवाद बढ़ गया। विवाद बढ़ता देख वहां मौजूद जूनियर डॉक्टरों ने हॉस्टल से अपने अन्य साथियों को बुला लिया, फिर परिजनों के साथ जमकर मारपीट की। घटना की सूचना मिलने के बाद सचिवालय DSP के नेतृत्व में शास्त्रीनगर थाना, एयरपोर्ट थाना और गर्दनीबाग थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया।आरा से आए एक बुजुर्ग का इलाज चल रहा था। परिजनों ने सोमवार सुबह ECG कराने के लिए पर्ची ली थी, लेकिन देर शाम तक ECG हो पाया। जिसका विरोध बुजुर्ग के साथ आई लड़की ने किया।

संक्षिप्त डायरी

चोरी की मोबाइल खरीद-बिक्री करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

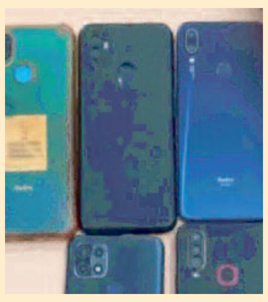

पटना । पटना के फुलवारी शरीफ पुलिस ने सोमवार को मोबाइल चोरी करने और बेचने वाले गिरोह के चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए पांच मोबाइल को भी बरामद किया है। पुलिस इनसे गहराई से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार चार युवकों में तीन मोबाइल चोरी करने वाले, जबकि एक मोबाइल की खरीदारी करने वाले युवक है। बताया जा रहा है कि मोबाइल खरीदने वाला युवक असम के बरपट्टा से आकर यहां कबाड्डी का दुकान खोल रखा था। चोरी की मोबाइल बेचने पहुंचे थे सभी बताया जा रहा है कि मोइनुल हक (25) यह युवक असम से आकर फुलवारी शरीफ के एफसीआई रोड में कबड्डी का दुकान खोल रखा है। बताया जा रहा है की कबड्डी की दुकान की आड़ में यह चोरी का मोबाइल खरीद बिक्री किया करता था। पुलिस को सूचना मिली कि मोइनुल हक के कबाड़ी दुकान में कुछ युवक चोरी की मोबाइल बेचने पहुंचे हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मोइनुल हक के दुकान से तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने कबड्डी के दुकानदार मोइनुल हक को भी गिरफ्तार किया है। घटना की पुष्टि करते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार युवकों में मोहम्मद सनी (20), मोहम्मद बॉबी (19) और मोहम्मद गुड्डू (25) वर्ष के शामिल हैं।उन्होंने बताया कि यह सभी युवक मोबाइल की चोरी करके दुकानदार मोइनुल हक के पास चोरी की मोबाइल खरीद बिक्री किया करते थे। पुलिस ने उनके पास से चोरी के पांच मोबाइल भी बरामद किए हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

नहर में डूबने से बच्चे की मौत

मुंगेर। मुंगेर में एक बच्चे के नहर में डूबने से मौत हो गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि बच्चा खेलने के लिए घर से बाहर निकाला था और जब शाम तक वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। पता चला कि बच्चा खेलते खेलते नहर में चला गया है। परिजनों ने उसे निकालकर स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर घटना की जांच में जुटी हुई है। बताया जाता है कि हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र की मुरादे पंचायत में रवि कुमार तीन वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार घर के पास ही खेल रहा था। वह नहर में गिर पड़ा। डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल आने से पहले ही बच्चे की मौत हो गई थी। इधर, सूचना मिलने पर खड़गपुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार दलबल के साथ स्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। घटना के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है।

निर्मली-मरौना रोड पर हादसा, शख्स के शरीर में घुसा बांस

सुपौल। सुपौल के मरौना थाना क्षेत्र स्थित बोदराही गांव के पास रोड एक्सीडेंट में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मधुबनी के भेजा थाना की गढ़गांव पंचायत के असुरगढ गांव निवासी कमल यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा कि मधुबनी में बेटी की शादी तय कर अपने बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी बीच निर्मली-मरौना मेन रोड पर एक व्यक्ति कंधे पर बांस लिए जा रहा था। व्यक्ति अचानक से मुड़ा और बांस का एक सिरा बाइक सवार के शरीर में जा घुसा, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची मरौना थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। शख्स दूसरी बेटी की शादी तय कर वे वापस घर लौट रहे थे। इधर, इस घटना के बाद हतप्रभ जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने आश्रितों को सरकार से मुआवजा देने की मांग की है। मरौना थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

जस्वी से मुलाकात नहीं होने पर भड़का लोगों का गुस्सा

पूर्णिया। में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की जन विश्वास यात्रा के दौरान खूब बवाल हुआ। पूर्णिया पहुंचे तेजस्वी को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा है। सदर थाना इलाके के अब्दुल्ला नगर में लोगों ने तेजस्वी का विरोध करते हुए न सिर्फ आगजनी की बल्कि पार्टी के झंडे तक को आग में झोंक दिया। राजद के झंडे धू- धू कर जले। प्रदर्शनकारी तेजस्वी के देरी से पहुंचने और उनकी फरियाद सुने बिना यात्रा के अगले पड़ाव की ओर चले जाने से नाराज थे। नाराज लोगों ने बवाल काटते हुए नारेबाजी की और तेजस्वी मुदार्बाद के नारे लगाए।तेजस्वी यादव के जन विश्वास यात्रा को लेकर अब्दुल्ला नगर में सैकड़ों लोग उनका सुबह 11 बजे से ही इंतेजार कर रहे थे। ये पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से मिलना चाहते थे। मगर काफी लेट हो जाने की वजह से वे बगैर मुलाकात के ही यात्रा के अगले पडाव के लिए निकलने लगे। इसी बात को लेकर उनसे मुलाकात के लिए सुबह से बैठे सैकड़ो लोगों का गुस्सा फुट पड़ा। तेजस्वी यादव जिंदाबाद का नारा अचानक से मुदार्बाद में बदल गया और लोग मुदार्बाद के नारे लगाने लगे। देखते ही देखते उनका गुस्सा और भड़क गया। जिसके बाद बवाल और हंगामा शुरू हो गया। वहां खड़े सैकड़ो लोगों का कहना था कि तेजस्वी से मिलकर वे अपनी बात रखना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने तेजस्वी को रोकना भी चाहा, मगर वे मुलाकात के बजाए अगले पडाव कटिहार के लिए बढ़ गए। इसी के बाद लोग भड़क गए। पार्टी के झंडे और तख्तियों में लोगों ने आग लगा दी। गुस्साए लोगों ने अब्दुल्ला नगर मुख्य मार्ग पर आगजनी करते हुए सड़क को जाम कर दिया और तेजस्वी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। नाराज लोगों ने तेजस्वी मुदार्बाद के नारे लगाए।

फूड पॉइजनिंग से दुल्हन समेत पचास बीमार

आराभोजपुर । जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के इटवा गांव में सोमवार को शादी समारोह का खाना खाने से दुल्हन समेत लगभग पचास लोगों की हालत बिगड़ गई। इसके बाद उक्त लोगों में दो दर्जन से ज्यादा लोगों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बीमार लोगों में शाहपुर थाना क्षेत्र के इटवा गांव निवासी खुशबू सिंह,अंकुश कुमार,पूजा देवी, बसंती कुंवर,शेखर कुमार,अजीत सिंह,साक्षी

सिंह,खुशी कुमारी, शकुंतला सिंह,भगमणि देवी एवं अन्य लोग शामिल है। इधर, उक्त बीमार लोगों को इलाज के लिए लेकर सदर अस्पताल लेकर आए रिश्तेदार ने बताया कि उनके रिश्तेदार अमित की बहन की शादी थी। जिसमें रविवार को तिलक में सभी लोग शामिल होने के लिए आए थे। इसके बाद सोमवार देर शाम सभी लोगों ने हलवाई के बने खाने को खाया। जिसके बाद अचानक सभी लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी।देखते ही देखते बीमार लोगों की संख्या पचास के पार हो गई। इसके बाद सभी लोगों को इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दस लोगों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जबकि बीमार अन्य लोगों का इलाज शाहपुर रेफरल अस्पताल में कराया गया।

पूर्णिया में तेजस्वी की विश्वास यात्रा के दौरान हादसा

एजेंसी

पूर्णिया । पूर्णिया में पूर्व डिप्टी उट तेजस्वी यादव की जन विश्वास यात्रा के दौरान काफिले में शामिल गाड़ी एक कार से टकरा गई। हादसे में एस्कॉर्ट गाड़ी के ड्राइवर (होमगार्ड जवान) की मौत हो गई। मृतक का नाम मो. हलीम (50) है, वो मधुबनी टीओपी के सिपाही टोला के रहने वाले थे। हादसा सोमवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे हुआ। हादसे में 6 BSAP (बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस) जवान घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी को GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया है।रॉन्ग साइड से आ रही थी एस्कॉर्ट गाड़ी बताया जा रहा है कि तेजस्वी के काफिले

में लगी एस्कॉर्ट गाड़ी रॉन्ग साइड से आ रही थी। गाड़ी ने सामने से आ 131-अ पूर्णिया-कटिहार मुख्य मार्ग पर बेलौरी अप्सरा मंगल भवन के पास हुआ।तेजस्वी के काफिले से टकराने वाली कार कटिहार से फारबिसगंज जा रही थी। इसमें 5 लोग सवार थे। इनमें महिला और 2 व्यक्तियों की हालत गंभीर है। महिला का इलाज लाइन बाजार स्थित सन राइज हॉस्पिटल में चल रहा है। महिला का नाम चांदनी देवी है।घटना की जानकारी मिलते ही SP उपेंद्र नाथ वर्मा पूर्णिया GMCH पहुंचे। घायलों से मुलाकात कर स्थिति की जायजा लिया। SP उपेंद्र नाथ शर्मा ने कहा कि हादसे के तुरंत बाद कार का एयर बैग खुल गया। जिस वजह से सभी की जान बच गई।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या का आरोप

एजेंसी

मुंगेर। मुंगेर में 28 साल के युवक की हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा कि प्रेम प्रसंग में उसकी जान गई है। घटना कासिम बाजार थाना अंतर्गत इनदुख की है। बताया जा रहा कि वह अपना घर छोड़कर एक महिला के साथ रहता था। मृतक की पहचान सोनू पासवान के रूप में हुई है। अवैध प्रेम प्रसंग में हत्या कर दी गई। परिजनों के अनुसार सोनू पासवान एक महिला के साथ जेआरएस कॉलेज नौलखा के पास ललन यादव के घर किराए के मकान में रहता था और दोनों सब्जी बेचते थे। महिला का संबंध नौलखा निवासी ललन यादव के

बेटे निशु से भी था। शनिवार को निशु यादव ने महिला को सोनू के साथ संदिग्ध अवस्था में देख लिया, जिससे आवेश में आकर सोनू ने उसकी हत्या के प्रयास के उद्देश्य से दीवार से नीचे गिरा दिया।वहीं, बेहोशी की अवस्था में नीशु ही सोनू को लेकर अस्पताल पहुंचा, जहां बताया कि दीवार पर से गिर जाने के कारण यह बेहोश हो गया है। डॉक्टर द्वारा सोनू को मृत घोषित किए जाने के बाद नीशु सहित अन्य शव को गंगा में बहाने के उद्देश्य से एंबुलेंस में ले जा रहे थे।मृतक के परिजनों ने चूहाबाग के पास एंबुलेंस को पकड़ा। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से शव बरामद कर उसमें बैठे लोगों को हिरासत में लिया है। कासिम बाजार थाना अध्यक्ष ध्रुव कुमार ने बताया कि एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया है। मामले की प्राथमिक दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बाजार से घर लौट रही महिला से छेड़खानी

समस्तीपुर। समस्तीपुर के मुफस्सिल थाने के रहमतपुर गांव में बाजार से खरीदारी कर घर लौट रही महिला के साथ कुछ युवकों द्वारा छेड़खानी का मामला सामने आया है। इस दौरान प्रतिरोध करने पर महिला के साथ मारपीट की गई। यहां तक कि महिला का कपड़ा आदि भी फाड़ दिया गया। जानकारी पर पहुंचे परिवार के लोगों ने महिला को उपचार के लिए सोमवार देर शाम सदर अस्पताल लाया। साथ ही मामले की जानकारी मुफस्सिल पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।घटना के संबंध में पीड़ित महिला ने बताया कि वह देर शाम समस्तीपुर से बाजार कर घर लौट रही थी। इसी दौरान रहमतपुर गांव के पास पूर्व से सड़क किनारे खड़े

सुरेश महतो का बेटा चंदन कुमार चार-पांच युवकों के साथ खड़ा था। वह जैसे ही रहमतपुर गांव के पास पहुंची तो चंदन ने ऑटो रोक कर उनके साथ अशोभनीय हरकत की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो चंदन ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उनका कपड़ा आदि भी फाड़ दिया गया। महिला द्वारा शोर मचाए जाने पर आसपास के लोग जुटे तो चंदन वहां से फरार हो गया।

झारखंड में एक खास समुदाय का मनोबल बढ़ा

बेगूसराय । बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर झारखंड सरकार पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि झारखंड में हिंदू महिलाओं एवं लड़कियों के साथ दुष्कर्म तथा धर्म परिवर्तन की घटनाएं आम बातें हो गई हैं। हेमंत सोरेन की सरकार हो या वर्तमान सरकार एक खास समुदाय का मनोबल बहुत बढ़ा हुआ है।आए दिन ऐसी घटनाओं को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसके लिए समाज को भी एवं सरकार को भी संज्ञान लेना चाहिए । दरअसल, हाल के दिनों में झारखंड के रामगढ़ से एक मामला सामने आया है। नौकरी दिलाने के नाम पर एक मुस्लिम युवक के द्वारा बोकारो की एक महिला को होटल में बुलाकर पहले उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

कैमूर, बक्सर, रोहतास और भोजपुर में हो सकती है बारिश

एजेंसी पटना। बिहार के ज्यादातर जिलों में आज मौसम सामान्य बना रहेगा। वहीं, मौसम विभाग ने दक्षिण मध्य और दक्षिण पश्चिम बिहार के कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। कैमूर, बक्सर, रोहतास और भोजपुर के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। आज कई जिलों की न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। पिछले कई दिनों से पटना सहित प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादल होने के कारण अधिकतम पारा में तेजी से गिरावट हुई थी। पिछले 24 घंटे के दौरान 8.5 डिग्री सेल्सियस के साथ किशनगंज जिला का तापमान सबसे कम रहा।2 से 4 मार्च के बीच भी

बारिश के आसार बिहार में एक बार फिर से 2 से लेकर 4 मार्च तक बारिश होने की संभावना है मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। विभाग की माने तो 29 फरवरी को एक पश्चिमी हिमालय से मजबूत विक्षोभ आने की संभावना है। इसके प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में

बारिश हो सकती है। पटना में आज कैसा रहेगा मौसम पटना में मौसम आज पूरे दिन साफ बना रहेगा। सुबह के समय बादल छाए रह सकते है। वही इसके बाद पूरे दिन धूप खिली रहेगी। इस पूरे हफ्ते पटना का न्यूनतम तापमान 13 से 16 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा।21 शहरों का अधिकतम तापमान बढ़ा, 19 शहरों का न्यूनतम पर गिरा मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सोमवार को पटना सहित 19 शहर ऐसे रहे जहां के न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली है। वही 21 शहर के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सोमवार को 28.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म जिला वैशाली रहा। वही 8.5 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा किशनगंज जिला रहा। पटना के न्यूनतम तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट और अधिकतम तापमान में 1.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई।

बढ़ती आय और खर्च

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) ने साल 2022-23 के लिए जो घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण का सारांश जारी किया है, उसका स्वागत किया जा रहा है। लगभग ग्यारह वर्ष के बाद ये आंकड़े जारी किए गए हैं, तो अध्ययन और क्रियान्वयन की दृष्टि से इनका बहुत महत्व है। इधर के वर्षों में आंकडे.न जारी करने के लिए लगातार सरकार की आलोचना हो रही थी। अब इन आलोचनाओं पर विराम लगेगा और विभिन्न आर्थिक व सामाजिक शोध संस्थानों को विचार-मंथन में सुविधा होगी। आंकडे. साफ गवाही दे रहे हैं कि देश विकसित हो रहा है। साल 2011-12 में एक औसत ग्रामीण भारतीय का भोजन खर्च 1,750 रुपये मासिक हुआ करता था, जो साल 2022-23 में बढ़कर 3,773 रुपये हो गया है। इस दौरान शहरी भारतीयों का मासिक भोजन खर्च 2,530 रुपये से बढ़कर 6,459 रुपये हो गया है। गांव हो या शहर, भोजन पर होने वाला खर्च तो दोगुने से ज्यादा हो गया है, मगर बाकी कुल खर्च में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। वैसे भारत में लोगों की आय और खर्च में बहुत असमानता है। अपने देश में आर्थिक रूप से शीर्ष पांच प्रतिशत ग्रामीण और शहरी भारतीय एक महीने में औसतन 10,501 रुपये और 20,824 रुपये खर्च करने लगे हैं। पहले यह आशंका जताई जा रही थी कि भारतीयों के औसत खर्च में गिरावट आई है। जब एनएसएसओ द्वारा तैयार साल 2017-18 के आंकड़े लीक हुए थे, तब इसी आधार पर सरकार की आलोचना हुई थी। बाद में उस पूरी रिपोर्ट को ही सरकार ने रद्दी की टोकरी में डाल दिया था और उसके बाद से ही यह लग रहा था कि देश में आय के घटने की वजह से प्रशासन आंकड़ों को जारी करने से बचना चाहता है। बहरहाल, रिपोर्ट का सार ही जारी किया गया है, विस्तृत रिपोर्ट के लिए कुछ इंतजार करना पड़ सकता है। किसी भी सरकार पर आंकड़े जारी करने का दबाव रहता ही है और सही आंकड़े इसलिए जरूरी हैं, ताकि उनके आधार पर बेहतर विकास योजनाओं का प्रारूप गढ़ा जा सके। यह बात छिपी नहीं है कि बीच में महामारी और लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था में बहुत गिरावट आई थी, तब ऐसे समय के आंकड़ों को जारी न करके नेताओं ने देश को निराशा से ही बचाया, हालांकि अर्थशास्त्री इस दलील को नहीं मानेंगे। जाहिर है, अर्थव्यवस्था के विविध पहलुओं को ज्यादा समय तक छिपाया नहीं जा सकता और कभी न कभी आंकड़े सामने आते ही हैं। बेशक, जारी आंकड़े साफ संकेत कर रहे हैं कि देश विकास की ओर बढ़ रहा है और खर्च के ढर्रे में बदलाव आ रहा है। एक समय था, जब ज्यादातर परिवार अपने लिए भोजन जुटाने में ही खर्च हो जाते थे, पर अब भोजन पर होने वाले खर्च का अनुपात घट रहा है और हम बेहतर जीवन के दूसरे साधनों पर ज्यादा खर्च करने की स्थिति में आ रहे हैं। साल 2011-12 में ग्रामीण और शहरी परिवारों के कुल खर्च में खाद्य उपभोग की हिस्सेदारी क्रमशः 52.9 प्रतिशत और 46.2 प्रतिशत थी। साल 2022-23 में यह घटकर क्रमशः 46.4 प्रतिशत और 39.2 प्रतिशत रह गई है।

खसरे का खतरा

भारत से ब्रिटेन तक खसरे के प्रकोप का बढ़ना बहुत दुखद और चिंताजनक है। वैसे तो पूरे देश में ही खसरे का संक्रमण दिख रहा है, पर आंकड़े बहुत स्पष्ट नहीं हैं और आज भी अपने देश में ज्यादातर जगहों पर लोग घरेलू इलाज से ही काम चलाते हैं। इसे चेचक या शीतला रोग या माता आने का रोग भी कहा जाता है। इस रोग के कारण स्पष्ट रूप से वैज्ञानिक हैं और इसका संक्रमण वायरल श्रेणी में आता है। इसे गंभीरता से न लेने से कई बार जान पर भी बन आती है, जैसे मध्य प्रदेश के मैहर में खसरे से दो बच्चों की जान चली गई और 17 से ज्यादा लोगों में इस वायरल संक्रमण का पता चला है। वहां उचित ही ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है, ताकि इस बीमारी का बड़े पैमाने पर प्रकोप न हो। खसरे को लेकर भारत ही नहीं, यूरोप और अमेरिका में भी चिंता फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी जारी करके सावधान किया है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? ध्यान देने की बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2022 में अनुमानित रूप से 11 लाख बच्चे भारत में खसरे के टीके की पहली खुराक लेने से चूक गए थे, जिससे देश उन दस देशों में शामिल हो गया, जहां महामारी के बाद भी खसरे के टीकाकरण में सबसे ज्यादा कमी आई है। अतः इसके प्रसार और भविष्य में होने वाले प्रकोप को रोकने के लिए इसके लक्षणों के बारे में जागरूकता, उचित सहायक देखभाल और टीकाकरण को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक हो गया है। खसरे का विशिष्ट लक्षण लाल, धब्बेदार दाने का विकास है, जो चेहरे पर शुरू होता है और फिर शरीर के बाकी हिस्सों में भी फैल जाता है। बहरहाल, टीकाकरण ही खसरे को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है। खसरा और रूबेला का टीका आम तौर पर दो खुराक में दिया जाता है, पहली खुराक 12-15 महीने की उम्र में और दूसरी खुराक 4-6 साल की उम्र में दी जाती है। ज्यादातर लोग शायद भूल गए हैं कि खसरा गंभीर जटिलताओं, आजीवन विकलांगता और मृत्यु का कारण बन सकता है। यह फेफड़ों और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है। निमोनिया, मेनिनजाइटिस, अंधापन और दौरे का कारण बन सकता है। ब्रिटेन में भी चिकित्सक मानते हैं कि स्वास्थ्य की अवहेलना हुई है और सबकुछ बहुत खराब होने की राह पर है। लोग भूल गए हैं, यह कितनी गंभीर बीमारी है।

परीक्षाओं का मौसम है, पढ़ने के साथ खेलकूद भी जरूरी

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

कुछ छात्र परीक्षा की तैयारी के लिए अपना कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं कर पाते और लक्ष्य निर्धारित नहीं होने के कारण एकाग्रचित्त होकर परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाते। ऐसे में परीक्षा को लेकर उनका चिंतित और तनावग्रस्त होना स्वाभाविक ही है। किन्तु परीक्षा के दिनों में जरूरत से ज्यादा तनावग्रस्त रहना निश्चित रूप से हानिकारक साबित होता है। तनावग्रस्त रहने के कारण लाख कोशिश के बाद भी पढ़ाई में मन नहीं लग सकता। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि वे शुरू से ही पढ़ाई के प्रति रुचि बनाए रखें। अपना लक्ष्य निर्धारित करें, ताकि ऐसी परिस्थितियां ही उत्पन्न न होने पाएं, जिनके कारण परीक्षा को हौवा मानकर उन्हें तनावग्रस्त रहना पड़े। कुछ छात्र वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में रात-दिन इस कदर जुट जाते हैं कि उन्हें अपने खाने-पीने की भी सुध नहीं रहती। कुछ मामलों में तो स्थिति यह हो जाती है कि खानपान के मामले में निरंतर लापरवाही बरतने के कारण छात्रों का स्वास्थ्य गिरता जाता है, जिसका सीधा-सीधा प्रभाव उनकी स्मरण शक्ति पर पड़ता है।

दसवीं तथा 12वीं कक्षा की बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। यही वह समय होता है, जब विद्यार्थियों की सालभर की पढ़ाई का मूल्यांकन होना होता है। इसी परीक्षा की बदौलत उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए आधार मिलता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि एकाग्रचित्त होकर इन परीक्षाओं की तैयारी की जाए। कुछ छात्र परीक्षा की तैयारी के लिए अपना कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं कर पाते और लक्ष्य निर्धारित नहीं होने के कारण एकाग्रचित्त होकर परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाते। ऐसे में परीक्षा को लेकर उनका चिंतित और तनावग्रस्त होना स्वाभाविक ही है। किन्तु परीक्षा के दिनों में जरूरत से ज्यादा तनावग्रस्त रहना निश्चित रूप से हानिकारक साबित होता है। तनावग्रस्त रहने के कारण लाख कोशिश के बाद भी पढ़ाई में मन नहीं लग सकता। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि वे शुरू से ही पढ़ाई के प्रति रुचि बनाए रखें। अपना लक्ष्य निर्धारित करें, ताकि ऐसी परिस्थितियां ही उत्पन्न न होने पाएं, जिनके कारण परीक्षा को हौवा मानकर उन्हें तनावग्रस्त रहना पड़े। कुछ छात्र वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में रात-दिन इस कदर जुट जाते हैं कि उन्हें अपने खाने-पीने की भी सुध नहीं रहती। कुछ मामलों में तो स्थिति यह हो जाती है कि खानपान के मामले में निरंतर लापरवाही बरतने के कारण छात्रों का स्वास्थ्य गिरता जाता है, जिसका सीधा-सीधा प्रभाव उनकी स्मरण शक्ति पर पड़ता है और नतीजा, परीक्षा की भरपूर तैयारी के बावजूद उन्हें आशातीत सफलता नहीं मिल पाती। एक छात्र के साथ भी पिछले साल 12वीं की परीक्षा में यही हुआ। वह अपनी कक्षा का होनहार छात्र था और जी-जान से परीक्षा की तैयारी में जुटा था।

पढ़ाई में वह इस कदर मग्न था कि उसे अपने खाने-पीने का भी ध्यान न रहता। परिणामस्वरूप उसका स्वास्थ्य गिरता गया और परीक्षा के दिनों में वह बीमार पड़ गया। बीमारी की हालत में ही उसे परीक्षा देनी पड़ी। जब वह परीक्षा देने बैठा, तब शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता की दशा में वह याद किए गए प्रश्नों के उत्तर भी भूल गया। इसका परिणाम यह रहा कि वह कामचलाऊ अंकों से ही परीक्षा उत्तीर्ण कर सका। कहने का तात्पर्य यही है कि परीक्षा के दिनों में खूब मन लगाकर पढ़ाई करना और कड़ी मेहनत करना तो जरूरी है ही लेकिन पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है क्योंकि यदि आपका शरीर ही स्वस्थ नहीं होगा तो आप परीक्षा की तैयारी बेहतर ढंग से मन लगाकर कैसे कर पाएंगे? परीक्षा में सफलता-विफलता को लेकर भी बहुत से छात्र परीक्षाओं के शुरू होने से पहले ही तनावग्रस्त हो जाते हैं और उनके मन में परीक्षा नजदीक आते ही बेचैनी सी छा जाती है। दरअसल कुछ छात्र ऐसे होते हैं, जो पूरे साल का समय तो मौजमस्ती में ही गुजार देते हैं और जब परीक्षाएं नजदीक आती हैं तो परीक्षाओं को हौवा मानकर घबराने लगते हैं। समय सारिणी बनाकर नियमित अध्ययन न करना भी छात्रों के तनावग्रस्त होने का प्रमुख कारण होता है। वैसे प्रायः वही छात्र परीक्षाओं को हौवा मानते हैं, जो सालभर तो मौजमस्ती करते घूमते फिरते हैं और परीक्षाओं के ऐन मौके पर उन्हें किताबों की सुध आती है। तब उन्हें समझ ही नहीं आता कि परीक्षा की तैयारी कैसे और कहां से शुरू की जाए। इसी हड़बड़ी तथा तनाव के चलते अकसर वे परीक्षा में पिछड़ जाते हैं। यदि किसी छात्र ने सालभर नियमित रूप से मन लगाकर पढ़ाई की है तो कोई कारण नहीं, जो परीक्षा से उसे किसी प्रकार का भय सताए। यदि आप समय सारणी बनाकर अध्ययन-मनन करें तो कठिन से कठिन हर विषय भी आपको आसानी से समझ में आ सकता है। समय सारिणी बनाते समय इसमें केवल अपने मनपसंद विषय को ही वरीयता न दें बल्कि सभी विषयों पर बराबर ध्यान देने का प्रयास करें बल्कि जिस विषय में आप स्वयं को कमजोर पाते हैं, उस पर कुछ ज्यादा ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास करें। जो भी कुछ पढ़ें या याद करें, उस पर पूरा ध्यान केन्द्रित करते हुए उसे दोहराते रहें ताकि वह लंबे समय तक याद रह सके। प्रत्येक विषय के संक्षिप्त नोट्स अवश्य बनाएं, जिससे परीक्षा की तैयारी में बहुत मदद मिलेगी। जो विषय अथवा प्रश्न समझ नहीं आ रहा हो, वह अपने शिक्षक अथवा मित्र से पूछने में संकोच न करें। परीक्षा के दिनों में भी पर्याप्त नींद लें। रात-रात भर जागकर पढ़ना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं। जिस दिन आपको परीक्षा देनी है, उस रात भरपूर नींद लें वरना कहीं ऐसा न हो कि परीक्षा देते समय आपको आलस्य सताने लगे और आप चाहकर भी सही ढंग से परीक्षा न दे पाएं। अपनी लिखावट साफ-सुथरी और लिखने की गति तेज बनाएं ताकि प्रश्नपत्र हल करते समय आपको समय की कमी का रोना न रोना पड़े। घर का वातावरण तथा अभिभावकों की सजगता भी वार्षिक परीक्षाओं में छात्रों की सफलता-विफलता का निर्धारण करने में अहम भूमिका निभाती है। परीक्षा की तैयारी के दिनों में छात्र को सर्वाधिक जरूरत होती है अपने अभिभावकों के मोरल सपोर्ट की। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को उचित मार्गदर्शन, सकारात्मक सहयोग और अपेक्षित समय देते हुए प्रोत्साहन भरे दृष्टिकोण से उनका मनोबल बढ़ाएं। अभिभावक उनके खानपान का पूरा ध्यान रखें। मन लगाकर परीक्षाओं की तैयारी करने के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि हर समय किताबों से चिपके रहने के बजाय कुछ समय खेलकूद अथवा मनोरंजन इत्यादि क्रियाकलापों के लिए भी निकालें। लगातार पढ़ाई करते रहने से मस्तिष्क पर भारी दबाव पड़ता है, जिससे मानसिक थकान होने के साथ-साथ एकाग्रता भी भंग होती है। इसलिए कई-कई घंटों तक निरन्तर अध्ययन करने के बजाय बीच-बीच में 5-10 मिनट आराम करें और भले ही दिनभर में थोड़े समय के लिए ही सही, मनोरंजन, खेलकूद इत्यादि गतिविधियों में अवश्य हिस्सा लें। मस्तिष्क की एकाग्रता बनाए रखने के लिए व्यायाम एवं योगाभ्यास करना भी जरूरी है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

'मन की बात' और 'पन्ना की तमन्ना'

साल 1973 में एक फिल्म आई थी-हीरा पन्ना। इस फिल्म में एक गीत है 'पन्ना की तमन्ना है कि हीरा मुझे मिल जाये...।' यहां जिक्र मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के पन्ना जिले का हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के संबोधन के 24 घंटे बाद पन्ना से बड़ी खबर निकल कर आई है कि यहां केन नदी के घड़ियाल अभयारण्य में अब सबसे आधुनिक घड़ियाल ब्रीडिंग सेंटर बनेगा। इसकी कवायद भी शुरू हो गई है। इस अभयारण्य को लुप्तप्राय घड़ियाल या भारतीय मगरमच्छ का घर कहा जाता है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने 25 फरवरी (रविवार) को 'मन की बात' में जीवन में तकनीक के महत्व की बात की। उन्होंने अपने संबोधन में डिजिटल गैजेट्स की सहायता से वन्य जीवों के साथ तालमेल बिठाने का जिक्र किया। कहा- तीन मार्च को विश्व वन्य जीव दिवस मनाया जाएगा। इस साल इसकी थीम में डिजिटल इनोवेशन को सर्वोपरि रखा गया है। देश में वन्यजीवों के संरक्षण में अब तकनीक का खूब उपयोग हो रहा है। उत्तराखंड के रुड़की में विकसित ड्रोन की मदद से केन नदी में घड़ियालों पर नजर रखने में मदद मिल रही है। इस ड्रोन को रोटर प्रिसेशन ग्रुप ने देहरादून स्थित भारतीय वन्य जीव संस्थान के साथ मिलकर तैयार किया है। केन नदी में घड़ियाल पुनर्स्थापना प्रोजेक्ट के प्रभारी रमेश कुमार मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की सहायता से तैयार ड्रोन के सर्वे में केन में 10 घड़ियालों की मौजूदगी सामने आई है। कटनी से लेकर उत्तर प्रदेश के बांदा तक पूरी नदी का ड्रोन सर्वे हो रहा है। यह ड्रोन पानी के भीतर की तस्वीरें लेने में सक्षम है। यह सात किलोमीटर दूर तक जाकर और पांच सेंटीमीटर तक की चीजों को मॉनिटर कर सकता है। 450 किलोमीटर लंबी केन नदी का सर्वे जल्द पूरा होने की उम्मीद है। जिस तरह पन्ना में टाइगर खत्म होने के बाद यहां

दोबारा टाइगर बसाए गए, ठीक उसी तर्ज पर घड़ियालों की पुनर्स्थापना का प्रोजेक्ट शुरू होना है। इसकी पुनस्थार्पना ग्रेटर पन्ना लैंडस्कैप प्लान के तहत की जानी है। सनद रहे 1985 में विश्व प्रसिद्ध खजुराहो के पास केन नदी और कुड़ार नदी के संगम पर रानेफॉल क्षेत्र में घड़ियाल सेंचुरी स्थापित की गई थी। तत्कालीन सरकार की उदासीनता से यहां घड़ियालों को नहीं बचाया जा सका। अब मौजूदा सरकार ने इस पर भगीरथ प्रयास शुरू किए हैं। प्रोजेक्ट प्रभारी रमेश ने कहा कि अब यहां सबसे आधुनिक घड़ियाल ब्रीडिंग सेंटर बनेगा। केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दी है। इसके साथ ही पन्ना में भारत का पहला वाइल्ड लाइफ इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड रिसर्च सेंटर भी बनेगा। दरअसल केन मध्य भारत की प्रमुख नदी है। यह दो राज्यों मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश बहती है। केन नदी घाटी का कुल जलग्रहण क्षेत्र 28,058 वर्ग किलोमीटर है। इसका उद्गम स्थल जबलपुर जिले की कैमूर पर्वतमाला के उत्तर-पश्चिम ढलान पर अहिरगवां गांव के पास है। यह उत्तर प्रदेश के चिल्ला गांव के पास यमुना नदी में मिलती है। केन नदी के तट पर कुछ महल भी हैं। अब यह खंडहर की स्थिति में हैं। बांदा शहर केन नदी के तट पर स्थित है। यहां केन नदी अपने दुर्लभ शजर पत्थर के लिए प्रसिद्ध है। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रीवर ऐंड पीपल संगठन ने जून 2017 में केन नदी की पदयात्रा की थी। यह तीन चरणों में अप्रैल 2018 में पूरी हुई। इस यात्रा का मकसद बांदा और पन्ना जिलों में केन नदी के तटों पर स्थित 100 ये अधिक गांवों का हाल जानना था। 60 से अधिक गांववालों से केन नदी के अतीत एवं वर्तमान स्थिति पर बात की गई। नदी क्षेत्र में जल स्त्रोतों की स्थिति, भू-जल स्तर, खेती-सिंचाई, वन-वनस्पति, पशु-पक्षी, केन-बेतवा नदी जोड़ योजना, नदी बाढ़ प्रकृति, केन नदी जैव विविधता आदि नदीतंत्र संबंधी अनेक विषयों पर ग्रामीणों, किसानों, मछुआरों, मल्लाहों और महिलाओं से विस्तृत चर्चा की गई। बुंदेलखंड में जल-जंगल-जमीन की लंबे समय से चिंता कर रहे चित्रकूटधाम कर्वी के सामाजिक कार्यकर्ता आलोक द्विवेदी और जखनी जलग्राम के संस्थापक पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय कहते हैं कि पन्ना में होने वाली यह बड़ी पहल प्रधानमंत्री मोदी के वन्य जीवन प्रेम का बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री के संबोधन से साफ है कि उनकी सरकार के प्रयासों से देश में बाघों की संख्या बढ़ी है। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या 250से ज्यादा हो गई है। चंद्रपुर जिले में इंसान और बाघों के संघर्ष को कम करने के लिए एआई की मदद ली जा रही है। वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में इस तरह के प्रयासों से देश की जैव विविधता और समृद्ध हो रही है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया है कि भारत में तो प्रकृति के साथ तालमेल हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम हजारों वर्षों से प्रकृति और वन्य जीवों के साथ सह-अस्तित्व की भावना से रहते आए हैं। इसका अनुभव महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व में किया जा सकता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

देश के 4 गगनयान यात्री मेरे 140 करोड़ परिवारजनों की आकांक्षाओं को अंतरिक्ष में ले जाने वाली 4 शक्तियां हैं। हम शीर्ष 3 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की राह पर हैं और साथ ही हम अंतरिक्ष क्षेत्र में इतिहास रच रहे हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

वरिष्ठ सांसद श्री शफीकुर रहमान बर्क के निधन का समाचार दुखद समाचार है। उन्होंने सार्वजनिक सेवा के लिए कई दशक समर्पित किये। मैं उनके परिवार के सदस्यों और अनुयायियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

यह नया भारत है, जहां हम सपने देखते हैं और उन सपनों को पूरा भी करते हैं। सशस्त्र बलों के हमारे बहादुर जवान अंतरिक्ष की पहली स्वदेशी उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। वे अकेले नहीं जा रहे हैं; एक अरब लोगों का साथ और विश्वास भी उनके साथ है। हम विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहे हैं। गगनयान मिशन से जुड़े सभी लोगों को सलाम।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

भाजपा को अपनी जीत का भरोसा

दिमागी खेल से चुनाव का फैसला होता, तो भाजपा अब तक जीत चुकी होती और नरेंद्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बन चुके होते। लेकिन अभी लोकसभा के चुनाव बाकी हैं, जिनमें 90 करोड़ से अधिक लोग मतदान करेंगे। लेकिन मोदी के लिए ऐसा लगता है कि यही नतीजा होगा। यह कहकर कि उनकी पार्टी और सहयोगी दल 400 सीटें जीतेंगे, मोदी ने संख्या के आख्यान को निर्देशित कर दिया है। उन्होंने यह सुनिश्चित कर दिया है कि समूची चुनावी चर्चा उनकी संख्या के इर्द-गिर्द हो, न कि शासन और कामकाज पर। अपनी संभावित जीत का बड़े अंतर का माहौल बनाकर उन्होंने विरोधियों को निरुत्साहित और अपने समर्थकों को उत्साहित करने की कोशिश की है। अगर भाजपा 370 सीट जीतती है, तो पिछली बार जीती गयीं कांग्रेस की 54 सीटें आधी रह जायेंगी। संभवतः अपनी ऐतिहासिक तीसरी जीत पर आश्वस्त होकर उन्होंने अगले माह के शुरू में कैबिनेट की बैठक बुलायी है, जिसमें उनकी अगली सरकार के पहले सौ दिनों की योजना पर चर्चा होगी। आंकड़ों को लेकर उनके भरोसे पर विश्लेषण किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक सत्तारूढ़ दल के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों की कुल 116 सीटों में 106 भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास हैं। अनेक राजनीतिक उतार-चढ़ाव के कारण बिहार और महाराष्ट्र का महत्व बढ़ गया है। बिहार में भाजपा और जद(यू) गठबंधन ने 2019 में 40 में से 39 सीटों पर जीत दर्ज की थी। फिर नीतीश कुमार एनडीए से नाता छोड़ लालू प्रसाद के राजद के साथ कुछ समय के लिए चले गये थे और फिर भाजपा के साथ वापस आ गये। इससे मुख्यमंत्री की विश्वसनीयता और पिछड़ी जातियों के लिए उनकी प्रतिबद्धता को बड़ा नुकसान पहुंचा है। साल 2019 में भाजपा ने अपनी सभी 17 सीटों पर जीत हासिल की थी और जद(यू) एक सीट हारी थी तथा 16 सीटें जीती थीं। उनके अन्य सहयोगी एलजेपी ने भी अपनी सभी छह सीटों पर जीत दर्ज की थी। अब सवाल पूछा जा रहा है कि क्या नीतीश कुमार पिछले प्रदर्शन को दोहरा सकते हैं और क्या चिराग पासवान के नेतृत्व में एलजेपी भी अपनी सभी सीटें जीत सकती है। इस पर चर्चा जारी है, पर भाजपा जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। लेकिन अगर जद(यू) और एलजेपी ने कुछ सीटें गंवा दी तो? विशेषज्ञों ने इसका एक उत्तर खोज निकाला है। उनका कहना है कि भाजपा का स्ट्राइक रेट अच्छा है, तो वह ऐसे नुकसान की भरपाई कर देगी। इसका मतलब यह है कि भाजपा अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पर यह मुख्यमंत्री और चिराग पासवान पर निर्भर करेगा। ऐसे ही संदेह महाराष्ट्र और कर्नाटक को लेकर भी व्यक्त किये गये हैं। भाजपा और अविभाजित शिव सेना ने महाराष्ट्र में 48 में से 41 सीटें जीती थीं। अब, जब शिव सेना और एनसीपी में विभाजन हो गया है और नेताओं ने पाला बदला है, तो परिणाम को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है। क्या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिव सेना 18 सीटें जीत सकती है या क्या भाजपा अधिक सीटों पर लड़ेगी ताकि एनडीए की संख्या ऊपर जाये? कर्नाटक में कांग्रेस आगे दिख रही है क्योंकि हाल में उसने विधानसभा जीता है और भाजपा राज्य इकाई में अभी भी समस्याएं बनी हुई हैं। साल 2019 में 10 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की 92 में से भाजपा एक भी सीट नहीं जीत पायी थी। इनमें आंध्र प्रदेश की 25, केरल की 20 और तमिलनाडु की 39 सीटें शामिल हैं। पार्टी के अपने शोध के अनुसार, भाजपा देश के लगभग 175 क्षेत्रों में शायद ही कभी जीती है। इनमें तीन दक्षिणी राज्यों के साथ-साथ पूर्वोत्तर और पश्चिम का बड़ा हिस्सा भी शामिल है। चुनाव न लड़ने वाले केंद्रीय मंत्री वरिष्ठ राज्यसभा सांसदों के साथ पिछले एक साल से इन क्षेत्रों में डेरा डाले हुए हैं और विकसित भारत के मोदी मंत्र का प्रचार कर रहे हैं। भाजपा ने अपने को यह भरोसा दिलाया है कि वह इन राज्यों से कम से कम सौ सीटें पहली बार जीत सकती है। शीर्ष नेतृत्व ने लोगों को विश्वास दिलाया है कि तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल में बड़ी जीत के साथ 370 सीटों का उसका लक्ष्य पूरा होगा।

एक नई कामयाबी

इतिहास में दूसरी बार चंद्रमा पर उतरने की रफ्तार में तेजी आ रही है, लेकिन इस मर्तबा ज्यादा देशों की भागीदारी और सफलता की नई परिभाषाएं सामने है। चंद्रयान-3 की सॉफ्ट-लैंडिंग ने इस तथ्य की पुष्टि की कि औपनिवेशिक छाया से बाहर आकर उभरने वाले एक प्रभावशाली अंतरिक्ष अनुसंधान एवं उड़ान प्रदाता के रूप में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की अंतरिक्ष अनुसंधान में शामिल प्रौद्योगिकियों व प्रक्रियाओं की समझ और उसके द्वारा चुने गए विकल्प सही हैं। इसी तरह, लूना 25 मिशन की विफलता ने रूस के रोस्कोस्मोस को उसकी गलतियों के बारे में काफी कुछ सिखाया होगा। खासकर, एक ऐसी अंतरिक्ष एजेंसी के तौर पर जिसकी शोहरत शानदार बुलंदियां हासिल करने के बाद घट रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका के कई अंतरिक्ष सेवा प्रदाताओं की कामयाबी उनके शुरूआती वर्षों में नासा द्वारा प्रदान किए गए महत्वपूर्ण समर्थन में निहित है। यह तथ्य आईएम के मामले में भी उतना ही सच है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण अंतरों के साथ। आईएम ने नासा के कमर्शियल चंद्र पेलोड सर्विसेज (सीएलपीएस) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अपने ओडीसियस लैंडर को चंद्रमा पर लॉन्च किया। इस कार्यक्रम के जरिए नासा चंद्रमा पर जाने वाले वाणिज्यिक मिशनों पर लगे उपकरणों को इस में उम्मीद में वित्त पोषित कर रही है कि उनके निष्कर्ष इस प्राकृतिक उपग्रह पर एजेंसी की मुमकिन वापसी को आसान बना देंगे। आईएम के ओडीसियस के सफर का अंतिम चरण उतार-चढ़ाव भरा था: जैसे ही लैंडर के उतरने की प्रक्रिया शुरू हुई, उसके नेविगेशन उपकरणों में गड़बड़ी हो गई जिससे आईएम के इंजीनियरों को जल्दी से एक उपाय करने एवं यान में उपलब्ध एक प्रयोगात्मक नासा उपकरण का सहारा लेने का निर्देश भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस हॉटफिक्स के बाद, ओडीसियस की सॉफ्ट लैंडिंग पूरी हुई जान पड़ती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी को रेलवे से मिला 396.25 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली ।

सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी पावर मेक प्रोजेक्ट्स को रेलवे से 396.25 करोड़ का एक बड़ा ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के बारे में बाजार बंद होने के बाद कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से इसे 396.25 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। गौरतलब है कि यह एक मल्टीबैगर स्टॉक है। कंपनी के मुनाफे पर नजर डालें तो कंपनी ने एक साल में ही शेयरधारकों को 155 फीसदी का बढ़िया रिटर्न दिया है। बीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनी को मिले ऑर्डर में छत्तीसगढ़ राज्य में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में दाधापारा-सेलाहादागोरी और निपानिया-भाटापारा-हथबंध स्टेशनों के बीच ईपीसी आधार पर इलेक्ट्रिफाइड चौथी रेलवे बीजी लाइन बनाना है। इस पूरे काम की लागत 396.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कंपनी की वित्तीय सेहत पर नजर डालें तो कंपनी का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंसोलिडेटे नेट प्रॉफिट बढ़ा है। ये 22.5 फीसदी बढ़कर 62 करोड़ रुपये रहा है। वहीं एक साल पहले समान तिमाही में मुनाफा 50.6 करोड़ रुपये था। हालांकि सालाना आधार पर कंपनी की कुल आय 912 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,114।9 करोड़ रुपये हो गई है। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर ने शेयरधारकों को तगड़ा मुनाफा दिया है।

एक साल में शेयर का रिटर्न 155 फीसदी है। जबकि यह 1 महीने में 6 फीसदी, 3 महीने में 30 फीसदी और 6 महीने में 32 फीसदी बढ़ा है। स्टॉक का 52 वीक हाई 5,544 और लो 2,006. 25 है। कंपनी के मार्केट कैप की बात करें तो यह 8,232.96 करोड़ रुपये है। बता दें कि 26 फरवरी को स्टॉक 5208.05 के स्तर पर बंद हुआ था।

धारावी परियोजना में कारोबारी इकाइयों को एसजीएसटी रिफंड मिलेगा

मुंबई ।

मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती धारावी का पुनर्विकास पूरा होने के बाद स्थानीय कारोबारी इकाइयां राज्य माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) रिफंड सहित कई लाभ हासिल कर सकेंगी। अदाणी ग्रुप और महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त उपक्रम धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) ने कहा कि यह स्थानीय कारोबार क्षेत्रों को संगठित बनाने का एक कदम है और कर रियायतें महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए निविदा शर्तों के अनुसार हैं। डीआरपी ने कहा कि पुनर्विकसित धारावी में पात्र औद्योगिक और वाणिज्यिक इकाइयों को नवनिर्मित भवनों के व्यवसाय प्रमाणपत्र की प्राप्ति की तारीख से पांच साल तक जीएसटी रिफंड मिलेगा। डीआरपी के प्रवक्ता ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये की पुनर्विकास परियोजना व्यवसायों की अनौपचारिक प्रकृति को बदलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कर लाभ मौजूदा और नए दोनों कारोबार क्षेत्रों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेंगे। एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा की जाएगी और व्यावसायिक इकाइयों को रिफंड का दावा करते समय प्रमाण के रूप में एसजीएसटी भुगतान विवरण प्रदान करना होगा। धारावी झुग्गी बस्ती में चमड़े की टेनरियों, मिट्टी के बर्तनों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों उद्यम चलते हैं। डीआरपी के बयान में कहा गया है कि कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड धारावी की इकाइयों से अपना माल मंगाते हैं और व्यावसायिक गतिविधियों से कुल कारोबार लाखों डॉलर का होने का अनुमान है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल निर्यातक बना

जयपुर ।

क्वीन ऑफ राइस कहे जाने वाले बासमती चावल का इन दिनों दुनिया भर में दबदबा बढ़ता जा रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 6250 करोड़ रुपए मूल्य का बासमती निर्यात बढ़ चुका है, जबकि बासमती की कीमतें पहले के मुकाबले इस साल ज्यादा हैं। जानकारों का कहना है कि इस साल मार्च तक बासमती राइस का निर्यात 45 हजार करोड़ रुपए को पार हो सकता है। विदेशी बाजारों में भारतीय बासमती की मांग बढ़ती जा रही है।

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल एग्री एक्सपोर्ट में बासमती चावल की हिस्सेदारी 17.4 फीसदी रही थी, जो कि इस वर्ष और बढ़ने का अनुमान है। इस बीच सर्दी के कारण जनवरी एवं फरवरी माह में बासमती राइस की उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत कमजोर रहने से इसकी कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। जयपुर मंडी में 1121 गोल्डन सेला बासमती 100 से 110 रुपए, 1509 गोल्डन बासमती 85 से 90 रुपए तथा 1401 बासमती 95 से 105 रुपए प्रति किलो पर चार से पांच रुपए प्रति किलो मंदा हो गया है। ठंड कम होने के साथ ही बासमती की मांग शुरू हो जाएगी।` जिससे कीमतों में फिर से उछाल आ सकता है। दुनिया का 90 फीसदी चावल एशिया में उगाया जाता है। दुनिया में चावल के कुल एक्सपोर्ट में भारत की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। भारत से ईरान, सऊदी अरब, यूएई, ईराक, यमन एवं अमेरिका तक बासमती चावल का निर्यात होता है। एग्रीकल्चर प्रोसेस्ड् फूड प्रॉडक्ट्स एक्सपोर्ट डवलपमेंट एथोरिटी (एपीडा) के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की अप्रैल से दिसंबर में 35.43 लाख टन बासमती चावल का निर्यात हुआ है। यह पिछले साल की समान अवधि में निर्यात हुए बासमती चावल से 10.78 फीसदी ज्यादा है।

दादाजी के सपनों को मेरे पिताजी ने पूरा किया: अनंत अंबानी

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने एक साक्षात्कार में बताया कि जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिफाइनरी दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है। यह उनके दादा और रिलायंस के संस्थापक धीरूभाई अंबानी का सपना था। बकौल अनंत, इस सपने को मेरे पिताजी मुकेश अंबानी ने पूरा किया। उन्होंने बताया कि दादाजी दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी बनाना चाहते थे और पिताजी ने जामनगर रिफाइनरी बनाकर इस सपने को पूरा किया। गौरतलब है कि गुजरात का जामनगर रिलायंस फैमिली का पैतृक स्थान है। इस रिफाइनरी को बनाने के लिए उनके पिता मुकेश अंबानी खुद 10-12 साल जामनगर में ही रहे थे। जामनगर रिफाइनरी को 1999 में चालू कर दिया गया था। इसका निर्माण करने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी बेकटेल ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि जिस वक्त इसका निर्माण हुआ यह दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी और पेट्रोकेमिल्स कॉम्पलेक्स था। बकौल बेकटेल,

आज यह और बड़ा हो चुका है और अब यह दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिफाइनिंग हब बन चुका है। उनका कहना है कि यह किसी भी भारतीय कॉर्पोरेट द्वारा पूरा किया गया सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट है। बेकटेल के अनुसार कंपनी ने 2008 में पहली रिफाइनरी के साथ ही एक और रिफाइनरी खड़ी की जिससे जामनगर रिफाइनरी की कुल कैपिसिटी दोगुनी हो गई। अब यहां हर दिन 12 लाख बैरल ऑयल रिफाइन हो सकता है।

टीवीएस मोटर्स ने जर्मनी की दिग्गज कंपनी में बढ़ाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने के लिए टीवीएस मोटर्स (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड ने जर्मनी की दिग्गज कंपनी किलवाट जीएमबीएच में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। कंपनी ने एक्सचेंजों को दी जानकारी में बताया कि कंपनी जर्मन की कंपनी किलवाट जीएमबीएच में अतिरिक्त 8,000 इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण कर रही है। इस अधिग्रहण के साथ ही टीवीएस की हिस्सेदारी 39.28 फीसदी से बढ़कर 49 फीसदी हो गई है। किलवाट जीएमबीएच जर्मनी के टिर्शेनरेथ में स्थित एक निजी कंपनी है जो कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के विकास, डिजाइन, निर्माण, बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन का काम देखती है। 4 मिलियन यूरो मूल्य का यह अधिग्रहण टीवीएस मोटर के ई-पर्सनल मोबिलिटी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की रेस में बड़ा कदम माना जा रहा है। साथ ही इससे किलवाट जीएमबीएच के साथ लॉन्गटर्म पार्टनरशिप स्थापित करने का लक्ष्य भी पूरा होगा। ऐसा माना जा रहा है कि ये अधिग्रहण 11 मार्च, 2024 तक पूरा हो जाएगा। कंपनी ने

बताया कि इस अधिग्रहण डील के लिए टीवीएस मोटर (सिंगापुर) 4 मार्च को या उससे पहले 2 मिलियन यूरो का भुगतान करेगा, इसके बाद का शेष 2 मिलियन यूरो का भुगतान होगा।

एयर इंडिया अधिक लंबी दूरी की सीधी उड़ानें शुरू करेगी

मुंबई । विमानन कंपनी एयर इंडिया की योजना अधिक लंबी दूरी की, मुख्य रूप से अमेरिकी शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की है। सूत्रों ने कहा कि एयरलाइन कंपनी अधिक ए-350 और बी-777 विमानों के साथ अपने बेड़े का विस्तार कर रही है। जानकार सूत्रों ने कहा कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन भारतीय शहरों से सिएटल, लॉस एंजिल्स और डलास के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने पर विचार कर रही है। मौजूदा वक्त में एयर इंडिया वॉशिंगटन, न्यूयॉर्क, नेवार्क, सैन फ्रांसिस्को और शिकॉगो के लिए उड़ानों का परिचालन करने वाली एकमात्र भारतीय एयरलाइन है। एयर इंडिया वर्ष 2024-25 के शीतकालीन कार्यक्रम के दौरान सिएटल, लॉस एंजिल्स और डलास के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। सिएटल की सेवाओं के लिए ए-350 विमान को तैनात किए जाने की संभावना है, बी-777 को लॉस एंजिल्स और डलास की उड़ानों के लिए लगाया जा सकता है। ये अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानें होंगी। इसका आमतौर पर मतलब है कि इनकी अवधि 16 घंटे से अधिक की है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने योजनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं दी।

अगले वित्त वर्ष में यात्री वाहन क्षेत्र की वृद्धि 5-7 फीसदी रहेगी: रेटिंग एजेंसी

मुंबई । यात्री वाहन (पीवी) क्षेत्र में अगले वित्त वर्ष में पांच से सात प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। एक रेटिंग एजेंसी ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड की अगुवाई में यात्री वाहन क्षेत्र लगातार तीसरी बार नए उच्च स्तर को छूएगा। एजेंसी ने कहा कि इसे चालू वित्त वर्ष में कारों और निर्यात की मांग कमजोर रहने के बावजूद छह से आठ प्रतिशत की अनुमानित दर से बढ़त मिल सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उपभोक्ता प्राथमिकता में एक महत्वपूर्ण बदलाव ने एसयूवी की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे इस वित्त वर्ष में इसकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी होकर कुल घरेलू मात्रा का लगभग 60 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 2018-19 में कोविड-19 महामारी से पहले एसयूवी खंड की घरेलू बाजार हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत थी। एजेंसी ने कहा कि पिछले तीन-चार साल में वाहनों की लागत में वृद्धि हुई है क्योंकि विनिर्माता प्रीमियम वाहनों की कीमतें बढ़ा रहे हैं और उन्हें सुरक्षा और उत्सर्जन पर अधिक कड़े नियमों का पालन करना पड़ रहा है। निर्यात के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है। यात्री वाहन निर्यात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में चालू वित्त वर्ष में धीमी होकर 14 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यह मुख्य रूप से पिछले दो वर्षों में प्रतिकूल मुद्रास्फीति और प्रमुख निर्यात बाजारों लातिनी अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में विदेशी मुद्रा की सीमित उपलब्धता के कारण है। अगले वित्त वर्ष में भी यही रुझान रह सकता है।

ट्रूकॉलर ने एआई संचालित कॉल रिकॉर्डिंग लांच की

नई दिल्ली । नया फीचर यूजर्स को सीधे ट्रूकॉलर एप्प के भीतर इनकमिंग और आऊटगोइंग कॉल रिकॉर्ड करने की सुविधा देगा। एआई-संचालित कॉल रिकॉर्डिंग सेवा कंपनी के प्रीमियम प्लान के एक हिस्से के रूप में मिलेगी, जिसकी शुरुआत 75 रुपए प्रति माह या 529 रुपए प्रति वर्ष से होगी। ट्रूकॉलर के एक अे धिकारी ने कहा ` कि यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों उद्देश्यों के लिए एक बहुत ही मूल्यवान उपकरण है। यूजर्स इस सुविधा का उपयोग करके किसी भी कॉलर की सभी कॉल को अंग्रेजी और हिंदी में रिकॉर्ड और ट्रांसक्राइब कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि यह सेवा पहले अमरीका में लॉन्च की गई थी और अतिरिक्त बाजार और भाषाएं भी लॉन्च की जाएगी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। जेएसडब्ल्यू ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस परियोजना को इसकी अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड द्वारा 1,500 मेगावाट आईएसटीएस-संबद्ध सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए आमंत्रित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में हासिल किया गया है। कंपनी ने कहा कि एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट क्षमता के अधिकार पत्र (एलओए) के बाद कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 11.0 गीगावाट हो गई, जिसमें 1.4 गीगावाट सौर क्षमता है। परियोजना को बिजली खरीद समझौते की प्रभावी तिथि से 24 महीने के भीतर पूर्ण अनुबंधित क्षमता की बिजली की आपूर्ति करनी होगी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि इसकी कुल उत्पादन क्षमता 11.0 गीगावाट है, जिसमें परिचालन में 7.2 गीगावाट, पवन, तापीय और पनबिजली में निर्माणाधीन 2.6 गीगावाट और एसईसीआई (किस्त - 16) और एसजेवीएन से 1.2 गीगावाट क्षमता के लिए एलओएएस शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी के पास बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हाइड्रो-पंप भंडारण परियोजना के माध्यम से 3.4 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण क्षमता है।कंपनी को 2024 के अंत तक 9.8 गीगावाट परिचालन उत्पादन क्षमता होने की उम्मीद है। कंपनी की वर्तमान परिचालन क्षमता 7.2 गीगावाट है।

रिलायंस कैपिटल के लिए आईआईएचएल की समाधान योजना को मिली मंजूरी

मुंबई ।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल (इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड) की रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दे दी। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने कर्ज का सामना कर रही कंपनी के लिए बोली के दूसरे दौर में जून 2023 में आईआईएचएल द्वारा प्रस्तुत योजना को मंजूरी दे दी। इस मामले में विस्तृत आदेश जल्द आने की संभावना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवंबर 2021 में अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी द्वारा प्रशासनिक मुद्दों और भुगतान चूक पर रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को हटा दिया था। केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था, जिन्होंने कंपनी का अधिग्रहण करने के लिए फरवरी 2022 में बोलियां आमंत्रित की थीं।रिलायंस कैपिटल पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था और चार आवेदकों ने शुरू में समाधान योजनाओं के साथ बोली लगाई थी। हालांकि, लेनदारों की समिति ने कम बोली मूल्यों के लिए सभी चार योजनाओं को खारिज कर दिया और एक चुनौती तंत्र शुरू किया गया, जिसमें आईआईएचएल और टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने भाग लिया। हिंदुजा समूह की कंपनी को पिछले साल जून में समिति द्वारा 9,661 करोड़ रुपये की अग्रिम नकद बोली के लिए चुना गया था। रिलायंस कैपिटल का अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये का नकद शेष भी ऋणदाताओं के पास जाएगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी और बैंकिंग शेयरों के ऊपर जाने से आया है। इससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके साथ ही एशियाई बाजारों में बढ़त से भी भारतीय बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.42 फीसदी करीब 305.09 अंक बढ़कर 73,095.22 पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि बचे हुए 12 गिरावट पर बंद हुए। वहीं इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.34 फीसदी तकरीबन 76.30 अंक बढ़कर 22,198.35 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 28 कंपनियों के शेयर लाभ में रहे, वहीं 22 गिरावट पर बंद हुए।आज कारोबार के दौरान आईटी शेयरों में बढ़त रही। इसके अलावा टीसीएस , एचसीएल टेक और इन्फोसिस के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। इस दौरान टाटा मोटर्स का शेयर सबसे ज्यादा 2.78 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। आज बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे ज्यादा 1.29 फीयदी नीचे आया। वहीं एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्वम व एशियन पेंट्स सहित 12 कंपनियों के शेयर नीचे आये।

यूबीएस द्वारा स्टॉक को अपग्रेड करने और वित्त वर्ष 2024-25 में आय में सुधार का अनुमान लगाने के बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस के शेयर 2.58 फीसदी बढ़े। वहीं अमेरिकी के आर्थिक डेटा जारी होने से पहले एशियाई बाजारों में हल्की बढ़त दर्ज की गई। यूरोपीय शेयर बाजार आज लाभ के साथ ऊपर आये जबकि अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। सोमवार को कैसी वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से मंगलवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बाजार की शुरुआत लाल निशान में ही हुई है। निफ्टी 11.85 अंक की कमजोरी के साथ 22,110.20 के स्तर पर और सेंसेक्स 51.95 अंक की कमजोरी के साथ 72,725 के आसपास दिख रहा है। फिलहाल सेंसेक्स 180 अंक की कमजोरी के साथ 72,640 के आसपास कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में 90.65 अंक की गिरावट के साथ 22,122.05 के स्तर पर कारोबार देखा गया

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बाजार की शुरुआत नुकसान से हुई है। निफ्टी 11.85 अंक टूटकर 22,110.20 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स 51.95 अंक की कमजोरी के साथ 72,725 के आसपास दिख रहा था। फिलहाल सेंसेक्स 180 अंक की कमजोरी के साथ 72,640 के आसपास कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 90.65 अंक की गिरावट के साथ 22,122.05 के स्तर पर रहा।

बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांफ्रेंस में जियोमी का नया इनर्जी मॉडल एसयू7 पेश किया गया।

एक्सेलरेट ने फेडरेटेड व अन्य से 2.5 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई । कानूनी अनुपालन सेवा प्रदाता अपराजिता की मूल कंपनी सिंगापुर की एक्सेलरेट ने निजी इक्विटी फर्म फेडरेटेड हर्मीस और अन्य से 2.5 करोड़ डॉलर (लगभग 207 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। एक्सीलरेट के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बयान में कहा कि सबसे ज्यादा निवेश वैश्विक निजी इक्विटी निवेशक फेडरेटेड हर्मीस से जुटाया गया। इसके पास दिसंबर, 2023 तक 757 अरब डॉलर की प्रबंधन अधीन संपत्ति थी। निवेश जुटाने के मौजूदा चरण में भाग लेने वाले अन्य निवेशकों में मौजूदा निवेशक अल्टेयर कैपिटल और एक्सैक्टा कैपिटल पार्टनर्स शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस चरण में एक्सीलरेट के सह-संस्थापकों व अन्य मौजूदा शेयरधारकों ने भी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि नई पूंजी को रणनीतिक अधिग्रहणों और व्यवसाय संचालन, टीम और प्रौद्योगिकी में चल रहे निवेश में लगाया जाएगा।

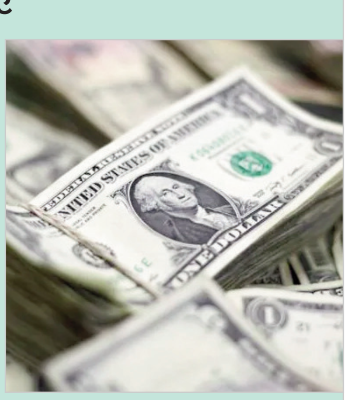

स्टोर मैनेजमेंट के क्षेत्र में बनाइए कॅरिअर

आज के प्रतियोगी युग में हर अभ्यर्थी ऐसा पाठ्यक्रम चुनना चाहता है जिसे पूरा करते ही पैसा कमा सके। स्टोर मैनेजमेंट या मैटेरियल मैनेजमेंट ऐसा ही एक पाठ्यक्रम है जिसे पूरा करने के बाद रोजगार मिलना लगभग तय होता है। अगर आपने बारहवीं कक्षा पास कर ली है तो आप भी इस पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं। इसमें भंडारण में संबंधित विभिन्न गुर सिखाए जाते हैं।

यह तीन वर्षीय पाठ्यक्रम है, जो डिग्री कोर्स के बराबर है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत खरीद-फरोख्त, स्टॉक का लेखा-जोखा रखने के लिए सांख्यिकी आदि विषयों का विस्तृत अध्ययन और अभ्यास कराया जाता है। स्टॉक इंचार्ज का काम बेहद जिम्मेदारी भरा होता है। इसलिए छात्रों को कोर्स के दौरान ऐसी विधियों की जानकारी दी जाती है कि वो अपनी जिम्मेदारी कम मेहनत में ज्यादा से ज्यादा कुशलता से निभा सकें। प्रथम वर्ष में उन्हें हिंदी, अंग्रेजी दो भाषाओं के साथ एकाउंट्स बिजनेस, लॉ और स्टोर मैनेजमेंट पार्ट-1 पढ़ाया जाता है। दूसरे साल में हिंदी, अंग्रेजी, एकाउंट्स और स्टोर मैनेजमेंट पार्ट-2 की शिक्षा दी जाती है। वहीं तीसरे वर्ष हिंदी, अंग्रेजी एवं व्यावसायिक कानून और मैनेजमेंट पार्ट-3 पढ़ाया जाता है। इसके अलावा एक प्रोजेक्ट पर काम होता है, जिसमें प्रायोगिक अभ्यास के बाद रिपोर्ट बनानी होती है। इसमें क्रय-विक्रय उत्पादन का रिकार्ड रखने संबंधी काम करना होता है।

वोकेशनल कालेज से इस पाठ्यक्रम को पास करने के बाद डिग्री के साथ वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम की डिग्री बीए के समकक्ष होती है। अनुभव प्राप्त अभ्यर्थी को नियुक्ति के दौरान विशेष तरजीह दी जाती है। पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में पंद्रह-बीस दिन के व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों को विभिन्न कंपनियों में भेजा जाता है, जहां उन्हें अपने आंतरिक गुणों को निखारने का मौका मिलता है। यहां उन्हें काम के दौरान होने वाली परेशानियों और दूसरे अनुभवों से अवगत होने का मौका मिलता है। आज जहां व्यवसायिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम हो गए हैं, वहीं इस क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर हैं। आज लगभग हर राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनी में ब्रिकी, खरीददारी, उत्पादन भण्डारण आदि का काम होता है, वहां कच्चे माल स्टॉक आदि के रखरखाव और हिसाब-किताब के स्टॉक कीपर्स और स्टॉक इंचार्ज की नियुक्ति की जाती है। वहीं सरकारी-गैर सरकारी कंपनियों, सेना तथा राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी स्टॉक प्रबंधक की काफी मांग है। जहां उन्हें आठ से दस हजार तक वेतनमान के साथ-साथ अन्य सुविधाएं दी जाती हैं। इस संस्थानों में इस पाठ्यक्रम से संबंधित ज्यादा जानकारी ले सकते हैं-

- भारतीय विद्या भवन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।
- कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, शेख सराय, नई दिल्ली।

स्टोर मैनेजमेंट या मैटेरियल मैनेजमेंट ऐसा ही एक पाठ्यक्रम है जिसे पूरा करने के बाद रोजगार मिलना लगभग तय होता है। अगर आपने बारहवीं कक्षा पास कर ली है तो आप भी इस पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

लिखित अभ्यास सबसे बेहतर

अधिकतर परीक्षा की तैयारी के समय छात्र कुछ खास तरह के प्रश्नों से जूझते हैं, जैसे - कौन से टॉपिक अधिक पढ़ने हैं? किस प्रश्न को कितना समय देना है? कौन से प्रश्न पहले करने चाहिए या कौन से बाद में? ये वे तमाम प्रश्न हैं, जिनसे छात्र अक्सर घिरे रहते हैं और विषय की पूरी जानकारी होते हुए भी अंकों से हाथ धो बैठते हैं। छात्रों की सुविधा के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें यहां बताई जा रही हैं-

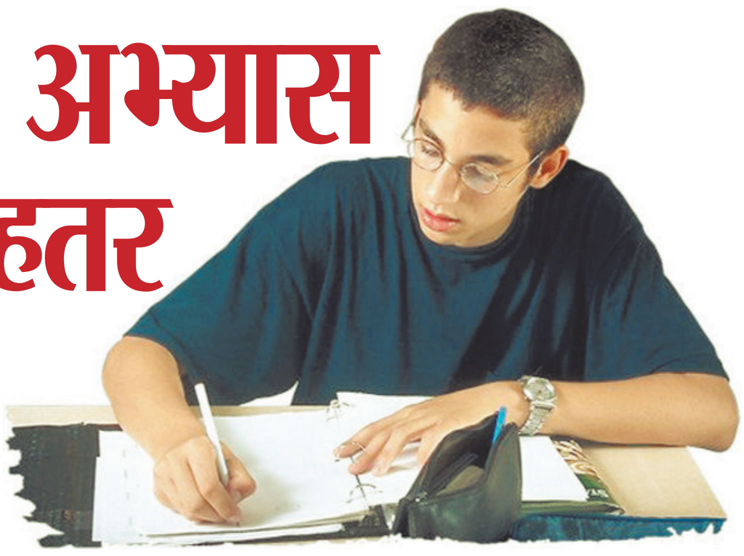

बिजनेस स्टडीज विषय पर बेहतर पकड़ बनाने का एकमात्र तरीका है लिखित अभ्यास। इस विषय के कुछ मुख्य अध्यायों, जैसे- उपभोक्ता संरक्षण, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, निर्देशन, संगठन इत्यादि पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर छात्र इस विषय का योजनानुसार क्रमबद्ध अध्ययन करें तो वे इसमें अधिकाधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। सबसे पहले आवश्यकता है कि इस विषय के सभी अध्यायों को योजनानुसार विभाजित कर लें तथा 4 से 6 अंक वाले प्रश्नों का अधिकतम अभ्यास करें। छात्रों के लिए विशेष सुझाव यह है कि विषय से संबंधित सभी जानकारी व पॉइंट्स को रटने के स्थान पर लिख-लिख कर समझने का प्रयास करें। इससे विषय अधिक समय तक याद रहेगा तथा कठिन प्रश्नों को हल करने में सहायता मिलेगी।

प्रबंध विज्ञान, कला एवं पेशा, प्रबंध के स्तर, प्रबंध के कार्य, वैज्ञानिक प्रबंध, व्यावसायिक वातावरण के महत्व पर दो या तीन प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों के उत्तर देते समय एक बात का ध्यान अवश्य दिया जाए कि वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरणों का प्रयोग करें। साथ ही एक अंक वाले लघु प्रश्नों के लिए केवल एक वाक्य में ही सार्थक उत्तर देने का प्रयास करें।

सामयिक उदाहरण

विद्यार्थी आजकल के परिवर्तनों एवं घटनाओं को शामिल करते हुए कुछ खास विषयों को हल कर सकते हैं, जैसे औपचारिक व अनौपचारिक संगठन, नियंत्रण का महत्व, संगठन के नेतृत्व इत्यादि और ऐसा करने पर पूरे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। आजकल जिन विषयों पर लगातार प्रश्न आ रहे हैं, वे हैं विक्रय संवर्धन की विधियां, व्यक्तिगत विक्रय का महत्व, पूंजी ढांचा, वित्तीय बाजार की अवधारणा, शेयर बाजार इत्यादि। अत- इन विषयों की ठीक से तैयारी की जाए। विद्यार्थी को अधिक अंक वाले वे प्रश्न पहले करने चाहिए, जो उन्हें पूरी तरह से आते हों।

टाइम मैनेजमेंट है महत्वपूर्ण

विषय की पूरी तैयारी के बाद अब बारी आती है परीक्षा भवन में सभी सवालों को सुलझाते हुए अधिकतम अंक प्राप्त करने की, जिसमें विद्यार्थी द्वारा टाइम मैनेजमेंट बेहतर रंग लाता है। अक्सर विद्यार्थी पेपर मिलते ही लिखना शुरू कर देते हैं, एक या दो प्रश्न करने के बाद परेशान होते हैं और शुरुआती प्रश्नों को ही अधिक समय दे देते हैं, जिस कारण कुछ प्रश्न रह जाते हैं। यदि विद्यार्थी शुरुआती 15 मिनट प्रश्न पत्र ठीक प्रकार से पढ़ सभी निर्देशों व प्रश्नों को समझ लें तो यह समस्या स्वत- समाप्त हो जाएगी।

जल्दबाजी नहीं

कुछ विद्यार्थी प्रश्न को ठीक से नहीं पढ़ते और उत्तर लिखना शुरू कर देते हैं, जिस कारण वे गलत उत्तर लिखते हैं। इसलिए जल्दी न करें। मुख्य पॉइंट्स को बार-बार लिखें व जरूरी बातों को मार्क करें। समय रहते सुनिश्चित करें कि प्रत्येक अध्याय के अंत में दिए गए उदाहरण, एप्लिकेशन बेस्ड प्रश्न पुस्तकों के बॉक्स में दी गई प्रत्येक जानकारी आपने पढ़ ली है। यह अध्ययन हमारे समय को बचाता है। इस विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने का एक तरीका यह है कि अधिकाधिक उदाहरणों का प्रयोग करें। यदि किसी प्रश्न में अंतर पूछा जाए तो टेबुलर फॉर्म में उत्तर दें व अंतर का आधार जरूर लिखें। चित्र, फ्लो चार्ट, डायग्राम आदि की सहायता जरूर लें। जैसा कि हम सभी देख रहे हैं कि आजकल पेपर्स में हॉट्स और एप्लिकेशन बेस्ड प्रश्नों का ट्रेंड है। इनकी तैयारी के लिए ठउएफळ की केस स्टडी जरूर पढ़ें।

कुछ खास बातें

विद्यार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि वे निम्नलिखित शब्दों को ठीक प्रकार से समझते हैं जैसे - लिस्ट, डिस्कस, स्टेट, एन्यूमरेट, कमेंट, आउटलाइन आदि। स्टेट और ब्रीफ के लिए - प्रत्येक पॉइंट के लिए एक वाक्य। एन्यूमरेट और एक्सप्लेन के लिए - प्रत्येक पॉइंट का विस्तृत वर्णन। कमेंट के लिए - सकारात्मक व नकारात्मक पक्षों का वर्णन। डिस्कस के लिए - अपने उत्तर में सभी सार्थक पॉइंट्स का विस्तृत वर्णन करने का प्रयास करें।

प्रश्नों के लिए जरूरी टिप्स

प्रश्न पत्र कम से कम दो बार पढ़ें और सुनिश्चित करें कि कौन से प्रश्न पहले करने हैं। लेखन स्पष्ट हो व कटिंग न हो। डायग्राम व उदाहरण दें। प्रश्न की संख्या लिखनी न भूलें। प्रत्येक प्रश्न एक ही स्थान पर पूरा लिखें। ऐसा न हो कि प्रश्न कहीं और उत्तर कहीं और। जवाब पॉइंट्स में लिखें।

फुटवियर इंडस्ट्री में हैं अपार करियर ऑप्शन

आजकल फुटवियर हमारे स्टेटस का सिंबल बनता जा रहा है. हमारे पहने गए फुटवियर से भी हमारी पहचान होती है. पहले लोग एक या दो सेट फुटवियर रखते थे लेकिन हम सभी लोग समय और अवसर के अनुसार इसे अपनाने लगे हैं. फैशन और बढ़ती मांग की वजह से फुटवियर के निर्माण में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपना हाथ आजमा रही हैं. अब लोग हेल्थ कॉन्शस भी हो गए हैं और इस कारण स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखकर फुटवियर का चुनाव कर रहे हैं. जानकारों का मानना है कि एक अच्छा खासा वर्ग फुटवियर इंडस्ट्री पर रिसर्च कर रहा है ताकि दिन-प्रतिदिन बढ़ती हड्डियों की समस्या से जूझ रहे लोगों को किस तरह का फुटवियर पहनने को दिये जाएं जिससे उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे. अब फुटवियर निर्माण की कला भी काफी हाइटेक हो गई है, यही वजह है कि इस क्षेत्र में इन दिनों नौकरियों की अपार संभावनाएं बन रही हैं.

योग्यता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी है कि फुटवियर टेक्नोलॉजी में डिग्री, डिप्लोमा या फिर सर्टिफिकेट कोर्स की डिग्री हो. बारहवीं में गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान से पढ़ाई करने के बाद बीटेक में प्रवेश लिया जा सकता है. प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाता है. फुटवियर टेक्नोलॉजी में बीटेक चार साल और एमटेक दो साल का होता है. इसके अलावा, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स छह माह से लेकर एक साल तक के हैं. इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों में निम्नलिखित गुण होने चाहिए- फुटवियर में आए लेटेस्ट फैशन और ट्रेंड के प्रति अपडेट रहना जरूरी है. सृजनात्मकता के साथ संचार कुशलता भी होनी कं प्यूटर एडेड डिजाइन यानी सीएडी सिस्टम से अच्छी तरह अवगत होना जरूरी है, क्योंकि इसकी मदद से फुटवियर की डिजाइनिंग की जाती है. स्टिचिंग, प्रोडक्ट डिजाइनिंग और कलर कॉम्बिनेशन का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है.

नौकरी

इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, मैन्युफेक्चरिंग, सेल्स, मार्केटिंग, रीटेल, होलसेल, क्वालिटी कंट्रोल मैनेजमेंट, लेदर प्रोडक्शन, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, प्रोसेसिंग एंड डिजाइनिंग, लेदर रिसर्च सेंटर, फुटवियर डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट, प्रोडक्शन यूनिट, स्पोर्ट्स शू मैन्युफेक्चरिंग आदि जगहों पर नौकरी की जा सकती है. इसके अलावा, ऑर्थोपेडिक मार्केट भी तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है. इन दिनों ऑर्थोपेडिक्स के मरीजों के लिए विशेष डिजाइन के फुटवियर बाजार में मौजूद हैं जिसके चलते इसका ग्रोथ और भी तेजी से हो रहा है. यह काम कुछ निजी कंपनियां कर रही हैं. इसके अलावा बच्चों के फुटवियर और महिलाओं के फैशनेबल फुटवियर का अच्छा खासा मार्केट है.

आमदनी

शुरुआती दौर में दस हजार रुपये की मासिक सैलरी पर नौकरी मिलती है जो समय के साथ और अनुभव के आधार पर बढ़ती रहती है. फीलांसर फुटवियर डिजाइनर, इस सेक्टर में अच्छी आमदनी कर सकते हैं.

संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर, गुजरात नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, कोलकाता सेंटर फुटवियर ट्रेनिंग सेंटर चेन्नई, तमिलनाडु सेंटर फुटवियर ट्रेनिंग सेंटर, आगरा फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा

कृषि-प्रधान देश में खेती क्यों न बने कॅरियर

भारत शुरू से ही कृषि प्रधान देश रहा है। यहां की आबादी के 70 प्रतिशत लोग कृषि से सीधे जुड़े हैं। कृषि पर इतनी बड़ी आबादी की निर्भरता कृषि विज्ञान में रोजगार की असीम संभावनाओं का द्वार खोलती है। कुछ नया कर दिखाने वाले, नए विचार देने वाले, रचनात्मक कार्यों में रूचि दिखाने वाले युवक-युवतियों के लिए कृषि उद्योग में अच्छे वेतन और सरकारी, निजी व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम के अच्छे अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

आमतौर पर लोग कृषि विज्ञान का मतलब खेती बाड़ी ही लगाते हैं। लेकिन कृषि विज्ञान पाठ्यक्रम व्यापक है जिसके अन्तर्गत फसलों की निगरानी, आनुवंशिकी और पादप प्रजनन फसलों की देख-रेख, आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, फसलों पर लगने वाले कीड़ों का नियंत्रण, पौधों में लगने वाली बीमारियों का अध्ययन, मिट्टी की गुणवत्ता से संबंधित विषयों की जानकारी और उसके भीतर के लाभदायक जीवाणुओं के बारे में अध्ययन और उसे उर्वर बनाए जाने हेतु जानकारी हासिल की जाती है।

कृषि विज्ञान में कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। इनमें कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम हैं- बीएसी एग्रीकल्चर, बैचलर डिग्री इन हॉटीकल्चर, बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस, बैचलर ऑफ फारेस्ट्री साइंस, बैचलर ऑफ होम साइंस, बैचलर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ वेटनरी एंड एनिमल हसबेन्डरी और मास्टर इन इरीगेशन एंड वाटर मैनजमेंट। कृषि विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवार का बारहवीं कक्षा में विज्ञान विषय में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा में गुजरना पड़ता है। ज्यादातर विश्वविद्यालयों में मई-जून महीने में अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। पाठ्यक्रम की अवधि तीन से चार साल की होती है।

कृषि में स्नातकोत्तर डिग्री के बाद सरकारी क्षेत्र में सहायक प्राध्यापक और वैज्ञानिक के रूप में रोजगार उपलब्ध हैं। कृषि क्षेत्र में हो रहे नित नए-नए अनुसंधानों के बाद निजी क्षेत्र इस व्यवसाय में अपना स्थान बनाने की कोशिश कर रहा है। इससे कॅरियर के अवसर में भारी इजाफा हुआ है। वहीं एग्रोक्लीनिक और एग्रो-बिजनेस के नाम से स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं। साथ ही मुधमक्खी पालन और मुर्गी पालन जैसे रोजगार भी शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालायों में शोध कार्य आरंभ कर फेलोशिप के तौर पर साढ़े छह हजार रुपए हर महीने पा सकते हैं। शोध कार्य पूरा करने के बाद सरकारी और निजी क्षेत्रों में वैज्ञानिक का पद पा सकते हैं।

इन पाठ्यक्रमों का अध्ययन इन विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है

- इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर पीओ श्री निकेतन, वीरभूम।
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, ग्वालियर।
- इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट, वाराणसी।
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, एग्रीकल्चर फैकल्टी, राजेंद्र नगर हैदराबाद।
- बिरला एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर कांके, रांची।
- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी।
- एग्रीकल्चर कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोयम्बटूर।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Wednesday, 28 February 2024

प्रधानमंत्री के खिलाफ गुब्बारे छोड़ने की योजना बनाने के आरोप में कांग्रेसी गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) की मंगलवार सुबह हुई बैठक में मछुआरों के जटिल मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंगलवार से राज्य की दो दिवसीय यात्रा के खिलाफ, काले गुब्बारे छोड़कर तथा काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष रंजन कुमार द्वारा घोषणा करने के बाद की श्री मोदी के दौरे के दौरान काले गुब्बारे छोड़े जाएंगे, उन्हें उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी एहतियाती कदम के तौर पर की गई है और उस घर में हिरासत में रखा गया है। इस बीच कोयंबटूर शहरी जिला कांग्रेस कमेटी ने रामनाथपुरम जिले के पंबन में मानव श्रृंखला आंदोलन की घोषणा की है और प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान उन्हें काले झंडे दिखाने का इरादा है।

चुराचांदपुर जिले में इंटरनेट 5 दिनों तक और बहाल नहीं होगा

इंफाल। मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद चुराचांदपुर जिले में मोबाइल डेटा सेवाओं सहित इंटरनेट निलंबन को अगले पांच दिनों के लिए और स्थगित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। संयुक्त सचिव (गृह) मायेंगबाम वीटो सिंह ने एक आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने चुराचांदपुर में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद वीपीएन के जरिए इंटरनेट सेवा, मोबाइल डेटा सेवाओं और इंटरनेट/डेटा सेवाओं का निलंबन जारी रखने का निर्णय लिया है। इसके लिए मोबाइल सेवा प्रदाताओं को भी आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 16 फरवरी को चुराचांदपुर में इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करने का आदेश दिया था, जिसके पांच दिन बाद 800 से 1,000 लोगों की भीड़ ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के कार्यालय परिसरों में घुसकर तोड़फोड़ की और सरकारी संपत्तियों को आग लगा दी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाया गया था। सुरक्षा बलों के साथ झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। जब सशस्त्र बदमाशों ने साथ कांस्टेबल का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मणिपुर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल के निलंबन का विरोध करने के लिए भीड़ जिला कार्यालय परिसर में घुस गई। एक अधिकारिक बयान में कहा गया है कि कार्यालय परिसर में खड़े चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों के लिए सामग्री ले जा रहे बाहर ट्रक और बसें भी जला दी गईं। भीड़ ने डिप्टी कमिश्नर के सरकारी आवास को भी आग लगा दी। इस घटना में राष्ट्रीय ध्वज का भी अपमान होने की खबर है।

भाजपा नेता के बेटे सहित नौ अन्य को ड्रग्स लेने के आरोप में किया गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने भाजपा नेता के बेटे सहित नौ अन्य को ड्रग्स लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शहर के एक होटल में एक पार्टी के दौरान ये लोग ड्रग्स का सेवन कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेता गज्जला योगानंद के बेटे गज्जला विवेकानंद और नौ अन्य को गिरफ्तार किया है। बता दें कि विवेकानंद (37) मंजीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक और योगानंद के बेटे हैं, जिन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा था। साइबराबाद सीमा में गाचीबोवली के रेडिसन ब्लू होटल में तलाशी के दौरान विवेकानंद, सैयद अब्बास अली जेफरी, निर्भय, केदार और छह अन्य को गिरफ्तार किया गया। स्पेशल ऑपरेशन टीम-साइबराबाद और गाचीबोवली पुलिस ने संयुक्त रूप से रविवार रात को ऑपरेशन चलाया। इस दौरान पुलिस ने कोकीन के तीन इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक कवर, नशीली दवाओं के सेवन के लिए इस्तेमाल किया गया सफेद रंग का कागज और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए।

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो से छह तक मध्यप्रदेश में, उज्जैन में होगा रोड शो

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' मध्यप्रदेश में दो से छह मार्च तक आयोजित होगी, जिसकी शुरुआत मुरैना से होगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि न्याय यात्रा दो मार्च को मुरैना से शुरु होगी। मुरैना में रोड शो एवं स्वागत कार्यक्रम होगा। मुरैना में ही श्री गांधी का संबोधन होगा। तीन मार्च को श्री गांधी की यात्रा अग्निवीर पूर्व सैनिक संवाद के साथ शुरू होगी। इसके बाद ये यात्रा शिवपुरी के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी। अगले दिन चार मार्च को यात्रा गुना जिले से शुरु होगी। गुना जिले के राघौगढ़ में रोड शो होगा। शाम को राजगढ़ जिले में श्री गांधी किसानों से संवाद करेंगे। श्री सिंह ने बताया कि पांच मार्च को यात्रा राजगढ़ के पचौर और सारंगपुर से उज्जैन जिले के मक्सी में प्रवेश करेगी। इसी दिन श्री गांधी उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगे। शाम को उज्जैन में युवा अधिकार रैली आयोजित की जाएगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत श्री गांधी छह मार्च को सुबह बड़नगर में महिला संवाद कार्यक्रम के बाद रोड शो करेंगे। यात्रा दोपहर लगभग 3 बजे रतलाम जिले में पहुंचेगी और शाम को सैलाना में प्रवेश करने के बाद यहां से आगे प्रवेश कर जाएगी।

सड़क हादसे के शिकार व्यक्ति के परिजनों को 1.35 करोड़ का मुआवजा दे

ठाणे। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मारे गए 48 वर्षीय व्यक्ति के परिवार को 1.35 करोड़ रुपये का मुआवजा देना का आदेश दिया है। एमएसीटी के अध्यक्ष एसबी अग्रवाल ने आदेश में कहा कि दोषी बस का मालिक और उसकी बीमा कंपनी संयुक्त रूप से मुआवजे की राशि का भुगतान याचिका दायर करने की तारीख से वसूली तक 7.5 प्रतिशत ब्याज के साथ करें। दरअसल ग्यारह नवंबर 2018 को महाराष्ट्र के सिन्नर-शिरडी रोड पर एक बस की पीड़ित के वाहन से टक्कर हो जाने से पीड़ित, एग्नेल इयपुन्नी चक्रमाकिल और कार में सवार चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। याचिकाकर्ता एग्नेल की 52 वर्षीय पत्नी और 31 साल के बेटे ने तर्क दिया कि बस चालक वाहन को लापरवाही से चला रहा था जिससे भीषण टक्कर हुई। उन्होंने एग्नेल की मौत के लिए 2.70 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की थी। बस का मालिक न्यायाधिकरण के सामने पेश नहीं हुआ, इसलिए मामले में उसके खिलाफ एकपक्षीय फैसला सुनाया गया। न्यायाधिकरण ने एग्नेल की एक लाख रुपये की मासिक आय और भविष्य की आय की संभावनाओं के लिए 30 प्रतिशत अतिरिक्त रकम को ध्यान में रखते हुए दावे की गणना की। एमएसीटी ने मृतक की उम्र के आधार पर मुआवजे की गणना की जिससे मुआवजे का आंकड़ा 1,35,90,052 रुपये पर पहुंच गया, जिसमें आय, संपत्ति, सहायता संघ और अंतिम संस्कार का खर्च शामिल हैं।

शिमला में रेस्तरां कर्मचारी की हत्या का आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

शिमला। शिमला के माल रोड पर पुलिस रिपोर्टिंग रूम के पास स्थित एक रेस्तरां के बाहर एक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में 30 वर्षीय व्यक्ति को हरियाणा के सिरसा जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने कहा कि सतिंदर पाल को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया और बाद में शिमला लाया गया। सोमवार की सुबह 21 वर्षीय मनीष पर तेजधार हथियार से हमला किया गया था जो एक रेस्तरां में काम करता था। हमले के बाद वह पुलिस सहायता कक्ष की ओर भागा और नियंत्रण कक्ष के दरवाजे का शीशा उसी हथियार से तोड़ दिया जिससे उस पर हमला किया गया था। पुलिस मनीष को लेकर इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (आईजीएमसीएच) पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, पाल मनीष पर हमला करने के बाद फरार हो गया था लेकिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी पहचान की गई और उसे पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीमें तैनात की गईं। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में इस हत्याकांड को लेकर गर्मागर्म बहस हुई और भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े किए।

मोदी की गारंटी मतलब पत्थर की लकीर : सीआर पाटील

– एक साथ 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के भाजपा जॉइन करना एक ऐतिहासिक घटना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज कहा कि एक साथ 10 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होना ऐतिहासिक घटना से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब पत्थर की लकीर है जो हर हाल में पूरी होगी। सीआर पाटील कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री नारण राठवा और उनके बेटे संग्राम राठवा, कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र पटेल के अलावा अन्य राजनीतिक दलों के 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने के मौके पर बोल रहे थे। सीआर पाटील ने अन्य राजनीतिक दलों से आए नेता और कार्यकर्ताओं का भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। सीआर पाटील ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पहले नेताओं पर भरोसा नहीं किया जाता था। लेकिन पीएम मोदी के बाद इसमें बदलाव आया है, अब पीएम मोदी एक ऐसे नेता बनकर उभरे हैं जिन पर दुनिया भरोसा करती है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी की गारंटी पक्की गारंटी है। देश के बड़े राजनेता भी मानते हैं कि मोदी की गारंटी पत्थर की लकीर है। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद से मोदी ने हमारे वादे पूरे किये हैं। जब भी भाजपा ने पहली बार राम मंदिर का मुद्दा अपने घोषणापत्र में लिखा था, तब सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का सपना था कि राम मंदिर बने। पहले कांग्रेसी उपहास करते हुए कहते थे 'मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे÷। अब

प्रधानमंत्री ने सभी विरोधियों के सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद मंदिर का निर्माण शुरू नहीं किया बल्कि सभी पार्टी नेताओं को एक साथ लाया और 400 साल पुराने राम मंदिर आंदोलन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कराया। बाद में जब धारा 370 को बीजेपी के घोषणापत्र में भी शामिल किया गया तो कई लोगों को इस पर संदेह हुआ। एक कांग्रेस नेता ने तो प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देते हुए कहा था कि 370 को हाथ मत लगाना वर्ना कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। लेकिन मोदी-शाह की जोड़ी ऐसी धमकियों से नहीं डरी और उन्होंने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी और कश्मीर में धारा 370 को शांतिपूर्वक हटाकर इतिहास रच दिया। मोदी ने कांग्रेस के आखिरी 30 साल 5 साल में पूरे कर दिए। प्रधानमंत्री के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मोदी ने सभी गरीबों की मदद की है। उन्होंने इस तरह से काम किया है कि हर गरीब को बिना किसी भेदभाव के मदद और विकास किया जा सके और उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि सभी को सभी सरकारी संस्थानों से मदद मिले। प्रधानमंत्री ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है और 4 करोड़ लोगों को आवास योजना के तहत घर भी उपलब्ध कराये हैं। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला और कहा कि कांग्रेस अब भ्रमित हो गई है। अब उनका किसी भी प्रकार का कोई लक्ष्य नहीं है।

हिमाचल सरकार ने बेटियों के विवाह की उम्र बढ़ाई

शिमला। हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने बेटियों के विवाह की आयू सीमा बढ़ा दी है। राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य में अब बेटियों की शादी 21 वर्ष से पहले नहीं की जा सकेगी। इसके लिए उनकी सरकार कानूनी प्रावधान करने जा रही है। मौजूदा वक्त में बेटियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल है और तो लड़कों के लिए 21 है। सुक्खू ने साफ किया कि मौजूदा विधानसभा सत्र में यह बदलाव कर दिया जाएगा। सीएम ने केलांग में लाहौल शरद उत्सव का शुभारम्भ करते हुए मंच से इसका ऐलान किया। सुक्खू ने कहा, अभी हमारा विधानसभा सत्र चल रहा है। हम अपनी बेटियों के लिए एक और योजना लेकर आ रहे हैं। हमने कहा अब बेटी की शादी की उम्र 18 साल नहीं होगी। हिमाचल हिन्दुस्तान में पहला राज्य बनने जा रहा है जहां हम बेटियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल करने जा रहे हैं। प्रस्तावित बदलाव को जनवरी में ही सुक्खू कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। अब विधानसभा में सरकार बिल पेश करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि मौजूदा बजट सत्र में कानून में संशोधन किया जा सकता है। इसके बाद राज्य में दूल्हे और दुल्हन दोनों के लिए न्यूनतम उम्र 21 साल हो जाएगी।

आर्थिक तंगी से बढ़ रही हैं आत्महत्या की घटनाएं : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार एक तरफ गरीबी खत्म करने का ढिंढोरा पीट रही है और दूसरी तरफ सरकारी आंकड़ा बताता है कि आर्थिक तंगी के कारण देश में बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अकेले 2022 में सात हजार से ज्यादा लोगों ने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या की है। हर घंटे दो किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं और हर दिन 40 युवा हताश होकर जान देने को मजबूर हैं लेकिन सरकार का दावा है कि देश में सब चकाचक है।'

उन्होंने कहा,'आज नीति आयोग यह साबित करने पर तुला है कि सरकार ने देश में गरीबी खत्म कर दी है लेकिन इसी रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के सबसे गरीब पांच प्रतिशत लोग अपना गुजर-बसर सिर्फ 46 रुपए प्रतिदिन पर करने को मजबूर हैं। नीति आयोग का यह सर्वे देश के अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ती खाई को सही साबित कर रहा है।'

प्रवक्ता ने कहा 'नीति आयोग की इस रिपोर्ट के अनुसार -शहर के पांच प्रतिशत सबसे अमीर लोग, शहर के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों से 10 गुना ज्यादा खर्च करते हैं। गांव के पाच प्रतिशत सबसे अमीर लोग, गांव के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों से आठ गुना ज्यादा खर्च करते हैं।'

श्रीमती श्रीनेत ने कहा, 'मतलब.. अगर गांव में रहने वाले पांच प्रतिशत सबसे अमीर हर दिन 350 रुपए खर्च करते हैं तो पांच प्रतिशत सबसे गरीब 46 रुपए खर्च करते हैं। वहीं शहर के पांच प्रतिशत सबसे अमीर 700 रुपए खर्च करते हैं, तो सबसे गरीब औसतन 67 रुपए खर्च करते हैं।'

प्रवक्ता ने कहा, 'सरकार के अनुसार अगर देश में सिर्फ सात करोड़ लोग ही गरीब हैं तो फिर 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों देना पड़ रहा है। देश के 35 करोड़ लोगों के पास आवाजाही का कोई साधन और 45 करोड़ लोगों के पास टीवी क्यों नहीं है। रोज़मर्रा की चीजों में भी गिरावट आई है जो साबित करता है कि लोग खर्च नहीं कर पा रहे हैं। दो साल पहले भारत का घरेलू सेविंग रेट जीडीपी से 11 प्रतिशत ऊपर रहता था लेकिन 2 साल में यह जीडीपी के अनुपात में गिरकर पांच प्रतिशत पर आ गया है। सेविंग रेट का आधे से भी कम हो जाना साबित करता है कि लोग महंगाई, गरीबी और आर्थिक असमानता से जूझ रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'देश के हालात समझिए। उप्र के आगरा के तरुण की जॉब चली गई। आर्थिक तंगी ने जकड़ लिया। इसी महीने तरुण की फंदे से लटकती लाश मिली, पास ही बेटे और मां की लाश पड़ी थी। जौनपुर में रहने वाले रमेश बिंद मज़दूरी करते थे। कुछ दिनों से काम नहीं चल रहा था। आर्थिक तंगी बढ़ती गई बोझ न झेल सके, आत्महत्या कर ली।

इसी हफ्ते ब्रजेश पाल ने अपनी सारी डिग्रियां जलाई और बेरोजगारी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। ब्रजेश ने सुसाइड नोट में लिखा- 'क्या फायदा ऐसी डिग्री का, जो नौकरी न दिला सक'।'

तेजस्वी के काफिले का वाहन हुआ हादसे का शिकार, 1 की मौत 10 घायल

पूर्णिया (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव आम जनता का भरोसा जीतने के लिए जन विश्वास यात्रा पर हैं। लोग जुट रहे हैं और तेजस्वी को आशीर्वाद भी मिल रहा है। इसी बीच एक हादसे की खबर है जिसमें एक वाहन चालक की मौत हो गई और 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों में आधा दर्जन पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पूर्णिया के मुफस्सिल थाना के बेलौरी के पास बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के काफिले में शामिल एक स्काउट गाड़ी और निजी कार के बीच भीषण टक्कर हो गई।

सूचना मिलते ही एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा जीएमसीच पहुंचे जहां उन्होंने चिकित्सक को सभी घायलों के उचित इलाज का निर्देश दिया है। वही एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने कहा कि एस्कॉर्ट गाड़ी और कार के बीच टक्कर हुई है। जिसमें एक की मौत हुई है जबकि 6 पुलिसकर्मी समेत कई सिविलियन घायल है। बताया जाता है कि आज जन विश्वास यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव का काफिला पूर्णिया के बेलौरी से गुजर रहा था। इस काफिले में यह स्काउट गाड़ी भी शामिल थी। गाड़ी पूर्णिया कटिहार फोरलेन सड़क पर रॉन्ग साइड में चली गई । जिस कारण कटिहार की तरफ से आ रही एक लाल रंग की सिविलियन कार से भीषण टक्कर हो गई। जिसमें यह बड़ा हादसा हुआ है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। मृतक की पत्नी और उसके परिजनों का रो रो का बुरा हाल है। ग़ौरतलब है की आज नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पूर्णिया, अररिया, किशनगंज की जन विश्वास यात्रा पर आए थे। वह रात करीब 10-30 बजे पूर्णिया से कटिहार जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ है।

वायनाड से चुनाव लड़ना नहीं चाहते राहुल गांधी ?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी किस सीट से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर संशय है। कांग्रेस ऐसी सुरक्षित सीट तलाश रही है जहां से उनकी जीत सुनिश्चित की जा सके। तमाम प्रयासों के बाद भी सुरक्षित सीट नहीं मिल पा रही है। जहां तक वायनाड का सवाल है तो सूत्र बता रहे है कि राहुल गांधी इस बार वायनाड से चुनाव नहीं लड़ेंगे। हो सकता है कि इस बार उन्हे दो सीटों पर उतारा जाए। एक कर्नाटक या तेलंगाना से और दूसरी उत्तर प्रदेश से कोई सीट हो सकती है। यह ताजा घटनाक्रम केरल में सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत के बीच आया है, जहां इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग कांग्रेस पर इस बार 2 के बजाय 3 सीटें देने का दबाव बना रही है। आईयूएमएल वायनाड से चुनाव लड़ना चाहती है, क्योंकि उसके अधिकांश मतदाता मुस्लिम समुदाय से हैं। इसके अलावा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पार्टी के महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा को वायनाड से मैदान में उतारा है। ऐसे में यह विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए अच्छा नहीं रहेगा कि गठबंधन के एक प्रमुख नेता की पत्नी राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ें।

शाहजहां शेख की गिरफ्तारी से डर रही ममता बनर्जी : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कहा है कि संदेशखाली में घटित अपराधों के बाद फरार शाहजहां शेख को गिफतार करने में ममता बनर्जी डर रही हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए सवाल पूछा है कि आखिर ममता बनर्जी, शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने से क्यों डर रही हैं, शाहजहां शेख के पास कौन सा राज है? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि शाहजहां शेख की गिरफ्तारी के मामले में सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सरकार के झूठ को बेनकाब कर दिया है। कोर्ट ने टीएमसी सरकार को फटकार लगाते हुए यह साफ कर दिया है कि शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर कोई रोक नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने शाहजहां शेख की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सवाल पूछा कि आखिर ममता बनर्जी, शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने से क्यों डर रही हैं? उन्होंने टीएमसी नेता की गिरफ्तारी की मांग उठाते हुए कहा कि संदेशखाली में महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ है और उन पर अत्याचार किया गया है। इस मामले में तो शाहजहां शेख को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता ने गांधी परिवार सहित विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका गांधी, न्याय यात्रा पर निकले राहुल गांधी और सोनिया गांधी चुप क्यों हैं? इधर राज्यसभा चुनाव को लेकर सपा द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए प्रेम शुक्ल ने कहा कि जिन लोगों को पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की नीतियों पर भरोसा है, वही लोग भाजपा का साथ दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को अवमानना का नोटिस थमाया, कंपनी को भ्रामक विज्ञापन जारी करने से रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को अपने औषधीय उत्पादों का विज्ञापन करने से रोक दिया और नवंबर के आदेश का उल्लंघन करने के लिए इसके प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया। हम रामदेव और आचार्य बालकृष्णन को कारण बताने के लिए नोटिस जारी करते हैं। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। एलडी वकील उनकी ओर से नोटिस स्वीकार कर 2 सप्ताह के भीतर उत्तर दें।

शीर्ष अदालत ने कंपनी को यह भी निर्देश दिया कि वह कोई भ्रामक विज्ञापन जारी न करे या एलोपैथी के प्रतिकूल बयान न दे। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रतिवादियों को अगले आदेश तक नियमों के अनुसार बीमारियों/बीमारियों के इलाज के रूप में निर्दिष्ट उनके विपणन किए गए औषधीय उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग से रोका जाता है। उन्हें प्रिंट या अन्य मीडिया में किसी भी रूप में किसी भी चिकित्सा प्रणाली के प्रतिकूल कोई भी बयान देने से सावधान किया जाता है।

यह याचिका इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर की गई थी, जिसमें सभी बीमारियों का इलाज करने का दावा करने वाले और एलोपैथिक दवाओं की प्रभावकारिता पर संदेह करके डॉक्टरों को बदनाम करने वाले सभी भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ आदेश देने की मांग की गई थी। याचिका में रामदेव और पतंजलि के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है। बार एंड बेंच के अनुसार, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा, 'मैं प्रिंटआउट और अनुलग्नक लाया हूं। हम आज बहुत सख्त आदेश पारित करने जा रहे हैं. इसके माध्यम से जाओ। आप कैसे कह सकते हैं कि आप ठीक कर देंगे? हमारी चेतावनी के बावजूद आप कह रहे हैं कि हमारी चीज़ें रसायन-आधारित दवाओं से बेहतर हैं?

भारतीय नौसेना वर्ष 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएगी: नौसेना प्रमुख

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने यहां कहा कि औपनिवेशिक काल के सभी अवशेषों का परित्याग करते हुए भारतीय नौसेना बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है और वर्ष 2047 तक यह पूरी तरह 'आत्मनिर्भर' सेना होगी। नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के बाद मीडिया से यहां बातचीत में हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना महान उपलब्धियां हासिल कर रही है और 33 पनडुब्बी तथा 63 पोतों का निर्माण खुद से कर सकती है।

नौसेना प्रमुख ने कहा, ''हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर बनना है और तब तक सभी पनडुब्बियां, विमान और हथियार भारत में बनाए जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि उद्योग को 75 चुनौतियां दी गईं और उद्योग से शानदार प्रतिक्रिया मिली। हरि कुमार ने कहा, ''उनमें से कुछ पहले ही अनुबंध में शामिल हो चुके हैं और कुछ उत्पाद पहले ही शामिल किए जा चुके हैं। बहुत सारी नवीन तकनीक और उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती कार्यक्रम के माध्यम से नौसेना अगले सात वर्षों में काफी युवा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नौसेना के कर्मचारियों की औसत उम्र 26 वर्ष होगी। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''हम जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि नौसेना में शामिल होने वाले अग्निवीर बहुत तकनीकी-प्रेमी हैं और नई तकनीकी चुनौतियों का अच्छी तरह से जवाब देते हैं और बदलती चुनौतियों के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढाल लेते हैं। एडमिरल हरि कुमार ने कहा कि नौसेना अपनी आवश्यकताओं के लिए विझिंजम बंदरगाह का उपयोग करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह के साथ उनकी शुरुआती बातचीत हुई थी, लेकिन इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। सतह से सतह पर मार करने वाली भारत की स्वदेशी मिसाइल ब्रह्मोस को तेजी से नौसेना के युद्धपोतों में शामिल किया जा रहा है।

हरि कुमार ने कहा, ''हमारी योजना इसे अपने सभी युद्धपोतों में स्थापित करने की है और यह प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।'' भारत के तीसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत के संबंध में हरि कुमार ने कहा कि नई तकनीक उभरने के साथ इसमें कई बदलाव की योजना है। उन्होंने कहा कि विमानवाहक पोत के पास सभी प्रकार के आधुनिक विमानों को संभालने की सुविधा होनी ही चाहिए। हरि कुमार ने कहा, ''वर्तमान में हम आईएनएस विक्रांत प्रकार के विमान वाहक पोत का फिर से ऑर्डर करने के बारे में सोच रहे हैं। कोचीन शिपयार्ड के पास अब विमान वाहक पोत बनाने में कुछ विशेषज्ञता है और हमें इसका लाभ उठाना होगा।'' उन्होंने कहा कि जब तक नया विमानवाहक पोत तैयार होगा, वर्तमान भारतीय विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य संन्यास लेने वाला होगा।

इससे पहले, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से बात करते हुए हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना अब उन सभी चीजों को हटाने की कोशिश कर रही है जो औपनिवेशिक युग के अवशेष हैं। उन्होंने कहा कि रैंकिंग सिस्टम और वर्दी पर इस्तेमाल होने वाले प्रतीक चिह्न में बदलाव किए जा रहे हैं। हरि कुमार ने कहा, ''अंग्रेजों ने इसे कुछ दशक पहले छोड़ दिया था, लेकिन हम इसका पूरी लगन से अनुसरण रहे हैं। हमारा विचार नौसेना को और अधिक

समकालीन बनाना है, एक ऐसी सेना जो बदलते समाज के अनुरूप हो।'' उन्होंने कहा कि अपनी रैंक में महिलाओं की भर्ती के द्वार खोलने के बाद नौसेना अब लिंग के आधार पर तटस्थ बन गई है। उन्होंने कहा, ''महिलाएं किसी भी रैंक में शामिल हो सकती हैं, पनडुब्बियों में जा सकती हैं या फिर समुद्री कमांडो बन सकती हैं।''

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Wednesday, 28 February 2024

गाजा में कब रुकेगी लड़ाई! बाइडन ने बता दी तारीख

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने उम्मीद जाहिर है कि गाजा में अगले सप्ताह की शुरुआत में संघर्ष विराम शुरू हो सकता है। मिस्र, कतर, अमेरिका, फ्रांस और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने फिलिस्तीन क्षेत्र में बिगड़ते मानवीय संकट के दौरान इजरायल और हमास के लिए मध्यस्थ के रूप में काम किया है, शत्रुता को समाप्त करने और हिरासत में लिए गए इजरायली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान जब राष्ट्रपति बाइडन से पूछा गया कि ऐसा समझौता कब शुरू हो सकता है, तब उन्होंने जवाब दिया कि मेरे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुझसे कहते हैं कि हम करीब हैं, हम करीब हैं, हम अभी तक पूरा नहीं हुए हैं। बाइडन ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अगले सोमवार तक हम युद्धविराम कर लेने वाले हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा जेक सुलिवन ने बताया कि सप्ताहांत में पेरिस में बैठक में कई दलों के प्रतिनिधियों ने गाजा में सत्तारूढ़ समूह हमास को छोड़कर इस बात पर सहमति बनी कि अस्थायी युद्धविराम के लिए बंधक समझौते की मूल रूपरेखा कैसी होगी।

नदी में बचाव अभियान पर निकले के दो पुलिस अधिकारियों की मौत

लीमा। पेरू के दक्षिणी अरेक्विपा क्षेत्र में माजेस नदी में बचाव अभियान पर निकले पेरू राष्ट्रीय पुलिस दल दो सदस्यों की नाव पलटने से मौत हो गई। देश के आंतरिक मंत्रालय ने बताया सात अधिकारी नाव पर सवार थे और उन तीन खनिकों में से एक की तलाश कर रहे थे जो कुछ दिन पहले नदी के किनारे गायब हो गए थे। अन्य पांचों को मामूली चोटों के कारण स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। नाव पलटने के कुछ घंटों बाद पर्सी कोरोनेल कोंडोरी और जॉर्ज मार्केज़ मार्टिनेज के शव पाए गए।

स्वीडन के नाटो में शामिल होने के प्रस्ताव मंजूर

बुडापेस्ट। हंगरी की संसद ने नाटो में शामिल होने के लिए स्वीडन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संसद के 199 सदस्यों में से 194 ने सोमवार को मतदान में भाग लिया। इनमें से 188 वोट पक्ष में और छह विपक्ष में पड़े। हंगरी की संसद ने सोमवार को वसंत सत्र के पहले दिन विधेयक पर मतदान किया। रिपोर्ट के अनुसार, हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने कहा, स्वीडिश-हंगेरियन सैन्य सहयोग और स्वीडन के नाटो में शामिल होने से हंगरी की सुरक्षा मजबूत होगी। विपक्षी पार्टी अवर होमलैंड के एलोड नोवाक उन छह सांसदों में से एक थे, जिन्होंने इसके खिलाफ मतदान किया। मतदान से पहले उन्होंने कहा, आइए स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर वीटो करें। सोमवार को अपने समर्थन के साथ, हंगरी उन 31 नाटो सदस्य देशों में से अंतिम देश बन गया, जिसने इस सैन्य गठबंधन में शामिल होने के लिए स्वीडन के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अब जुलाई में वाशिंगटन डीसी में होने वाले नाटो के अगले शिखर सम्मेलन में स्वीडन आधिकारिक तौर पर गठबंधन का 32वां सदस्य बन जाएगा। बिल को कानून बनने के लिए अभी भी हंगरी के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति तमस सुलियोक के हस्ताक्षर की आवश्यकता है। हंगेरियन संसद की मंजूरी का स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने स्वागत किया। इसे एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए क्रिस्टर्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि स्वीडन यूरो-अटलांटिक सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने को तैयार है। गौरतलब है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन संकट बढ़ने के बाद स्वीडन और फिनलैंड ने नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन किया। उनके शामिल होने के लिए नाटो के सभी सदस्यों की मंजूरी की आवश्यकता थी।

इंट्यूएटिव मशीन्स का नोवा-सी लैंडर है स्वस्थ

-कंपनी के मिशन नियंत्रण में वापस भेज रहा डाटा

वाशिंगटन। इंट्यूएटिव मशीन्स का नोवा-सी लैंडर, जिसे ओडीसियस कहा जाता है, स्वस्थ है, सौर ऊर्जा एकत्र कर रहा है और डेटा को अमेरिका के ह्यूस्टन में कंपनी के मिशन नियंत्रण में वापस भेज रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी नासा इस बात से उत्साहित है कि उसके विज्ञान उपकरण और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन चंद्रमा की सतह पर ठीक से काम कर रहे हैं। नासा विज्ञान अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को लेकर, ओडीसियस का सतही संचालन चल रहा है और 29 फरवरी तक चलने की उम्मीद है। अब जब वे चंद्र सतह पर हैं, तो नासा के उपकरण चंद्र सतह की बातचीत और रेडियो खगोल विज्ञान की जांच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। लूनर नोड 1 नेविगेशन डिमॉन्स्ट्रेटर एक छोटा, क्यूबसैट आकार का प्रयोग है जो नेविगेशन का प्रदर्शन करेगा, जिसका उपयोग भविष्य के लैंडर्स, सतह के बुनियादी ढांचे और अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा किया जा सकता है, जो अन्य अंतरिक्ष यान, ग्राउंड स्टेशनों के सापेक्ष चंद्रमा पर उनकी स्थिति की डिजिटल पुष्टि करता है। लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर ऐरे आठ रेट्रोरिफ्लेक्टरों का एक संग्रह है, जो सटीक लेजर रेंजिंग को सक्षम बनाता है, जो परिक्रमा करने वाले या उतरने वाले अंतरिक्ष यान से लैंडर पर रिफ्लेक्टर के बीच की दूरी का माप है। सरणी एक निष्क्रिय ऑप्टिकल उपकरण है और आने वाले दशकों तक चंद्रमा पर एक स्थायी स्थान मार्कर के रूप में कार्य करेगा। रेडियो फ़्रीक्वेंसी मास गेज एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है जो कम गुरुत्वाकर्षण वाले अंतरिक्ष वातावरण में अंतरिक्ष यान टैंकों में प्रणोदक की मात्रा को मापता है। नासा ने कहा कि सेंसर तकनीक का उपयोग करते हुए, गेज नोवा-सी के ईंधन और ऑक्सीडाइज़र टैंक में क्रायोजेनिक प्रणोदक की मात्रा को मापेगा, जो डेटा प्रदान करेगा, जो भविष्य के मिशनों पर ईंधन के उपयोग की भविष्यवाणी करने में मदद कर सकता है।

फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति ने शतयेह सरकार का इस्तीफा किया स्वीकार

रामल्ला। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने प्रधान मंत्री मोहम्मद शतयेह की सरकार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। फ़िलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफ़ा की रिपोर्ट के अनुसार, अब्बास ने सोमवार को शतयेह की सरकार को नई सरकार बनने तक अस्थायी रूप से अपने कर्तव्यों को जारी रखने को कहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिन में शतयेह ने अब्बास को अपनी सरकार का इस्तीफा सौंप दिया। रामल्लाह में आयोजित साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान शतयेह ने कहा, 'इस्तीफा देने का निर्णय गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और यरूशलेम में जारी गतिविधियों के आलोक में लिया गया है।' अप्रैल 2019 में गठित, शतयेह की सरकार को फिलिस्तीनी सुलह प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का काम सौंपा गया था।

दक्षिण कोरिया में डॉक्टरों क्यों कर रहे हड़ताल, क्या कर रही है सरकार, मरीजों का कैसे हो रहा इलाज

दक्षिण कोरिया में डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल पर जाने डॉक्टर्स सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें नए मेडिकल कॉलेजेस के जरिए डॉक्टर्स की भर्ती की जानी है। लगभग 8,940 मेडिकल प्रशिक्षुओं और निवासियों ने विरोध स्वरूप अपना कार्यस्थल छोड़ दिया है, जिससे दक्षिण कोरिया के प्रमुख अस्पतालों का संचालन बाधित हो गया है और देश की समग्र चिकित्सा सेवा पर बोझ पड़ने की धमकी दी गई है। अब, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उनके पास काम पर लौटने या लाइसेंस निलंबन और अभियोजन का सामना करने के लिए गुरुवार तक का समय है।

डॉक्टर हड़ताल क्यों कर रहे हैं?

सरकार की योजना दक्षिण कोरिया की वार्षिक मेडिकल स्कूल प्रवेश सीमा को मौजूदा 3,058 से बढ़ाकर 2,000 करने की है। नामांकन योजना का उद्देश्य देश की तेजी से बढ़ती उम्र से निपटने के लिए 2035 तक 10,000 डॉक्टरों को जोड़ना है। अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण कोरिया में प्रति 1,000 लोगों पर 2.1 चिकित्सक हैं - जो विकसित दुनिया के औसत 3.7 से काफी कम है। हड़ताली प्रशिक्षणरत डॉक्टरों का कहना है कि स्कूल मेडिकल छात्रों की अचानक बढ़ी संख्या को संभाल नहीं सकते हैं। उनका अनुमान है कि अधिक प्रतिस्पर्धा में डॉक्टर जरूरत से ज्यादा इलाज करेंगे - जिससे सार्वजनिक चिकित्सा खर्च बढ़ जाएगा - और, वर्तमान मेडिकल छात्रों की तरह, अतिरिक्त रूप से भर्ती किए गए अधिकांश मेडिकल छात्र भी प्लास्टिक सर्जरी और त्वचाविज्ञान जैसे उच्च-भुगतान वाले, लोकप्रिय व्यवसायों में काम करने की कोशिश करेंगे। इसका मतलब है कि देश में बाल रोग, प्रसूति विज्ञान और आपातकालीन विभाग जैसे आवश्यक लेकिन कम वेतन वाले क्षेत्रों में चिकित्सकों की लंबे समय से चली आ रही कमी अपरिवर्तित रहेगी।

मैड्रिड में बढ़ती कीमतों के साथ ही टेक्स बढ़ाये जाने से नाराज किसानों ने एक बड़ी रैली निकालकर विरोध जताया।

तमस सुलिओक बने हंगरी के नए राष्ट्रपति

बुडापेस्ट। हंगरी के सांसदों ने संवैधानिक न्यायालय के प्रमुख तमस सुलिओक को देश का नया राष्ट्रपति चुना है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 199 सांसदों में से 146 ने सोमवार को मतदान में भाग लिया। इनमें से 134 वोट पक्ष में और पांच वोट विपक्ष में पड़े। सात वोट अवैध था। विपक्ष के अधिकतर सांसदों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

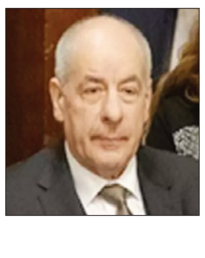

सुलिओक ने गुरुवार को अपने नामांकन के दौरान भाषण में कहा था, 'एक न्यायविद् के रूप में, और गणतंत्र के राष्ट्रपति के रूप में मेरी भूमिका में, मेरी सबसे महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता जनता की भलाई के लिए काम करना और कानून के बुनियादी मूल्यों को बनाए रखते हुए देश की एकता को मूर्त रूप देना है।'. सुलिओक की पूर्ववर्ती कैटालिन नोवाक ने बाल दुर्व्यवहार क्षमा घोटाले के बाद 10 फरवरी को पद छोड़ दिया। सुलिओक को पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना गया है। 24 मार्च, 1956 को दक्षिणी हंगरी के किस्कुनफ़ेलेगिहाज़ा में जन्मे, सुलिओक ने 1980 में सेज्ड में जोज़सेफ अत्तिला विश्वविद्यालय से स्नातक किया। 2004 में यूरोपीय कानून योग्यता और 2013 में पीएचडी भी की। सुलिओक ने न्यायिक क्लर्क, कानूनी सलाहकार, वकील के रूप में और सेज्ड में ऑस्ट्रिया के मानद वाणिज्य दूत व 2005 से सेज्ड विश्वविद्यालय में संवैधानिक कानून में अतिथि व्याख्याता के रूप में कार्य किया है। उन्होंने 2015 से संवैधानिक न्यायालय के उपाध्यक्ष की भूमिका निभाई, जबकि वे 2016 में संवैधानिक न्यायालय के अध्यक्ष चुने गए।

2.5 करोड़ देकर यूएई की जेल में बंद 900 भारतीयों को छुड़वाया, दुनिया में हो रही तारीफ, कौन हैं अरबपति फिरोज मर्चेंट?

(एजेंसी)। भारतीय व्यवसायी और परोपकारी व्यक्ति ने 2024 की शुरुआत से खाड़ी देश की जेलों से 900 कैदियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए 1 मिलियन दिरहम (लगभग 2.5 करोड़ रुपये) का दान दिया। उनका लक्ष्य इस वर्ष 3,000 कैदियों को रिहा कराना है। प्योर गोल्ड ज्वैलर्स के 66 वर्षीय मालिक फिरोज मर्चेंट ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों को 1 मिलियन दिरहम का दान दिया। वह दुबई में स्थित है। फिरोज मर्चेंट के कार्यालय ने कहा, यह रमज़ान से पहले विनम्रता, मानवता, क्षमा और दयालुता का संदेश है।

उनके कार्यालय के बयान में कहा गया है कि दुबई स्थित प्रमुख भारतीय व्यवसायी और प्योर गोल्ड के

परोपकारी फिरोज मर्चेंट ने अरब देश की जेलों से 900 कैदियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए करीब 2.25 करोड़ (एईडी 1 मिलियन) का दान दिया है। मर्चेंट अपनी 'द फॉरगॉटन सोसाइटी' पहल के लिए जाने जाते हैं, 2024 की शुरुआत से पहले ही 900 कैदियों की रिहाई की सुविधा प्रदान कर चुके हैं।

मागल्फ़ न्यूज़ पोर्टल के अनुसार, इसमें अजमान के 495 कैदी, फुजैरा के 170 कैदी, दुबई के 121 कैदी, उम्म अल क्वैन के 69 कैदी और रास अल खैमा के 28 कैदी शामिल हैं। खाड़ी में रहने वाले तेलुगु समुदाय के लिए एक ऑनलाइन समाचार पोर्टल, मैगल्फ के अनुसार, मर्चेंट ने उनके कर्ज का भुगतान भी किया और उन्हें घर लौटने के लिए हवाई किराया भी प्रदान किया, जिसका लक्ष्य परिवारों को फिर से एकजुट करना और जीवन में दूसरा मौका देना था। 2024 के लिए उनका लक्ष्य 3,000 से अधिक कैदियों को मुक्त कराने में मदद करना है।

मजबूत व सशक्त फ़िलिस्तीनी सरकार चाहता है संयुक्त राष्ट्र : प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एक मजबूत और सशक्त फिलिस्तीनी सरकार देखना चाहता है। यह बात विश्व निकाय के एक प्रवक्ता ने फिलिस्तीन के प्रधान मंत्री मोहम्मद शतायेह के नेतृत्व वाली सरकार के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया में कही।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शतायेह की सोमवार की इस घोषणा पर ध्यान दिया है कि उन्होंने अपनी सरकार का इस्तीफा फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास को सौंप दिया है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने प्रवक्ता के हवाले से कहा,एक मजबूत, सशक्त व संप्रभु फिलिस्तीनी सरकार ही इलाके में स्थायी शांति हासिल करने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने एक दैनिक प्रेस वार्ता में कहा कि संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीनी लोगों के सामने आने वाली मानवीय, राजनीतिक, वित्तीय और सुरक्षा की चुनौतियों पर काबू पाने के उद्देश्य से प्रयासों का समर्थन जारी रखेगा।

प्रवक्ता ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) द्वारा समर्थित फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के नासिर अस्पताल से 72 गंभीर रोगियों को निकालने का काम पूरा कर लिया है।

प्रवक्ता ने कहा, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट है कि गाजा में नवजात शिशु मर रहे हैं, क्योंकि उनकी माताएं प्रसवपूर्व या प्रसवोत्तर जांच में शामिल होने में असमर्थ हैं। लगातार बमबारी, सुरक्षा और पलायन के कारण समय से पहले बच्चों का जन्म हो रहा है।

गाजा की स्थिति पर अपने दैनिक अपडेट में, ओसीएचए ने कहा कि सोमवार को गाजा पट्टी के अधिकांश हिस्सों में हवा, जमीन और समुद्र से तीव्र इजरायली बमबारी की सूचना मिलती रही। इसके परिणामस्वरूप नागरिक हताहत हुए, विस्थापन हुआ और नागरिक बुनियादी ढांचे का विनाश हुआ।

इजरायली बलों और फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों के बीच भारी लड़ाई भी जारी रही। ओसीएचए ने कहा कि शुक्रवार और सोमवार के बीच, सशस्त्र फिलिस्तीनी समूहों द्वारा इज़रायल की ओर कथित तौर पर दसियों रॉकेट दागे गए।

ओसीएचए ने गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा कि 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा में कम से कम 29,782 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 70,043 घायल हुए हैं।

आमने-सामने होंगे ट्रंप और बाइडन, यूएस-मेक्सिको सीमा का दौरा करेंगे दोनों प्रतिद्वंद्वी नेता

एजेंसी। अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कौन होगा? पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडेन आप्रवासन मतदाताओं का दिल जीतने की होड़ में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प दोनों शेड्यूल के एक हाई-प्रोफाइल टकराव में यूएस-मेक्सिको सीमा का दौरा करेंगे। वे 2024 के चुनाव में सबसे गर्म मुद्दों में से एक आप्रवासन पर मतदाताओं का दिल जीतने की होड़ में हैं। बाइडेन ने कांग्रेस पर अपने सुधारों का समर्थन करने में विफल रहने का आरोप लगाकर अपने पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए एक बड़े खतरे को कम करने की कोशिश की है। ट्रम्प के लिए कठोर आप्रवासन विरोधी रुख वर्षों से उनकी राजनीतिक पहचान का केंद्र रहा है। उन्होंने व्हाइट हाउस में वापसी की मांग करते हुए बार-बार मेक्सिको से क्रॉसिंग पर रोक लगाने की कसम खाई है। प्रतिद्वंद्वी टेक्सास में सीमा के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के लिए तैयार हैं, जो अमेरिकियों के चुनाव में जाने से आठ महीने से भी कम समय पहले एक उल्लेखनीय स्प्लिट-स्क्रीन क्षण स्थापित करेगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने तब टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जब ट्रंप के अधिकारियों ने बिना किसी सबूत के दावा किया कि ट्रंप की यात्रा की घोषणा के बाद बाइडेन ने जल्दबाजी में अपनी यात्रा की योजना बनाई थी। प्रवासियों का मुद्दा 2024 के चुनाव में सबसे गर्म मुद्दों में से एक बना हुआ है। हर साल अमेरिका में रिकॉर्ड संख्या में प्रवासी अवैध रूप से प्रवेश करते हैं। इसको लेकर बाइडेन ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है। वहीं ट्रंप हमेशा से कठोर आप्रवासन विरोधी रुख अपनाए हैं।

नॉटिंघम हत्याकांड में मारे गए छात्रों के परिजनों ने कुप्रबंधन का लगाया आरोप

-यूके पुलिस ने हकीकत सामने लाने वाले मीडिया पर भी बनाया दबाव

लंदन (एजेंसी)। नॉटिंघम हत्याकांड के पीड़ितों के परिवारों ने कुप्रबंधन के आरोप लगाते हुए यूके पुलिस की कड़ी आलोचना की है। प?रिजनों ने कहा कि वे मामले में अपनी आवाज जरूर उठाएंगे। गौरतलब है कि 19 वर्षीय ब्रिटिश-भारतीय ग्रेस ओमैली-कुमार, साथी छात्र बार्नबी वेबर और 65 वर्षीय स्कूल केयरटेकर इयान कोट्स की 13 जून, 2023 को नॉटिंघम विश्वविद्यालय के पास वाल्डो कैलोकेन ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मी?डिया ?रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित परिवारों ने नॉटिंघमशायर पुलिस पर मामले में अपनी असफलता के विवरण को सार्वजनिक करने से रोकने के लिए मीडिया पर दबाव डालने का आरोप लगाया। 32 वर्षीय कैलोकेन को पिछले महीने अनिश्चितकालीन अस्पताल के आदेश की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने पुलिस व मनोचिकित्सकों की इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था कि वारदात के समय वह पैरानॉयड सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित था। पीड़ित परिवारो ने फैसले पर सदमे और गुस्से के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की।

इसमें कहा गया था कि कैलोकेन को मानसिक बीमारी के कारण हत्या के मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा, उन्होंने सुनवाई के दौरान यह सामने आने के बाद पुलिस की आलोचना की कि, उन्होंने एक व्हाट्सएप ग्रुप पर मृतकों के बारे में विवरण साझा किया था। पीड़ित परिवारों ने सोमवार को जारी बयान में कहा ?कि हम चुप नहीं रहेंगे। इस व्यवहार पर ध्यान दिया जाना चाहिए और तत्काल बदलाव किए जाने चाहिए, अन्य निर्दोष परिवारों के साथ ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पुलिस बल ने पिछले सप्ताह एक ऑफ-द-रिकॉर्ड प्रेस वार्ता की, जहां उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे चर्चा की गई जानकारी की रिपोर्ट नहीं कर सकते। फिलहाल, पीड़ित परिवार गृह सचिव की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं और उन्होंने विपक्षी नेता कीर स्टार्मर को भी पत्र लिखकर उनसे और उनके मंत्रियों के साथ बैठक कर जानकारी देने की मांग की है।

आरक्षित सीट को अधिसूचित किये बिना एसेम्बली का सत्र नहीं बुलाया जा सकताः इमरान खान की पार्टी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने मंगलवार को कहा कि आरक्षित सीट अधिसूचित किये बिना प्रांतीय एसेम्बली का सत्र नहीं बुलाया जा सकता। एक दिन पहले पंजाब और सिंध की एसेम्बली का सत्र बुलाया गया और मुख्यमंत्रियों को शपथ दिलायी गयी।

डॉन अखबार के अनुसार खान (71) की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता बैरिस्टर गौहर खान ने यहां मीडिया से कहा कि नयी प्रांतीय एसेम्बली का सत्र तभी बुलाया जाना चाहिए जब सदन के सभी सदस्यों को अधिसूचित किया जाए।

उन्होंने कहा, ''पंजाब (एसेम्बली का) सत्र गैर कानूनी तरीके से चलाया गया। सिंध एसेम्बली सत्र गैर कानूनी तरीके से चलाया गया। यदि नेशनल एसेम्बली सत्र बुलाया जाता है तो वह भी अवैध होगा क्योंकि एसेम्बली को सदन के सभी सदस्यों को अधिसूचित करने के बाद ही बुलाया जाना चाहिए।' उन्होंने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) से आरक्षित सीट सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के लिए अधिसूचित करने की अपील की जिस पर उनकी पार्टी ने औपचारिक रूप से करार किया है।

खान की पार्टी उसके ऐतिहासिक चुनाव निशान 'क्रिकेट बल्ला' का आवंटन नहीं किये जाने के बाद आठ फरवरी को आम चुनाव में प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा नहीं ले पायी। आरक्षित सीट में पार्टी का हिस्सा पाने के लिए पीटीआई के प्रत्याशी एसआईसी में औपचारिक रूप से शामिल हो गये। ये ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने निर्दलीय के रुप में लड़कर चुनाव जीता।

एसआईसी इस मुस्लिम बहुल देश में इस्लामिक राजनीतिक एवं धार्मिक दलों का गठबंधन है। ये दल सुन्नी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग पीटीआई समर्थित एसआईसी की अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई करेगा। इस अर्जी में एसआईसी ने नेशनल और प्रांतीय एसेम्बली में आरिक्षत सीट में अपने हिस्से का आवंटन करने की मांग की है।

सोमवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने नवगठित नेशनल एसेम्बली का पहला सत्र 29 फरवरी से बुलाने का संसदीय कार्य मंत्रालय का अनुरोध खारिज कर दिया था। अल्वी ने कहा था कि सत्र बुलाये जाने से पूर्व सभी आरक्षित सीट आवंटित कर दी जाएं। इस सत्र में नेशनल एसेम्बली के नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे। अल्वी के इनकार के बाद नेशनल एसेम्बली के निवर्तमान अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने संसद के निचले सदन का सत्र 29 फरवरी को को बुलाने का फैसला किया। अल्वी पीटीआई संस्थापक खान के करीबी रहे हैं।

अबू धाबी का BAPS मंदिर 1 मार्च से जनता के लिए खुलेगा, पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन

मध्य पूर्व में पहला भारतीय मंदिर-शैली वाला हिंदू मंदिर, संयुक्त अरब अमीरात में बीएपीएस हिंदू मंदिर, 1 मार्च को जनता के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी को अबू धाबी में BAPS हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया। मंदिर के एक प्रवक्ता के अनुसार मंदिर 1 मार्च से सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। मंदिर प्रत्येक सोमवार को आगंतुकों के लिए बंद रहेगा। पीएम मोदी ने अपनी यूएई यात्रा के दौरान मंदिर का भव्य उद्घाटन बसंत पंचमी के दिन किया था और इसमें 5,000 से अधिक आमंत्रित लोगों ने भाग लिया था। 15 से 29 फरवरी तक पहले से पंजीकरण कराने वाले विदेशी श्रद्धालुओं या वीआईपी मेहमानों को मंदिर में दर्शन की अनुमति दी गई थी। रेगिस्तान में बना यह मंदिर अनोखा है. लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बना यह मंदिर अल रहबा के पास अबू मुरीखा में 27 एकड़ के भूखंड में फैला हुआ है। राजस्थान से प्राप्त 1.8 मिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक बलुआ पत्थर का उपयोग करके निर्मित, यह मंदिर अयोध्या में हाल ही में उद्घाटन किए गए राम मंदिर के समान वास्तुकला की नागर शैली का दावा करता है। भारतीय मूल के एक निवेश बैंकर ने बीएपीएस अबू धाबी मंदिर में पूर्णकालिक स्वयंसेवक बनने के लिए दुबई छोड़ दिया। विशाल पटेल अब मंदिर के मुख्य संचार अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। बीएपीएस हिंदू मंदिर का निर्माण शिल्प और स्थापत्य शास्त्रों में वर्णित निर्माण और निर्माण की प्राचीन शैलियों के अनुसार किया गया है, जो मंदिर के डिजाइन और वास्तुकला पर हिंदू ग्रंथ हैं। मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर की पृष्ठभूमि पर संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कारीगरों द्वारा तैयार किया गया है। विशेष रूप से डिज़ाइन में सात शिखर शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करता है।

चीन का घातक प्लान... अमेरिकी युवाओं को चीन बुलाकर उनका ब्रेन वॉश कर रहा

-अमेरिकी विद्वानों ने सीसीपी योजना पर जाहिर की चिंता

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अमेरिका के खिलाफ नए प्लान का खुलासा हुआ है। जिनपिंग अमेरिकी युवाओं को सीसीपी के एजेंट बनाने की तैयारी के तहत उनका चीन बुला कर ब्रेन वॉश किया जा रहा है। इस गुप्त योजना के तहत करीब पांच अमेरिकी छात्र समूहों ने जनवरी में बीजिंग की यात्राएं पूरी कीं, जो अगले पांच वर्षों में विनिमय और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए 50,000 युवा अमेरिकियों को चीन में आमंत्रित करने की चीनी नेता जिनपिंग की योजना की शुरुआत का प्रतीक है। जिनपिंग ने पिछले साल सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान चीन-अमेरिका संबंधों को बढ़ाने के महत्व पर जोर देकर इस युवा मित्रता योजना की घोषणा की थी। अमेरिका में विद्वान चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि ये विनिमय कार्यक्रम एक अधिक भयावह उद्देश्य की पूर्ति कर रहे हैं, जो प्रभावी रूप से अमेरिकी युवाओं को सीसीपी के अनजाने एजेंटों में बदल रहे हैं। जैसा कि चीन के सिटीजन पावर इनिशिएटिव्स के रिसर्च फेलो जेनेट टोंग और राइट स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाने वाले अर्थशास्त्री इवान ओसबोर्न के एक टिप्पणी लेख में उल्लिखित है, इन यात्राओं के कार्यक्रम में प्राचीन चीनी संस्कृति और व्यंजनों का नियमित अनुभव, आधुनिक लोगों का दौरा शामिल है।

रिपोर्ट के अनुसार कथित तौर पर मेजबान चीनी छात्रों के साथ बातचीत के माध्यम से, अमेरिकी प्रतिभागी तेजी से जुड़े और उन्हें विवादास्पद चीनी सोशल मीडिया ऐप, वीचैट डाउनलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। अमेरिका के विद्वानों को डर है कि सीसीपी का अंतिम लक्ष्य समर्थकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो वैश्विक प्रभुत्व के लिए जिनपिंग के दृष्टिकोण के साथ वैचारिक रूप से जुड़े हों। उन्होंने चेतावनी दी है कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य निर्दोष अमेरिकी युवाओं में लाल जीन पैदा करना है, जिससे उन्हें सीसीपी के सत्तावादी मॉडल के लिए अनजाने उपकरण में बदल दिया जा सके।

रिपोर्ट में बताया गया कि यह रणनीति अफ्रीकी देशों के भीतर सीसीपी के लिए नए एजेंटों को तैयार करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और यौन प्रलोभन दोनों का इस्तेमाल करती है।वर्तमान में, पांच साल के भीतर 50,000 अमेरिकी युवाओं को चीन का अनुभव कराने की शी की योजना का उद्देश्य युवाओं से

शुरुआत करना है, जो अमेरिका में सीसीपी एजेंटों की पहचान करना और उन्हें विकसित करना है।

उन्होंने अमेरिकी जनता से आग्रह किया कि वे इस बारे में बेहद सतर्क रहें और सीसीपी के धोखे को अपने बच्चों की आंखों पर पट्टी न बांधने दें और उनके दिलों में जहर न भरने दें।उन्होंने कहा कि सीसीपी अफ्रीकी देशों से कई युवा छात्रों को चीन लाने में भारी निवेश कर रही है। इन व्यक्तियों को उदार जीवन-यापन भत्ते प्रदान किए जाते हैं।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Wednesday, 28 February 2024

अंतिम टेस्ट के लिए तरोताजा होने बेंगलुरू और चंडीगढ़ जाएंगे इंग्लैंड के खिलाड़ी

रांची । इंग्लैंड क्रिकेट टीम सात मार्च से धर्मशाला में होने वाले अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मिले ब्रेक के दौरान बेंगलूर और चंडीगढ़ में आराम करेगी। इंग्लैंड टीम का लक्ष्य अंतिम टेस्ट से पहले मिले एक सप्ताह के समय में तरोताजा होना है। इसी कारण टीम बेंगलुरू और चंडीगढ़ जा रही है। इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में पहले ही 1-3 से पीछे चल रही है। वहीं इससे पहले दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले समय में भी टीम आराम के लिए अबु धाबी चली गयी थी। इस सीरीज से पहले भी इंग्लैंड टीम ने अबु धाबी में ही अभ्यास किया था पर इस बार टीम ने खाली समय को चंडीगढ़ और बेंगलुरू को बिताने का फैसला किया है। । इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक अधिकारी ने कहा, 'पांचवें टेस्ट से पहले टीम चंडीगढ़ और बेंगलुरू में अपना खाली समय बिताएगी। ब्रेक के दौरान खिलाड़ी नेट अभ्यास नहीं करेंगे। टीम टेस्ट से लगभग तीन दिन पहले 4 मार्च को धर्मशाला पहुंचकर अभ्यास करेगी। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने इस सीरीज में आक्रामक रुख अपनाने की जो नीति बनायी थी वर अब तक असफल रही है जिससे भी टीम को नुकसान पहुंचा है।

वैगनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

वेलिंगटन ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज नील वैगनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। इसी के साथ ही 37 साल के वैगनर का एक दशक से लंबा करियर समाप्त हो गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने करियर का अंतिम टेस्ट खेला। खेल से संन्यास की घोषणा के समय वह भावुक हो गये। दक्षिण अफ्रीका में जन्में वैगनर ने न्यूजीलैंड की ओर से 64 टेस्ट मैचों में 260 विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम में जगह मिलने की संभावना नहीं थी और इसी को देखते हुए उन्होंने खेल को अलविदा कहने का फैसला किया।

वैगनर ने साल 2012 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। टीम की 2022 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत में उनकी अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने जो 64 टेस्ट मैच खेले उनमें से न्यूजीलैंड ने 34 में जीत हासिल की। वैगनर 2008 में दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड आ गए थे और उन्होंने ओटैगो प्रांत की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला था।

वैगनर का बेहतरीन प्रदर्शन पिछले साल बेसिन रिजर्व में रहा जब उन्होंने न्यूजीलैंड को इंग्लैंड पर एक रन से जीत दिलाई थी। वैगनर ने तब 62 रन देकर चार विकेट लिए थे जिनमें जेम्स एंडरसन का अंतिम विकेट भी शामिल है। वैगनर ने संन्यास पर कहा, ''यह सप्ताह भावनात्मक रहा क्योंकि हर उस चीज से दूर जाना आसान नहीं होता है जिसने

आपको इतना कुछ दिया हो पर अब आगे बढ़ने और दूसरों को अवसर देने का समय है। मैंने न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट के प्रत्येक पल का पूरा आनंद उठाया है जिसकी मुझे खुशी है।''

संक्षिप्त समाचार

रोनाल्डो विवादों में फंसे , लग सका है प्रतिबंध

रियाद । पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। रोनाल्डो पर सऊदी प्रो लीग में दर्शकों की ओर आपत्तिजनक इशारा करने के आरोप लगे हैं जिसकी जांच हो रही है। सोशल मीडिया पर आये एक वीडियो में रोनाल्डो के इस इशारे से दर्शक भड़क गये। ऐसा लगता है कि रोनाल्डो इस तरह का आपत्तिजनक इशारा करके अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम अल शबाब के समर्थकों को चिढ़ा रहे थे। यह घटना रविवार को खेले गए मैच के दौरान हुई जिसमें अल नासर ने अल शबाब को 3-2 से हराया। यह घटना हालांकि टीवी कैमरों में नजरी नहीं आयी पर इससे रोनाल्डो को कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ इस घटना की जांच कर रहा है। इस मामले में आरोपों को सही पाये जाने पर रोनाल्डो को निलंबित भी किया जा सकता है। अल नासर का अगला मैच गुरुवार को होगा और अब उसमें रोनाल्डो का खेलना तय नहीं है। रोनाल्डो साल 2022 में सऊदी अरब के अल नासर क्लब से जुड़े थे। उसके बाद से ही उन्होंने अब तक सबसे ज्यादा 22 गोल दागे हैं।

एलेना का हॉकी इंडिया के सीईओ पद से इस्तीफा

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया की मुख्यकार्यकारी (सीईओ) रही एलेना नॉर्मन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले 13 साल से सीईओ के पद पर थीं। एलेना के सीइके रहते हुए भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों बेहतर हुई हैं। भारतीय महिलार टीम ने सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हासिल की और साथ ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में वह चौथे स्थान पर रही। वहीं पुरुष वर्ग में भारतीय टीम ने 41 साल के बाद कांस्य पदक हासिल किया। उनके रहते ही हॉकी इंडिया ने साल 2018 और साल 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप के लगातार दो संस्करणों की मेजबानी भी की है। इसके अलावा 2016 और 2021 में दो जूनियर पुरुष विश्व कप का सफल आयोजन करने के साथ ही हॉकी इंडिया लीग के पांच संस्करणों की भी सफलतापूर्वक मेजबानी की। इससे भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को कुछ सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक हॉकी सितारों के साथ खेलने का अवसर मिला जिससे उनका प्रदर्शन बेहतर हुआ। हॉकी इंडिया ने एलेना के कार्यकाल में ही एफआईएच चैंपियंस ट्रॉफी, 2015 और 2017 में एफआईएच विश्व लीग फाइनल, 2019 और 2024 में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के साथ-साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग घरेलू खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंटों की भी मेजबानी की। एलेना का महिला हॉकी को आगे लाने में भी सबसे अधिक योगदान रहा। उनके कार्यकाल में ही टीम को पुरुष खिलाड़ियों के समान सुविधाएं प्रदान की गईं, जिसमें हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कारों के जरिये अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में असाधारण प्रदर्शन पर नकद पुरस्कार भी शामिल रहे थे। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली महिला टीम की सफलता में विशेष रूप से अहम भूमिका भी निभाई थी। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी क्योंकि टीम ने पहली बार क्वालीफाई किया और 36 साल के बाद ओलंपिक में भाग लिया।

अभिनव बिंद्रा, नीरज चोपड़ा, अंजू बॉबी जॉर्ज भारत खेल विज्ञान सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे

नई दिल्ली.

टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, विश्व चैंपियनशिप 2003 की कांस्य विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज सहित कई वर्तमान और पूर्व एथलीट सूची में शीर्ष नामों में शामिल हैं जो बुधवार को यहां होने वाले पहले भारत खेल विज्ञान सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे। भारत खेल विज्ञान सम्मेलन में प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए खेल विज्ञान को कैसे जोड़ा जाए, इस पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त और भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और दक्षिण अफ्रीकी एथलीट प्रदर्शन विशेषज्ञ वेन लोम्बार्ड और भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस जैसे शीर्ष खेल विज्ञान विशेषज्ञ सूची में कुछ अन्य नाम हैं। एक दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी, ट्रांसस्टेडिया एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन की शिक्षा शाखा, नेशनल सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर), भारतीय खेल प्राधिकरण और युवा मामले और खेल मंत्रालय की इकाई के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय खेलों और एथलीटों के लिए उच्च प्रदर्शन और खेल प्रशिक्षण में उच्च स्तरीय अनुसंधान का समर्थन करना है। विजन ओलंपिक 2036 के उद्देश्यों और लक्ष्य सेटिंग्स के आधार पर भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सम्मेलन में इन विशिष्ट खेल प्रतिभाओं के साथ विषयों पर गहराई से चर्चा की जाएगी, जिसमें चोपड़ा और चाहर जैसे लोग शामिल होंगे, जो एथलीटों को उच्च प्रदर्शन पर परिप्रेक्ष्य प्रदान करेंगे। बिंद्रा, जो उच्च प्रदर्शन और खेल विज्ञान को मुख्यधारा का विषय बनाने के लिए देश में कई हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा, जैसा कि हम भारतीय खेलों में एक नए युग के कगार पर खड़े हैं, दिल्ली में भारत खेल विज्ञान सम्मेलन एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। सम्मेलन में उन लोगों का भी प्रतिनिधित्व होगा जो ज्यादातर भविष्य के खेल सितारों के सलाहकार के रूप में पर्दे के पीछे काम करते हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रमुख पोषण विशेषज्ञ जी वाणी भूषणम; डॉ. प्रलय मजूमदार, वरिष्ठ सलाहकार, खेल विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान (खेल विज्ञान और विश्लेषिकी उत्कृष्टता केंद्र) आईआईटी, मद्रास; डॉ. नानकी जे चड्ढा, खेल एवं प्रदर्शन मनोवैज्ञानिक और पूर्व भारतीय गोल्फर; डॉ. पियरे ब्यूचैम्प, हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया; अमेय कोलेकर, खेल विज्ञान के प्रमुख, पादुकोण द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस कुछ ऐसे नाम हैं जो सम्मेलन का हिस्सा होंगे। सम्मेलन में टॉप्स के सीईओ, कमांडर पीके गर्ग द्वारा एक विशेष सत्र और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के वरिष्ठ परियोजना सहयोगी, वीरेंद्र राजपूत द्वारा ईमानदारी और निष्पक्ष खेल पर एक प्रस्तुति भी होगी।

सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप : भारतीय टीम का पहला मुकाबला भूटान से

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम अगले माह एक से 10 मार्च तक नेपाल में होने वाली सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप में अपना पहला मुकाबला एक मार्च को भूटान से खेलेगी। मुख्य कोच बिबी थॉमस मुत्ताह ने कहा है कि 23 सदस्यीय भारतीय टीम का लक्ष्य यहां तीसरी बार जीत दर्ज करना रहेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले 2018 और 2019 में अंडर 15 प्रारूप में जीत हासिल की थी। इन दोनो ही बार में भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया था। ये पहली बार है जब ये टूर्नामेंट अंडर 16 प्रारूप में खेला जाएगा। अंतिम टीम का चयन गोवा में अभ्यास कर रहे संभावितों में से किया गया। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला एक मार्च को भूटान से खेलना है। उसके बाद भारतीय टीम पांच मार्च को बांग्लादेश और सात मार्च को नेपाल से खेलेगी। इस टूर्नामेंट में राउंड राबिन चरण की शीर्ष दो टीमें खिताबी मुकाबले में उतरेंगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

डिफेंडर : अमृता घोष, बोनिफिला शुलाइ, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लाकड़ा, गौरी, रिआना लिज जैकब, रूपश्री मुंडा, एस अलेना देवी

मिडफील्डर : अनिता डुंगडुंग, अनुष्का कुमारी, अन्विता रघुरामन, एच यशिका, एल नीरा चानू, रितु बडाइक, श्वेता रानी, टी मोनी बास्के

फॉरवर्ड : गुरलीन कौर, गुरनाज कौर, नेहा साजी, पर्ल फर्नांडिस

गोलकीपर : के टी देवी, मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी

टेस्ट क्रिकेट की मैच फीस बढ़ा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अब मैच फीस बढ़ाने पर विचार कर रहा है। जिससे कि युवा खिलाड़ियों को इसकी ओर आकर्षित किया जा सके। आईपीएल के शुरु होने के बाद से ही युवा खिलाड़ियों का रुझान लीग क्रिकेट की तरफ बढ़ा है क्योंकि उसमें उन्हें अच्छी कमाई होती है। बीसीसीआई ने हाल ही मैं एक बयान जारी कर कहा था कि घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित करने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय टीम में जगह मिलेगी। साथ ही कहा था कि आईपीएल अच्छा है पर घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा कसती। हाल की में जिस प्रकार से युवा खिलाड़ियों इशान किशन और श्रेयस अय्यर ने फिटनेस के नाम पर घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। माना जा रहा है कि उसको देखते हुए ही बोर्ड ने घरेलू क्रिकेट में वेतन बढ़ाना तय किया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अतिरिक्त बोनस निर्धारित कर सकता है ये एक खिलाड़ी को पूरे सत्र में प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने पर दिया जाएगा। इसके तहत अगर कोई खिलाड़ी एक कैलेंडर वर्ष में सभी टेस्ट सीरीज खेलता है, तो उसे वार्षिक रिटेनर अनुबंध के अलावा अतिरिक्त पुरस्कार भी मिलेगा। बोर्ड को उम्मीद है कि इससे अधिक से अधिक खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर टेस्ट क्रिकेट में वेतन को लेकर नए मॉडल को मंजूरी मिल जाती है, तो इसे इस आईपीएल सत्र के समापन के बाद लागू किया जाएगा।

डब्ल्यूएफआई ने बजरंग, विनेश को भी ट्रॉयल के लिए बुलाया

साक्षी ने सोशल मीडिया के जरिये फेडरेशन पर कसा तंज

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट ओर साक्षी मलिक को सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर कुश्ती मुकाबले के ट्रायल के लिए बुलाया है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने लिखा, मैं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की सभी मान्यता प्राप्त इकाइयों को जानकारी दे रहा हूं कि एशियाई ओर ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिताओं के लिए टीम का चयन करने के लिए 10 और 11 मार्च को आईजी खेल परिसर के केडी जाधव कुश्ती इंडोर स्टेडियम में ट्रायल्स आयोजित किये जाएंगे। ऐसे मे सभी राज्य इकाइयों से अनुरोध है कि वे अपने खिलाड़ियों को ये जानकारी दें। वहीं साक्षी ने फेडरेशन की खिंचाई करने के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें साक्षी मलिक ने कहा, टूटे हुए दिल और बहुत दुखी मन से संजय सिंह का भारतीय कुश्ती महासंघ में स्वागत है। अब लखनऊ में फिर से शिविर आयोजित होगा जबकि नेशनल नंदिनी नगर में आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान के बार फिर से शोषण की सभी हदें पार कर दी जाएंगी क्योंकि उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इसदौरान संघर्ष में साथ देने वालों का मैं आभार व्यक्त करती हूं।

कड़ी मेहनत कर अपने को साबित करने वालों को ही टीम में जगह मिलेगी : रोहित

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि जो भी खिलाड़ी टीम में जगह बनाना चाहते हैं उन्हें घरेलू क्रिकेट के साथ ही टेस्ट प्रारुप में कड़ी मेहनत कर अपने को साबित करना होगा। इससे साथ ही उनके अंदर इस प्रारुप को खेलने की भूख होनी चाहिये। रोहित का ये बयान उन खिलाड़ियों को एक सख्त संदेह माना जा रहा है जो बिना मेहनत किये ही टीम में जगह बनाने का सपना देखते हैं। रोहित ने कहा कि केवल उन्हीं लोगों का टीम में जगह मिलेगी जो बेहतर प्रदर्शन और सफलता के भूखे हैं। उन्होंने टीम में पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और आकाश दीप की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने कहा, 'जिन लोगों को भूख है हम उन्हीं लोगों को मौका देंगे। अगर किसी में सफलता की भूख नहीं है तो उनको खिलाने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। उन्होंने कहा, 'मैंने यहां टीम में कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा जो भूखा नहीं हो। सभी लड़के जो यहां हैं और जो नहीं हैं, वे सभी खेलना चाहते हैं उनमें सफलता की भूख होनी चाहिये। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में आपको बहुत कम अवसर मौके मिलते हैं पर अगर आप उनका लाभ नहीं उठाते तो वे निकल जाते हैं। हाल में इशान और श्रेयय अय्यर जैसे खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। उसके बाद भारतीय बोर्ड ने कहा था कि सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह बनाने घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उसके बाद रोहित के बयान से साफ है कि घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा सकती। यह पूछने पर कि क्या आईपीएल लीग का आकर्षण युवा खिलाड़ियों के बीच टेस्ट क्रिकेट खेलने की चाहत को प्रभावित कर रही है तब रोहित ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है। यदि आप इस प्रारूप में

उत्कृष्टता और सफलता हासिल करना चाहते हैं तो आपको भूख दिखानी होगी। उन्होंने कहा, 'आईपीएल हमारे लिए बहुत अच्छा प्रारूप है लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है और इसमें उत्कृष्टता हासिल करना कठिन है।

संतोष ट्रॉफी फुटबॉल चैंपियनशिप - कर्नाटक को हराकर की टीम मणिपुर शीर्ष पर पहुंची

मिजोरम और रेलवे भी जीती

इटानगर । मणिपुर की टीम ने संतोष ट्रॉफी 2024 राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंच गयी है। मणिपुर ने फाइनल राउंड में गत चैंपियन कर्नाटक को 1-0 से हराकर ग्रुप बी में नंबर एक पर जगह बनायी। मणिपुर को अब तक के अपने तीन मैचों में सात अंक मिले हैं। इससे उसे ग्रुप बी में तीन अंकों की बढ़त मिली। इस मैच का एकमात्र गोल नगांगबाम पाचा सिंह ने 50वें मिनट में पेनल्टी के जरिये किया। मणिपुर की टीम इस मैच में हावी रही। वहीं मिजोरम ने अपने तीसरे संतोष ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज की। एम.सी माल्सावमज़ुआला और माल्सावमज़ुआला त्लांगटे ने पहले हाफ में दो-दो गोल किए, इससे पहले एमएस डावंगलियाना ने दूसरे हाफ में एक गोल किया, जिससे उनके लिए स्कोर पांच हो गया। दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में मोहित मित्तल ने दिल्ली के लिए एक गोल किया। इस तरह मिजोरम ने दिल्ली के साथ बराबरी कर ली है, दोनों के तीन मैचों में चार-चार अंक हैं। वहीं ग्रुप बी में सबसे नीचे रहने वाली रेलवे ने महाराष्ट्र के खिलाफ 2-1 की जीत के साथ ही अपनी नॉकआउट क्वालीफिकेशन की दौड़ में वापसी की संभावनाएं बनायी हैं। सुब्रत मुर्मू ने 11वें मिनट में रेलवे को बढ़त दिलाई, जिसके बाद महाराष्ट्र के कप्तान निखिल कदन ने गोल दागकर बराबरी कर ली। हालांकि। रेलकी कि ओर से राजेश ने 73वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत के बाद रेलवे के भी तीन मैचों में चार अंक हो गए हैं।

अब कभी भी आंध्र के लिए नहीं खेलूंगा : हनुमा

मुम्बई । बल्लेबाज हनुमा विहारी ने आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन पर खराब व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वह कभी भी आंध्र प्रदेश की ओर से नहीं खेलेंगे। हनुमा का ये बयान रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में आंध्र के बाहर होने के बाद आया है। टीम को क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के हाथों चार रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आंध्र एसोसिएशन ने अपने पर लगे आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि खिलाड़ियों को जो बातें कही जाती हैं उन्हें मानना होता है क्योंकि उनके कारण ही खिलाड़ी वहां हैं। हनुमा ने कहा वह अब कभी भी आंध्र के लिए नहीं खेलेंगे। इसका कारण है कि यहां उनका आत्मसम्मान खो गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर लिखा, मैं टीम से प्यार करता हूं। जिस तरह से हम हर सत्र में आगे बढ़ रहे हैं, वह मुझे पसंद है पर एसोसिएशन नहीं चाहता कि हम आगे बढ़ें। उन्होंने सीजन की शुरुआत आंध्र के कप्तान के रूप में की थी पर पिछले साल के उपविजेता बंगाल के खिलाफ पहले मैच के बाद उनको पद छोड़ने के लिए कहा गया। उसके बाद बचे हुए सत्र में रिक्की भुई ने टीम की कप्तानी की। उन्होंने कहा, बंगाल के खिलाफ पहले मैच में मैं कप्तान था, उस मैच के दौरान मैं एक खिलाड़ी पर नाराज हुआ जिसके बाद भी मेरे खिलाफ कार्रवाई हुई। साथ ही कहा, हालांकि हमने पिछले साल फाइनलिस्ट बंगाल के खिलाफ 410 रन का पीछा किया था पर इसके बाद भी मुझसे बिना किसी गलती के कप्तानी से इस्तीफा देने के लिए कहा गया। मध्य प्रदेश के खिलाफ पिछले साल के रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच में वह चोटिल होने के बाद भी मैदान में उतरे थे।

भूमि पेडनेकर ने जताई हॉलीवुड में काम करने की इच्छा

हाल ही में एक बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षाओं के बारे में बात कीं। उन्होंने कहा, मेरी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षा है। मुझे लगता है कि कलाकारों के लिए महत्वाकांक्षी होने का यह सबसे अच्छा समय है। भूमि पेडनेकर की बीते दिनों रिलीज हुई फिल्म भक्षक काफी पसंद की गई है। इसमें वे एक पत्रकार की भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म में भूमि एक बालिका गृह में बच्चियों के साथ होने वाले शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। फिल्म में अपने किरदार के लिए अभिनेत्री की खूब तारीफ हुई है। इस बीच भूमि के हॉलीवुड में काम करे की चर्चा चल पड़ी है। हाल ही में खुद भूमि ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

हॉलीवुड डेब्यू पर कही ये बात

हाल ही में एक बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षाओं के बारे में बात कीं। उन्होंने कहा, मेरी हॉलीवुड में काम करने की आकांक्षा है। मुझे लगता है कि कलाकारों के लिए महत्वाकांक्षी होने का यह सबसे अच्छा समय है, क्योंकि दुनिया अब संस्कृतियों, विविधता और प्रामाणिकता का मिश्रण है। भूमि ने आगे कहा कि जिस तरह की सीरीज अब बन रही हैं और कलाकारों के लिए जिस किस्म की भूमिकाएं लिखी जा रही हैं, उससे देखते हुए अब वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी अच्छा करियर बना सकते हैं।

भूमि ने दिया अंबिका का उदाहरण

भूमि ने आगे कहा, ब्राउन लड़कियां अब कई फिल्मों और सीरीज में काम कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम मचा रही हैं। अंबिका मॉड इसका उदाहरण हैं, जिन्होंने नेटफ्लिक्स की वन डे में काम कर दुनियाभर में तारीफ बटोरी हैं। एक भारतीय मूल की लड़की को इतनी सफल सीरीज में मुख्य रोल निभाते देखना शानदार है। उन्हें वैश्विक स्तर पर दर्शकों का प्यार मिला है।

इस फिल्म में आएंगी नजर

भूमि ने कहा कि मेकर्स अब भारत और उपमहाद्वीप से सितारों का चयन कर रहे हैं, अगर किरदार उस क्षेत्र के हैं तो मेकर्स ऐसा ही कर रहे हैं। वे किरदारों को अधिक प्रामाणिक बनाने के लिए ये फैसला ले रहे हैं। भूमि ने कहा कि वे कोई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट तभी चुनेंगी जब वह उन्हें खुशी और संतुष्टि देगा। बात करें भूमि की फिल्म भक्षक की तो ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अभिनेत्री के वर्क फंट की बात करें तो मेरी पत्नी का रीमेक उनकी अगली फिल्म है, जिसमें वह अर्जुन कपूर के साथ दिखेंगी।

स्टेट वर्सेस आहूजा सीरीज का हिस्सा बनने पर मुझे संदेह था, लेकिन...

अभिनेत्री अनुरेखा भगत, को खुदा हाफ़िज़- चैप्टर 2- अग्नि परीक्षा, उपन्यास और शाहिद कपूर अभिनीत फर्जी में अपनी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। उन्होंने हाल ही में वॉचो एक्सक्लूसिव सीरीज़ स्टेट वर्सेस आहूजा में अपनी पहली मुख्य भूमिका निभाई। सीरीज में, अभिनेत्री अनुरेखा ने दीपा सावंत नामक एक नौकरानी का किरदार निभाया है, जो बॉलीवुड अभिनेता अंश आहूजा पर बलात्कार का आरोप लगाती है। अभिनेत्री अनुरेखा ने कहा, शुरुआत में, जब मुझे सीरीज की पेशकश की गई थी, तो इसके कॉन्सेप्ट को देखते हुए, यह सीरीज मुझे करना चाहिए या नहीं, इस बारे में मैंने कई बार सोचा। हालाँकि, दीपा का किरदार इतना दमदार था कि मैं हाँ कहने से खुद को रोक नहीं पाई। यह एक ऐसा किरदार है, जिसकी वजह से एक कलाकार के रूप में मैंने कई चुनौतियों का सामना किया। यह किरदार कोई भी अच्छी या बुरी श्रेणियों में पूरी तरह से फिट नहीं बैठता, इसके बजाए वह अपने लिए अलग-अलग परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है। दीपा का किरदार निभाते समय वह विभिन्न परिस्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया करती है, एक कलाकार के रूप मेरे लिए यह एक सीखने का मूल्यवान अनुभव था। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, इस वॉचो एक्सक्लूसिव सीरीज का हिस्सा बनने के बाद मेरे दृढ़ विश्वास को मजबूत करने वाली बात यह थी कि दीपा के किरदार ने मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकाल कर मुझे मेरे तैराकी यानी स्विमिंग के डर से बाहर निकाल ने का अवसर दिया। शो की टीम एक ऐसे कलाकार की तलाश कर रही थी, जो तैरना जानता हो, मुझमें वह कौशल नहीं था, जो मेरे लिए सबसे पहली चुनौती थी। मुझे यह भूमिका खोने का डर था, इसलिए मैंने चुनौती का डटकर सामना किया और एक नजदीकी स्विमिंग कक्षा में दाखिला लिया। इस निर्णय से मुझे न सिर्फ यह भूमिका मिली, बल्कि इसे करने पर खुशी और गर्व भी महसूस हुआ। स्टेट वर्सेस आहूजा सीरीज ने न सिर्फ मुझे अपने डर पर विजय पाने में मदद की, बल्कि एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में मेरे विकास में भी मदद की। स्टेट वर्सेस आहूजा बॉलीवुड के सुपरस्टार अंश आहूजा (अश्मित पटेल) की कहानी है, जिस पर उसकी नौकरानी ने बलात्कार का आरोप लगाया है, जिससे वह विवादों के भंवर में फंस गया है। सीरीज़ मनोरंजक रहस्य, जांच और कोर्ट रूम ड्रामा है, जिसमें ऐसे अप्रत्याशित मोड़ सामने आते हैं, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेंगे। सभी के मन में यह दिलचस्प सवाल उठता है कि क्या अंश ने वास्तव में अपराध किया है या इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है? क्रेसेंडो फिल्म्स और एमिकेबल क्रू के तहत सुरेश थॉमस द्वारा निर्मित इस शो में जसविंदर गार्डनर, सारिका सिंह, स्वप्निल रालकर, अपेक्षा वर्मा, दृष्टि पाटिल, मनीष जेटली, अर्जुन कृष्णा, विक्की बैद्यनाथ और हर्ष गौतम जैसे कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज वॉचो एक्सक्लूसिव पर उपलब्ध है।

सलमान खान चाहेंगे तो जरूर बनेगी इंशा अल्लाह

सलमान खान और संजय लीला भंसाली ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। 'खामोशी', 'हम दिल दे चुके सनम', 'सांवरिया' जैसी फिल्मों को देख सभी दर्शक इस डायरेक्टर-एक्टर की जोड़ी को साथ देखना चाहते हैं। कुछ साल पहले 'इंशा अल्लाह' में साथ काम करने की बात उठी थी, अब इस मूवी को लेकर संजय लीला भंसाली ने बहुत बड़ा हिंट दे दिया है। दरअसल, संजय लीला भंसाली तो 'पद्मावत' के बाद ही सलमान खान के साथ काम करना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से बात नहीं बनी। संजय ने ये बात एक इंटरव्यू में कही है। ये इंटरव्यू अब सोशल मीडीया पर खूब शेयर किया जा रहा है। इस वीडियो में संजय लीला भंसाली कहते दिख रहे हैं कि सलमान खान और वो बहुत अच्छे दोस्त हैं। वो 'पद्मावत' के बाद उनके साथ काम करने वाले थे, उन्होंने आगे हाथ भी बढ़ाया मगर बात नहीं बनी। अभी भी जब बात करेंगे तो दोस्तों की तरह ही बात करेंगे। वो आगे कहते हैं- ऐसा नहीं है कि हम एक दूसरे को पसंद नहीं करते, हम अजनबी हैं, हम बात नहीं करते। आज मैं जो भी हूं उसमें उनका बहुत बड़ा हाथ है, मैं इसके लिए उनका हमेशा आदर करूंगा। मगर अब बॉल उनके कोर्ट में है और वो चाहें तो हम साथ काम कर सकते हैं। अगर भगवान चाहेंगे तो इंशा अल्लाह होना होगा तो होगा।

ऑस्कर नामांकित टू किल ए टाइगर की टीम में शामिल हुईं प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा कार्यकारी निर्माता के रूप में ऑस्कर-नामांकित डॉक्यूमेंट्री टू किल ए टाइगर की टीम में शामिल हो गई हैं। निशा पाहुजा की फिल्म एक पिता की न्याय के लिए लड़ाई की कहानी है, जब उसकी 13 वर्षीय बेटी का उसके तीन रिश्तेदारों द्वारा यौन उत्पीड़न किया जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। देव पटेल, मिंडी कलिंग भी कार्यकारी निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं। इसे सोशल मीडिया पर प्रियंका ने एक पोस्ट साझा किया और लिखा कि जब उन्होंने 2022 में टोरंटो में पहली बार इस फिल्म को देखा तो वह इससे प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा, अकादमी पुरस्कार-नामांकित डॉक्यूमेंट्री टू किल ए टाइगर की अविश्वसनीय टीम में शामिल होने पर मुझे बहुत गर्व है और यह घोषणा करने के लिए कि नेटफ्लिक्स ने निशा पाहुजा द्वारा निर्देशित इस फीचर के वैश्विक वितरण अधिकार हासिल कर लिए हैं। जब मैंने पहली बार 2022 में यह फिल्म देखी थी तो मैं तुरंत इसकी मार्मिक कहानी से मंत्रमुग्ध हो गई थी, जिसमें अपनी बेटी के लिए न्याय पाने के लिए न्यायिक प्रणाली के भीतर एक पिता के बहादुरी पूर्ण संघर्ष को दर्शाया गया था। प्रियंका ने कहा कि यह परियोजना एक पिता के अपनी प्यारी बेटी के प्रति असीम प्रेम और दृढ़ संकल्प की कहानी दिखाई है। उन्होंने आगे लिखा, कला का यह कठोर नमूना कई स्तरों पर घर को प्रभावित करता है। मेरा जन्म झारखंड राज्य में हुआ था, जहां पीड़िता और उसके पिता हैं और एक ऐसे पिता की बेटी के रूप में, जो हमेशा के लिए मेरे चैंपियन थे। यह कहानी देख मैं भावुक हो गई। मैं दुनियाभर के प्रशंसकों को इस फिल्म की कहानी दिखाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। टू किल ए टाइगर को अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फीचर श्रेणी में नामांकन मिला है। दुनिया भर के विभिन्न फिल्म समारोहों में फिल्म को 24 पुरस्कार मिले हैं। 2023 में निशा पाहुजा को डायरेक्टर्स गिल्ड ऑफ कनाडा के एक्सीलेंस इन डॉक्यूमेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। डॉक्यूमेंट्री ने ऑस्कर शॉर्टलिस्ट में जगह बनाई और संयुक्त राज्य अमेरिका में बिना किसी वितरण के नामांकन भी प्राप्त किया।

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमोशी ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमोशी भी अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब वे फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। इसकी जानकारी शनिवार को नमोशी ने सोशल मीडिया पर साझा की। इसके बाद तमाम लोग नई शुरुआत के लिए उन्हें बधाई दे रहे हैं। इनमें अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल है। बिग बी ने होम प्रोडक्शन की शुरुआत होने पर पोस्ट साझा कर मिथुन चक्रवर्ती को बधाई दी है। नमोशी ने एमवाईआरएनडी मूवीज नाम से अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने अपने प्रोडक्शन के लोगो की झलक दिखाई। साथ ही कैप्शन लिखा, हम सभी के लिए कहानियों में यकीन रखते हैं। पेश है एमवाईआरएनडी मूवीज हमारा होम प्रोडक्शन। हमारी तरह सपने देखने वालों के लिए एक जगह! चलिए स्टोरीटेलिंग के जादू की शुरुआत करें।

जवान डायरेक्टर एटली को नहीं पसंद पैन इंडिया शब्द

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के नामी डायरेक्टर एटली ने साल 2023 शाहरुख खान के साथ जवान लाकर तहलका मचा दिया था। वह अभी भी इस मूवी की सफलता का लुफ्त उठा रहे हैं। इसमें नयनतारा समेत सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर, प्रियामणि जैसे पॉप्युलर एक्टर्स नजर आए थे। इस मूवी को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिला था। डायरेक्टर ने हालांकि एक और गुडन्यूज दे दी थी। बताया था कि वह किंग खान के साथ एक और फिल्म लेकर आएंगे। साथ ही पैन इंडिया के कॉन्सेप्ट पर भी उन्होंने रिएक्शन दिया है। एटली ने एबीपी के कॉन्कलेव में कहा कि वह शाहरुख खान के साथ एक बार फिर से वारसी करेंगे। उनके पास जवान से भी कुछ बड़ा है। एटली से जब इस दौरान पूछा गया कि साउथ में दर्शक हिंदी फिल्मों को स्वीकार क्यों नहीं कर रहे हैं? इसके बारे में धारणा कब बदलेगी? तो इस पर एटली ने मुस्कुराते हुए कहा, सच कहूं तो शोले पूरे देश में बहुत पसंद की जाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि लोगों की धारणाओं को अलग तरह से बर्ताव किया जाता है। डायरेक्टर ने बताया, ऐसा नहीं कि साउथ के लोग हिंदी फिल्में नहीं देख रहे हैं। हमने शाहरुख सर की सभी फिल्में देखी हैं। सलमान सर की सभी फिल्में देखी हैं। ऋतिक सर की फिल्में देखी हैं। 3 इडियट्स साउथ में सबसे बड़ी हिट है। इसलिए, मुझे लगता है कि जो भी अच्छा कंटेंट आता है, हर कोई उसे देखता है और फिल्म बिरादरी से एक प्रोफेशनल व्यक्ति के नाते मुझे पैन इंडिया शब्द पसंद नहीं है। एटली ने आगे कहा, भारत एकता और विविधता की भूमि है और भाषाओं केवल कम्यूनिकेशन का जरिया हैं, ज्ञान का नहीं। इसलिए भारतीय सिनेमा से जो भी अच्छा कंटेंट सामने आ रहा है, उसे हर कोई देख रहा है। उदाहरण के लिए, केजीएफ पूरे देश में सबसे बड़ी हिट थी, लेकिन हिंदी दर्शकों को यह नहीं पता था कि यश कौन है और केजीएफ देखने के बाद यश भारतीय सुपरस्टार बन गए।

दृष्टि धामी ने पोस्ट किया ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो

एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने अपना एक शानदार ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो जारी किया है, जिसमें वह सिंपल कैजुअल से लेकर बेहद ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। प्रशंसक उनकी सुंदरता की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री ने, जो गीत-हुई सबसे पराई और दिल मिल गए जैसे शो में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, रविवार को इंस्टाग्राम पर अपने 31 लाख फॉलोअर्स के लिए एक रील वीडियो साझा किया, जिसमें उनका खूबसूरत लुक ट्रांसफॉर्मेशन दिख रहा है। पहले दृश्य में दृष्टि ने सफेद और नीले रंग का धारीदार टैंक टॉप पहन रखा है, जिसमें कोई मेकअप नहीं है। वह शैगी के बूमबैस्टिक गाने पर होंठ हिलाती दिख रही हैं। इसके बाद वीडियो में उनका ट्रांसफॉर्मेशन दिखाया गया है, जिसमें वह अपना हॉट ग्लैमरस लुक दिखाती नजर आ रही हैं। 39 वर्षीया एक्ट्रेस ने गहरे नेकलाइन के साथ पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहनी हुई है। न्यूड पिंक लिपस्टिक, आँखों में काजल, ब्लश और हाइलाइट किए हुए गाल और आर्कड आईब्रो उनके मेकअप हैं। उन्होंने अपने बालों को साफ-सुथरे जूड़े में बांध रखा है। एक्सेसरीज़ के लिए उन्होंने सोने की चूड़ियाँ, मैचिंग चोकर नेकलेस और झुमके चुने। उनके वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए यूजरों ने सुंदर, सेक्सी जैसी टिप्पणियां लिखीं। एक फैन ने कहा कि प्लीज टीवी शो करो बड़े दिन हो गए। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- मधुबाला। काम के मोर्चे पर, दृष्टि ने आखिरी बार 2023 की वेब सीरीज दुरंगा में अभिनय किया था। उन्होंने गुलशन देवैया-स्टारर शो में इरा जयकर पटेल का किरदार निभाया था।